नई दिल्ली। रविवार, 25 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष पुर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 289/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कपः भारत ने जीत के साथ किया आगाज...
@ साहित्य केसरी प्रतीक्षा...
@ व्यापार लॉजिस्टिक्स चुनौतियों के बावजूद भारत...

प्रेस क्लब रायपुर में तीन राउंड गोली चली



संवाददाता ■ रायपुर

राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित प्रेस क्लब रायपुर में शनिवार की देर शाम एक कथित पत्रकार द्वारा क्लब परिसर में 3 राउंड गोली रिवाल्वर से चलाने की जानकारी निकलकर सामने आ रही है। गोली चलाए जाने के कारण सदस्यता से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। हालांकि कारण की और स्पष्टता होना बाकी है। वहीं मामले को लेकर रायपुर पुलिस कमिश्नर, थाना प्रभारी कोतवाली व प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं महासचिव से निरंतर 30 मिनट तक दूरभाष पर संपर्क किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधिकारियों से तो कोई जानकारी नहीं मिली, किंतु देर रात 11 बजे प्रेस क्लब रायपुर के महासचिव गौरव शर्मा ने दूरभाष पर यह बताया कि प्रेस क्लब रायपुर में गोली चलने की घटना हुई है, जिसकी शिकायत थाना कोतवाली रायपुर में की गई है और आगे की अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि दैनिक विश्व केसरी के एक विश्वस्थ सूत्रों से रात 10 बजे जानकारी हाथ लगी कि प्रेस क्लब रायपुर में गोली चलने की घटना हुई है। इसके बाद तत्काल सूचना को लेकर प्रेस क्लब के सभी जिम्मेदार लोगों से संपर्क किया गया। जिसमें प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा ने फोन पर चर्चा में बताया कि कथित पत्रकार पलाश तिवारी ने सदस्यता को लेकर प्रेस क्लब रायपुर के कार्यालय सचिव शिव दत्ता एवं कोषाध्यक्ष दिनेश से दुर्व्यवहार शुरू कर दिया। यह बातचीत धीरे-धीरे बढ़ती चली गई और पलाश तिवारी ने पास में रखी रिवाल्वर निकालकर धमकाने की अंदाज में क्लब परिसर में 3 बार हवाई फायर कर दिया, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, किंतु माहौल काफी उत्तेजक बताया जा रहा है, जिसकी पत्रकार समुदाय ने भर्त्सना की है। वहीं प्रेस क्लब के पदाधिकारी आगे की कार्रवाई के लिए तैयारी कर रहे हैं।

कहा यह भी जाता है कि प्रेस क्लब रायपुर में देर रात तक अवांछित तत्वों का डेरा जमा रहता है और कई असामाजिक गतिविधियां होती हैं, जिसमें पत्रकारों ने पहले भी प्रेस क्लब को सूचना दी हुई है, परंतु अब तक रोक नहीं लग सकी है।

11 करोड़ को मिला किसान आईडी का सुरक्षा कवच

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के कृषि क्षेत्र में एक नए डिजिटल युग का सूत्रपात करते हुए केंद्र सरकार ने निर्धारित समय से पांच महीने पहले ही 11 करोड़ 'फार्मर आईडी' (किसान विशिष्ट डिजिटल पहचान) तैयार करने का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-समृद्ध किसान' के विजन की ऐतिहासिक जीत बताया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित 'डिजिटल कृषि मिशन' के तहत हासिल की गई यह सफलता देश के अन्नदाताओं को सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, फसल बीमा और आपदा राहत का पारदर्शी एवं त्वरित लाभ बिना किसी कागजी दौड़-धूप के सीधे पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

तय समय से 5 महीने पहले रचा गया इतिहास

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 23 अक्टूबर की रात तक देश में 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्य के लिए 31 मार्च 2027 तक का लक्ष्य निर्धारित किया था जिसे कृषि मंत्रालय, राज्य सरकारों और मैदानी स्तर के अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से 5 महीने पहले ही हासिल कर लिया गया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज का दिन भारतीय खेती और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि विकसित भारत के निर्माण के लिए कृषि का विकास और किसान की समृद्धि अनिवार्य है और इसके लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग सबसे प्रभावी माध्यम है।

कागजी झंझटों से मुक्ति, पारदर्शी व्यवस्था की शुरुआत

केंद्रीय मंत्री चौहान ने स्पष्ट किया कि फार्मर आईडी बनने के बाद अब किसानों को बार-बार सरकारी दफ्तरों या बैंकों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि पहले किसानों को हर छोटी-बड़ी योजना के लिए



बार-बार कागजात जमा करने पड़ते थे जिससे उनका समय और धन दोनों नष्ट होता था। उन्होंने कहा कि अब फार्मर आईडी के माध्यम से बैंक ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड : ऋण प्रक्रिया सुगम होगी और बार-बार दस्तावेजी सत्यापन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना: प्राकृतिक आपदा या नुकसान की स्थिति में मुआवजे का आंकलन और भुगतान पारदर्शी तरीके से सीधे खाते में होगा। आपदा राहत राशि: संकट के समय राहत सहायता सीधे वास्तविक और पात्र किसानों तक तुरंत पहुंचेगी। फसल उपार्जन (एमएसपी खरीद): न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल बेचने की प्रक्रिया में बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और सही किसान को उसकी उपज का पूरा मूल्य मिलेगा।

6 करोड़ से अधिक किसानों तक पहले ही पहुंच चुका है लाभ

केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा 2 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद शुरू किए गए 'डिजिटल कृषि मिशन' के अंतर्गत तैयार किए जा रहे 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' का असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। फार्मर आईडी आधारित सेवा वितरण प्रणाली के जरिए अब तक देश के 6 करोड़ से अधिक किसानों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाया जा चुका है। सत्यापित किसान डेटाबेस को कृषि सेवाओं से जोड़ने से फर्जीवाड़े और दोहरे सत्यापन की समस्या पूरी तरह समाप्त हो रही है। इससे न केवल सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है, बल्कि नीति-निर्माण और योजनाओं की वास्तविक निगरानी में भी सुधार आया है।

सहकारी संघवाद की अनूठी मिसाल

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के साझा प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सफलता 'सहकारी संघवाद' का उत्कृष्ट उदाहरण है। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने केंद्र सरकार के अधिकारियों, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों, जिला स्तर की टीमों तथा गांव-गांव तक काम कर रहे मैदानी कर्मचारियों को बधाई देते हुए धन्यवाद दिया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा बटाईदार किसानों और वास्तविक जोतदारों को भी नियमों के अनुसार इस डिजिटल मंच से जोड़ने की दिशा में विशेष कदम उठाए जा रहे हैं ताकि कोई भी पात्र किसान सरकारी लाभ से वंचित न रहे।

तकनीक से बदलेगी खेती की तस्वीर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के सिद्धांत पर चलते हुए किसान रजिस्ट्री को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। फार्मर आईडी केवल एक पहचान पत्र नहीं है, बल्कि यह एक पारदर्शी, जवाबदेह और किसान-हितैषी प्रशासनिक तंत्र की मजबूत बुनियाद है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के सभी किसान भाई-बहनों को बधाई देते हुए आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक को अपनाएं, बिना किसी परेशानी के अपनी हक की योजनाओं का लाभ उठाएं और भारतीय कृषि को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहभागी बनें।

छत्तीसगढ़ के रेण नदी में एक ही परिवार के 4 सदस्यों की डूबने से मौत

विश्व केसरी■

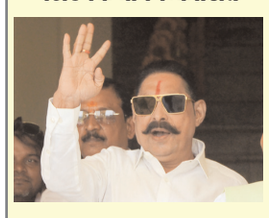


सूरजपुर (रविशंकर गुप्ता)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले की रेण नदी में एक ही परिवार के 4 सदस्यों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में पिता-पुत्र और दो अन्य बच्चे शामिल हैं, जो दशहरा मनाने अपनी मौसी के घर आए थे। शनिवार को उन्हें वापस बिहार लौटना था, लेकिन इससे पहले हादसा हो गया। शनिवार सुबह सभी सरस्वतीपुर गांव में नदी में नहाने गए थे। इस दौरान बच्चे गहरे पानी में चले गए। उन्हें बचाने के लिए पिता ने भी नदी में छलांग लगा दी, लेकिन वे भी गहरे पानी में डूब गए।

मामला बिश्रामपुर थाना क्षेत्र का है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों की मदद से सभी को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी।

खबर झरोखा

जेडीयू ने अनंत सिंह और नीलम देवी को 6 साल के लिए किया निष्कासित



पटना। जनता दल (यूनाइटेड) ने मोकामा से विधायक अनंत कुमार सिंह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने अनंत सिंह को तत्काल प्रभाव से अगले छह वर्षों के लिए जेडीयू से बाहर कर दिया है। इसी के साथ उनकी पत्नी और पूर्व विधायक नीलम देवी को भी छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। जेडीयू की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अनंत सिंह पिछले कुछ समय से लगातार पार्टी के निर्देशों की अवहेलना कर रहे थे। उन पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने तथा हाल ही में संपन्न विधान परिषद चुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है।

टी-20 के रोमांच में न्यूजीलैंड पस्त, भारत विजयी



एजेंसी ■ क्राइस्टचर्च

भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल किया।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 40 रन जोड़े। संजू सैमसन संघर्ष करते नजर आए और वह 17 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक 21 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद मिचेल सैंटनर का शिकार बने। ईशान किशन की जगह पर प्लेइंग इलेवन में शामि किए गए वैभव सूर्यवंशी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए।

कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 11 गेंदें खेलने के बाद 7 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। अक्षर पटेल भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और वह 11 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए और वह 17 गेंदों में 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। हालांकि, अंत के ओवरों में नीतीश कुमार रेड्डी और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलाई। तिलक ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी 13 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 180 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टिम सीफर्ट 7 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, डेरिल मिचेल 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिन एलन 14 गेंदों में 16 रन बनाकर प्रिंस यादव की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। हालांकि, इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी निभाई।

जैकब्स 46 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फिलिप्स ने महज 43 गेंदों का सामना करते हुए 70 रनों की आतिशी पारी खेली। भारत की ओर से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि भुवनेश्वर कुमार, प्रिंस यादव और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक विकेट निकाला।

1 से 3 नवंबर तक राज्योत्सव 2026 का आयोजन होगा



संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ के 26वें स्थापना दिवस पर नवा रायपुर के तूता मेला मैदान में 1 से 3 नवंबर तक राज्योत्सव 2026 का आयोजन होगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया और समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की संभावना है।

इस बार की थीम 'सशक्त नारी-युवा उड़ान' रखी गई है। तीन दिवसीय आयोजन में बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छाल, स्वस्ति मेहुल और अभिजीत भट्टाचार्य के परफॉर्मेंस के साथ-साथ स्थानीय कलाकार छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की झलक पेश करेंगे। 2 नवंबर को सारंग हेलीकॉप्टर और भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम एयर शो करेंगी। राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए 6 रूट निर्धारित किए गए हैं, जबकि अलग-अलग मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। वहीं, 3 नवंबर को राज्य अलंकरण समारोह के साथ राज्योत्सव का समापन होगा। राज्योत्सव स्थल पहुंचने के लिए 6 रूट निर्धारित किए गए हैं। अलग-अलग शहरों से आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाए गए हैं।

ट्रंप ने ईरान को फिर से दी सैन्य हमले की चेतावनी



एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर से सैन्य हमले की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान वाशिंगटन के साथ समझौता करने में नाकाम रहा तो अमेरिकी सेना ईरान पर एक और दौर के हमले कर सकती है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान पहले ही हार का सामना कर चुका है, फिर भी सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला है।

फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में रिपब्लिकन चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर कूटनीतिक कोशिशें नाकाम रहीं तो अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को दोहरा सकता है।

उन्होंने समर्थकों से कहा, हम एक और छोटा एपिक फ्यूरी कर सकते हैं, या वे मान जाएंगे। अगर वे समझदार हैं तो बस कहेंगे, चलिए काम की बात करते हैं।



वनोपजों से सजी 20, 700 वर्गफीट की भव्य रंगोली, बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी हुई अभिभूत

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

शहर का लालबाग का मैदान शुक्रवार की सुबह एक अलग ही रंग ले चुका था। यहां मैदान का एक बड़ा हिस्सा कैनवास बन चुका था और उसमें वनोपज व अनाज रंग बन चुके थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बस्तर दशहरा के मौके पर बस्तर आगमन पर यह अनोखी और अद्वितीय कलाकृति वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग की ओर से तैयार कराई गई थी। 15 से अधिक वनोपजों और अनाज का इस्तेमाल करते हुए 20 हजार 700 वर्गफीट क्षेत्रफल में सुंदर आकृतियां उकेरी गई थीं। इसका अवलोकन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं अन्य अतिथियों ने किया। वनोपज से रंगोली की विशिष्टता को देखते हुए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से





इस अद्भुत रंगोली को प्रमाणित भी किया गया।

गौरतलब है कि बस्तर दशहरा के दौरान पहली बार देश के प्रथम नागरिक का आगमन माई दंतेश्वरी की धरा पर हुआ। दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 अक्टूबर को जगदलपुर आगमन हुआ। यहां माई दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेने के बाद वे मुरिया दरबार में शामिल हुईं, फिर उन्होंने लालबाग मैदान में सभा को संबोधित किया। उनके इस प्रवास को लेकर बस्तर में उत्साह दिखा। इसी बीच वन विभाग ने नक्सलवाद के खात्मे के बाद बदलते बस्तर की तस्वीर को रंगोली के माध्यम से राष्ट्रपति के समक्ष रखा। बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं, प्राकृतिक संपदा तथा क्षेत्र की विकास यात्रा को रंगोली के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस रंगोली की खासियत वनवासियों द्वारा एकत्र किए गए वनोपज रहे, जिनका इस्तेमाल रंगोली में रंगों के रूप में किया गया था। इस कलात्मक अभिव्यक्ति में बस्तर के वन, वनवासी जीवन, जनजातीय संस्कृति तथा राष्ट्रपति के सम्मानित स्वरूप को उकेरा गया है। यह विशाल रंगोली बस्तर की प्राकृतिक संपदा, स्थानीय समुदायों की सृजनशीलता और परंपरागत ज्ञान का प्रतीक है। वनोपज बस्तर के जनजातीय एवं वनवासी समुदायों की आजीविका, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है। वनोपज आधारित आजीविका के संवर्धन, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण तथा स्थानीय संसाधनों के सतत् उपयोग के माध्यम से क्षेत्र के समावेशी विकास की संभावनाओं को भी इस प्रस्तुति के माध्यम से रेखांकित किया गया।

दवाएं सस्ती हों, ग्रामीणों तक पहुंचे इलाज, नकली दवाओं पर लगे रोक - राज्यपाल डेका

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सस्ता इलाज, किफायती दवाएं और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना देश की प्रमुख चुनौतियां हैं। इनके समाधान के लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य और शिक्षा को केवल कारोबार नहीं, बल्कि समाजसेवा का माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने नकली दवाओं पर रोक लगाने, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक शोध करने और छत्तीसगढ़ की वनौषधियों के पारंपरिक ज्ञान को सामने लाने पर जोर दिया।

राज्यपाल डेक पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआई) के 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन एपिकॉन-2026 को संबोधित कर रहे थे। अधिवेशन का विषय 'फार्मा शिक्षक आत्मनिर्भर भारत के लिए फार्मासिस्ट तैयार करने का संकल्प' था।

राज्यपाल ने कहा कि देश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण आबादी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना अब भी चुनौती है। दवाओं की कीमत आम आदमी की पहुंच में होनी चाहिए। चिकित्सकों को दवाएं लिखते समय मरीज की आर्थिक स्थिति का ध्यान रखना चाहिए और जहां संभव हो, कम कीमत वाली प्रभावी दवाओं के विकल्प अपनाने चाहिए।

उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चिकित्सकों और फार्मासिस्टों को गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना होगा। गर्भवती महिलाओं, माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों, विशेषकर बैगा समुदाय के पास औषधीय पौधों और पारंपरिक उपचार पद्धतियों से जुड़ा महत्वपूर्ण ज्ञान है। इसका वैज्ञानिक अध्ययन और दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। भारतीय चिकित्सा परंपराओं में उपलब्ध जानकारी की आधुनिक शोध के माध्यम से जांच कर उनकी उपयोगिता का आकलन करना जरूरी है।

नकली दवाओं को गंभीर खतरा बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन पर संकट पैदा होता है तथा चिकित्सा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होता है। फार्मेसी के विद्यार्थियों, शिक्षकों और दवा उद्योग को दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करने तथा मौलिक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नैतिक मूल्यों को महत्व देने की अपील की।

भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग की बैठक में कई विषयो पर मंथन

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मीडिया विभाग की आवश्यक बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों, मीडिया प्रबंधन और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के प्रारंभ में भाजपा प्रदेश प्रवक्ताओं ने अपना परिचय दिया।

आप सभी पार्टी और मीडिया के बीच की अहम कड़ी हैं - कर्मवीर सिंह

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मीडिया विभाग पार्टी की विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने मीडिया विभाग के कार्यकर्ताओं से तथ्यों के साथ मजबूती से पक्ष रखने और सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से मीडिया के माध्यम से जनता के बीच ले जाना हम सबकी जिम्मेदारी है। विपक्ष के दुष्प्रचार का तथ्यपरक जवाब देना भी मीडिया विभाग की अहम भूमिका है।

बैठक का संचालन प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही ने किया एवं आभार प्रदर्शन प्रदेश प्रवक्ता राजीव चक्रवर्ती ने किया। बैठक में प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी, प्रदेश प्रवक्तागण एवं मीडिया विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस और विपक्ष कर रहे हैं वोट चोरी का झूठा नैरेटिव गढ़ने की कोशिश : संतोष पाण्डेय

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि विपक्षी दल निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को नुकसान पहुँचाने और जनता को भ्रमित करने का निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष अब निर्वाचन आयोग और चुनाव प्रणाली पर बेबुनियाद सवाल खड़े कर रहा है। पाण्डेय शनिवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

1952 के चुनाव में कांग्रेस ने कम्युनिस्टों के साथ मिलकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को हराने की साजिश रची थी।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी से कांग्रेस का पुराना इतिहास खंगालते हुए बताया कि 1952 के चुनाव में कांग्रेस ने कम्युनिस्टों के साथ मिलकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को हराने की साजिश रची थी। 1957 में बिहार के बेगूसराय में देश के पहले बूथ पर कांग्रेस समर्थकों द्वारा कब्जा करने की घटना हुई थी। 1967 में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने प्रतिद्वंदियों को चुनाव से रोककर निर्विरोध 61 सीटें जीती थीं। पाण्डेय ने सन 1975 के घटनाक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के तत्कालीन न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का दोषी पाते हुए 6 वर्षों के लिए किसी भी सार्वजनिक पद के अयोग्य घोषित कर दिया था। 1987 का कश्मीर चुनाव कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बड़े पैमाने पर धांधली कर जीता था। इसके अलावा देश में कई चुनी हुई सरकारों को कांग्रेस ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए बर्खास्त किया।

जनता का समर्थन खो चुकी कांग्रेस अब वोट चोरी और ईवीएम जैसे झूठे बहाने बना रही है।

नवा रायपुर और दुर्ग में शुरू होंगे आवास रथ

इच्छुक खरीदारों को कराया जाएगा उपलब्ध संपत्तियों का प्रत्यक्ष अवलोकन

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों को किफायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां उपलब्ध कराने तथा वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 (OTS-2) महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना के अंतर्गत अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय किया जा चुका है। योजना के माध्यम से कुल 251.71 करोड़ रुपये मूल्य की 1,659 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों का विक्रय हुआ है।

OTS-2 योजना के अंतर्गत कुल 2,656 संपत्तियों को विक्रय के लिए शामिल किया गया था। इनमें से अब केवल 997 संपत्तियां विक्रय के लिए शेष हैं, जिनका कुल मूल्य 134.40 करोड़ रुपये है। योजना की सफलता से जहां वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है, वहीं आम नागरिकों को रियायती दरों पर अपना घर एवं व्यावसायिक परिसर प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा

वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 की उपलब्धि पूर्व में संचालित OTS योजना की तुलना में उल्लेखनीय रही है। सितंबर 2021 से मार्च 2024 तक संचालित पूर्ववर्ती वन टाइम सेटलमेंट योजना के अंतर्गत लगभग 511 करोड़ रुपये मूल्य की 2,591 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों को शामिल किया गया था। इस अवधि में कुल 88.28 करोड़ रुपये मूल्य की 506 संपत्तियों का विक्रय हुआ था, जिसमें विक्रय का प्रतिशत 17.27 रहा था। वहीं वर्तमान OTS-2 योजना में अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय हो चुका है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी व सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू का आज से छत्तीसगढ़ प्रवास

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी और राष्ट्रीय मंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश सह-प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू 25 अक्टूबर को दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे। अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान इरानी व शम्भू भाजपा के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों, पूर्व व वर्तमान सांसदों-विधायकों सहित निगम, आयोग व मण्डलों के अध्यक्ष व उपाध्यक्षों से संवाद स्थापित करेंगे।

भाजपा प्रदेश प्रभारी इरानी व सह प्रभारी शम्भू राजधानी रायपुर पहुँचने के बाद 25 अक्टूबर (रविवार - प्रथम दिवस) को पूर्वाह्न 11:00 बजे से 11:30 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण करेंगे। इसके पश्चात पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री (संगठन) एवं प्रदेश महामंत्रियों के साथ संगठनात्मक बैठक आयोजित होगी। दोपहर 12:30 बजे से 01:30 बजे तक पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ समीक्षा एवं रणनीतिक बैठक होगी। दोपहर 01:30 बजे से 02:30 बजे तक सभी सम्भाग प्रभारी, सह-प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला सह-प्रभारी तथा जिला अध्यक्षों की संयुक्त बैठक सम्पन्न होगी। दोपहर 03:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक पूर्व जनप्रतिनिधियों (पूर्व विधायकों एवं पूर्व सांसदों) के साथ महत्वपूर्ण बैठक होगी। सायं 05:30 बजे से 07:00 बजे तक पूर्व प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में शराब के बढ़ते सेवन से मानव हड्डियों पर खतरा, सरकार की आबकारी नीति पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के राज में पहले शराब के ओवर रेट और नकली हॉलमार्क को लेकर लगातार शिकायतें आई और पुलिसिया कार्रवाई भी हुई लेकिन अब हद हो गई जब नकली शराब से मानव जीवन से खिलवाड़ करने की बातें सामने आ रही है शराब बनाने में ऐसे पदार्थ का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे शराब सेवन करने वालों के शारीरिक स्थिति बत से बत्तर होने वाली है सीधे-सीधे उनके रीढ़ की हड्डी में फर्क पड़ने वाला है। शराब के बढ़ते सेवन और उससे होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसान को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए विकास उपाध्याय ने कहा कि शराब का अत्यधिक सेवन केवल परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से बर्बाद नहीं करता, बल्कि शरीर की हड्डियों को भी कमजोर कर सकता है। वरिष्ठ चिकित्सकों के कथनानुसार लंबे समय तक अधिक शराब पीने से हड्डियों का घनत्व कम होता है एवं ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार को केवल शराब से मिलने वाले राजस्व की चिंता करने के बजाय आम जनता के स्वास्थ्य की भी चिंता करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि 'सरकार का काम जनता को स्वस्थ रखना है, न कि शराब की कमाई के आगे लोगों की सेहत को नजरअंदाज करना।' यदि शराब के दुष्परिणामों से परिवार उजड़ रहे हैं और लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, तो सरकार को अपनी आबकारी नीति की समीक्षा करनी चाहिए। शराब की उपलब्धता और बिक्री से होने वाली कमाई का हिसाब देने वाली सरकार को यह भी बताना चाहिए कि शराब से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान को रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

विकास उपाध्याय ने कहा कि शराब के अत्यधिक सेवन से शरीर में कैल्शियम और विटामिन-डी के संतुलन, हड्डियों के निर्माण तथा गिरने से चोट लगने के जोखिम पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कमर और रीढ़ की हड्डी में दर्द या कमजोरी को नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। हालांकि, कमर की हड्डी की हर बीमारी शराब के कारण नहीं होती; इसके लिए चिकित्सकीय जांच आवश्यक है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि शराब के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, नशामुक्ति सेवाओं को मजबूत किया जाए तथा शराब की लत से जूझ रहे लोगों को उचित उपचार उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनता की सेहत की कीमत पर राजस्व कमाने की सोच स्वीकार्य नहीं है। सरकार को शराब के दुष्परिणामों पर गंभीरता से काम करना होगा, अन्यथा जनता के स्वास्थ्य से जुड़े इन सवालों का जवाब देना पड़ेगा।

जनहित के मुद्दों पर सड़क की लड़ाई लड़ने तैयार है जेसीसीजे 2.0 - अमित

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चाँद की अगुवाई में पार्टी की संगठनात्मक पुनर्गठन, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों एवं जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर आज जोगी निवास, सिविल लाइन, रायपुर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें चिंतन मनन और आत्ममंथन हुआ। दोपहर 12 से लेकर संध्या 5 बजे तक चली लगातार 5 घंटे की मैराथन बैठक में अनेक प्रस्ताव पारित हुए। प्रमुख रूप से अब जनहित के मुद्दों पर JCCJ सड़क पर उतरकर लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पार्टी के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया और संगठन को पुनर्जीवित कर पुन: मजबूत एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया।

शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : सीएम साय

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महासमुंद जिले के बसना विकासखंड अंतर्गत गढ़फुलझर में बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं बंधु मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वमंगल भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने समाज की मांग पर मंदिर परिसर में 50 लाख रुपये की लागत से भव्य डोम निर्माण की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2024 में गढ़फुलझर के विकास के लिए किए गए वादे अब धरातल पर साकार हो रहे हैं। सर्वमंगल भवन का निर्माण पूरा होने से सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही 48 लाख रुपये की लागत से मानसरोवर तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र में लगभग पौने दो किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण भी प्रगति पर है, जिस पर लगभग 3.50 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों से गढ़फुलझर और आसपास के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर में विकास का बदलाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और आने वाले समय में क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को और गति दी जाएगी।

कोलता समाज ने शिक्षा, कृषि और सामाजिक क्षेत्र में बनाई विशिष्ट पहचान

मुख्यमंत्री साय ने कोलता समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज का राज्य सरकार को सदैव स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद मिलता रहा है। कोलता समाज मेहनतकश, शिक्षित, समृद्ध और सामाजिक मूल्यों के प्रति समर्पित समाज है। कृषि, शिक्षा, सेवा और सामाजिक क्षेत्र में समाज के लोगों ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और आपसी सहयोग को मजबूत करने में कोलता समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपनी प्रगतिशील सोच और सामाजिक चेतना के कारण यह समाज दूसरे समाजों के लिए भी प्रेरणा और मार्गदर्शन का कार्य कर रहा है।

मोदी की गारंटी के संकल्पों को तेजी से पूरा कर रही राज्य सरकार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप राज्य सरकार जनकल्याण से जुड़े संकल्पों को प्राथमिकता के साथ पूरा कर रही है। सरकार का लक्ष्य विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का उल्लेख करते हुए कहा कि आवास से वंचित गरीब परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 आवासों का निर्माण हो रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के परिवारों को भी प्राथमिकता के आधार पर आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करने के साथ तेंदूपत्ता संग्राहकों, श्रमिकों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों के कल्याण के लिए भी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता स्पष्ट है - प्रदेश के प्रत्येक परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए और विकास का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर जरूरतमंद तक पहुंचे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवनों को मंजूरी

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन महिलाओं और बच्चों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूत आधारभूत सुविधाओं के साथ जमीनी स्तर तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से प्रदेश के छह परियोजना-सह-संसाधन केंद्रों के भवन निर्माण को स्वीकृति मिली है। राज्य शासन ने इन भवनों के लिए कुल 2 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रथम किस्त के रूप में 67 लाख 72 हजार 500 रुपये जारी करने की सहमति भी दी गई है।

नए भवन सूरजपुर जिले के भैयाथान और ओड़गी, रायगढ़ जिले के तमनार तथा बीजापुर जिले के बीजापुर, उसूर और भोपालपटनम में बनाए जाएंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण के लिए 45 लाख 15 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बच्चों के विकास, स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके अधिकारों और हितों के संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाओं और सेवाओं का संचालन करता है। परियोजना-सह-संसाधन केंद्र इन योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन, विभागीय अमले के समन्वय और सेवाओं की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गंगा के दोनों तटों पर उमड़ा जनसैलाब, काशी के आसमान में गूंजा भारतीय वायुसेना का शौर्य

विश्व केसरी■

वाराणसी। काशी के आसमान में शनिवार को एक बार फिर भारतीय वायुसेना के साहस, कौशल और अदम्य पराक्रम का शानदार नजारा देखने को मिला। 'विंग्स ओवर गंगा' के दूसरे दिन एयर शो देखने के लिए गंगा के दोनों तटों पर लोगों का भारी हुजूम उमड़ा। लड़ाकू विमानों की गर्जना, आसमान में उनकी तेज रफ्तार और हैरतअंगेज करतबों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।



गंगा के ऊपर जहां भारतीय वायुसेना की हवाई ताकत दिखाई दी, वहीं घाटों और तटों पर मौजूद लोगों के उत्साह ने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। दर्शक भारत माता की जय, वंदे मातरम् और हर-हर महादेव के जयकारे लगाते रहे। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'एयर फोर्स डे एरियल डिस्प्ले-2026' के तहत हुए इस प्रदर्शन में सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, मिराज-2000, मिग-29, एलसीए और जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड विमान के साथ सूर्यकिरण और सारंग प्रदर्शन टीमों ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। निर्धारित समय सुबह 11:40 बजे गंगा के एक छोर से विमानों का आना शुरू हुआ। इसके बाद आसमान में अलग-अलग दिशाओं से विमानों की आवाजाही और सधे हुए हवाई करतबों का सिलसिला चलता रहा। तेज गति, सटीक तालमेल और रोमांचक फॉर्मेशन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विमानों की तकनीक और क्षमताओं पर आधारित कमेंट्री ने कार्यक्रम को और भी रोचक बनाया। इससे लोगों को भारतीय वायुसेना की कार्यप्रणाली, विमानों की विशेषताओं और उनकी सामरिक क्षमता को करीब से समझने का अवसर मिला। हवाई प्रदर्शन में लड़ाकू विमानों के अलावा हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और अन्य सहायक विमानों ने भी हिस्सा लिया।

हेलीकॉप्टर बेड़े में एलसीएच, चिनूक, एएलएच मार्क-III, एएलएच मार्क-IV, अपाचे, चेतक, कामोव-31 और एमआई-17 वी5 शामिल रहे। परिवहन एवं सहायक विमानों में सी-295, सी-17, सी-130, एईडब्ल्यूएंडसी, आईएल-78, एएन-32 और पी-8आई जैसे विमान शामिल थे। प्रदर्शन में भारतीय थल सेना के दो एएलएच हेलीकॉप्टरों तथा भारतीय नौसेना के एक पी-8आई विमान और एक कामोव-31 हेलीकॉप्टर ने भी भाग लिया।

पश्चिम बंगाल की तरह मिशन झारखंड को सफल बनाएंगे भाजपा कार्यकर्ता: नितिन नवीन

विश्व केसरी■



रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को राजधानी रांची में आयोजित झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की विस्तृत बैठक को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि पार्टी का स्पष्ट संकल्प है कि पंचायत से लेकर संसद (पार्लियामेंट) तक भगवा लहराए।

पश्चिम बंगाल की विषम परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां के कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से बंगाल में भाजपा ने मजबूती दर्ज की है और अब पश्चिम बंगाल के बाद 'मिशन झारखंड' की बारी है।

भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारा यह सौभाग्य है कि हमें ऐसा सशक्त नेतृत्व मिला है जिसने न केवल भाजपा और भारत को, बल्कि पूरे विश्व को एक नई दिशा देने का काम किया है। देश के 140 करोड़ नागरिक अपनी आशाएं, आकांक्षाएं और अटूट विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में देखते हैं। हालांकि, कुछ शक्तियां देश के अंदर से और कुछ विदेशी सरजमीं से भारत की प्रगति और विकास की तेज रफ्तार को रोकने की लगातार साजिशें रच रही हैं, लेकिन देश की जनता प्रधानमंत्री के साथ मजबूती से खड़ी है।

कांग्रेस और विपक्ष पर सीधा हमला बोलते हुए नितिन नवीन ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि आज जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें इतिहास याद रखना चाहिए कि अगर किसी ने देश के संविधान के पन्नों को तार-तार किया है, तो वह केवल कांग्रेस पार्टी और उसके नेता हैं। देश ने आपातकाल और राज्यों में अनुचित तरीके से राष्ट्रपति शासन लगाने जैसे फैसलों को देखा है। कांग्रेस ने देश को संविधान के हिसाब से नहीं, बल्कि अपने एक परिवार के नियमों से चलाया है।

केरल में 'ऑस्ट्राहिंद' अभ्यास जारी, सैन्यकर्मियों से ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने की मुलाकात

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ओएएम ने ऑस्ट्राहिंद सैन्य अभ्यास को द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण बताया है। शनिवार को वो अभ्यास स्थल पहुंचे और इसमें शामिल सैन्यकर्मियों से मुलाकात के बाद राय व्यक्त की।



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए फिलिप ने बताया, ' मैंने केरल में अभ्यास कर रहे 13वीं ब्रिगेड रेजिमेंट के 120 जवानों से मुलाकात की। मैं मानता हूं कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की रणनीतिक साझेदारी के विस्तार के साथ दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंधों का महत्व और बढ़ गया है।'

उन्होंने अपने संदेश में सैन्य प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, 'लड़ने के लिए प्रशिक्षण, जीतने के लिए प्रशिक्षण। 'ऑस्ट्राहिंद' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास है। इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग, आपसी तालमेल और संयुक्त अभियान चलाने की क्षमता को बढ़ाना है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा सहयोग पिछले कुछ वर्षों में व्यापक हुआ है। दोनों देश नियमित सैन्य अभ्यासों, रक्षा संवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सहयोग कर रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच दोनों सेनाओं के बीच प्रशिक्षण और समन्वय को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

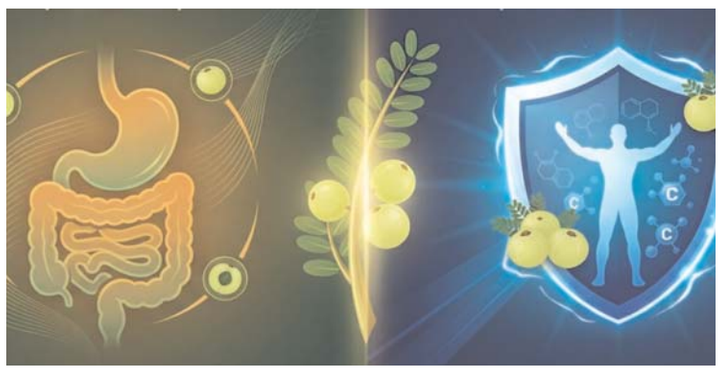
भारतीय सेना और ऑस्ट्रेलियाई सेना के बीच द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्राहिंद' का पांचवां संस्करण 19 अक्टूबर 2026 को केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित 'फॉरेन ट्रेनिंग नोड' में शुरू हुआ।

बालों की कमजोरी और पाचन की दिक्कतों से हैं परेशान? डाइट में शामिल करें आंवला, फिर देखिए फायदे

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आंवला विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर फल है, जिसे बदलते मौसम में बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह सामान्य इम्यून फंक्शन, पाचन और कोलेजन निर्माण में मदद करता है।

बदलते मौसम में सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। तापमान में उतार-चढ़ाव और दिनचर्या में बदलाव के कारण कई लोगों को सर्दी-जुकाम, पाचन संबंधी परेशानी और थकान का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में खानपान में पौष्टिक चीजों को शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद रहता है। आंवला इन्हीं गुणकारी खाद्य पदार्थों में से एक है। विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर आंवला न केवल शरीर को जरूरी पोषक तत्व देता है, बल्कि संतुलित आहार का हिस्सा बनकर सेहत को बेहतर बनाए रखने में भी मदद करता है।



आंवले में विटामिन-सी पाया जाता है, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी पोषक तत्व है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट भी शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद करते हैं। बदलते मौसम में आंवले को संतुलित आहार का हिस्सा बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल आंवले का सेवन करने से सर्दी-जुकाम या वायरल संक्रमण से बचाव संभव नहीं है। पर्याप्त नींद, साफ-सफाई और पौष्टिक खानपान भी जरूरी हैं।

पाचन के लिए हो सकता है फायदेमंद

अगर आप पाचन को दुरुस्त रखने के लिए खानपान में बदलाव करना चाहते हैं, तो आंवला एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसमें फाइबर होता है, जो सामान्य पाचन क्रिया और मल त्याग को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इसे साबुत फल के रूप में खाना उपयोगी हो सकता है। गैस, एसिडिटी या पेट में जलन की समस्या से परेशान लोगों को अपनी सहनशीलता या चिकित्सक की सलाह के अनुसार ही इसका सेवन करना चाहिए। क्योंकि खट्टे खाद्य पदार्थ कुछ लोगों में एसिडिटी बढ़ा सकते हैं।

त्वचा और बालों के लिए भी उपयोगी

आंवले में मौजूद विटामिन-सी कोलेजन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोलेजन त्वचा की संरचना और सामान्य मजबूती के लिए जरूरी है। इसके अलावा, आंवले में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद कर सकते हैं। बालों की सेहत के लिए भी पर्याप्त पोषण जरूरी है।

आंवले का सेवन कई तरीकों से किया जा सकता है। आप इसे अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काटकर कच्चा खा सकते हैं।

एमपी एफडीए ने पतंजलि के गाय घी के एक बैच को बताया असुरक्षित, उत्पाद वापस मंगाने का दिया आदेश

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पतंजलि फूड्स लिमिटेड को मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से बड़ा झटका लगा है। नियामक प्राधिकरण ने कंपनी को उसके गाय के घी (काउ घी) के एक विशेष बैच को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने शनिवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आधार पर की गई है।



कंपनी के अनुसार, मध्य प्रदेश एफडीए द्वारा लिए गए नमूने की जांच में संबंधित बैच फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स एंड कंटामिनेंट्स, टॉक्सिन्स एंड रेजिड्यूज) रेगुलेशंस, 2011 के तहत निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरा। इसके बाद नियामक ने बुरहानपुर जिले में उस बैच को वापस मंगाने का आदेश जारी किया।

हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह मध्य प्रदेश एफडीए के नामित अधिकारी द्वारा जारी आदेश के खिलाफ अपील दायर कर रही है। पतंजलि फूड्स का कहना है कि इस कार्रवाई का उसके वित्तीय या परिचालन कारोबार पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा और असर केवल संबंधित घी बैच के मूल्य तक ही सीमित रहेगा।

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि 'वित्तीय और परिचालन गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है, सिवाय उस विशेष बैच के काउ घी के मूल्य के।'

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को पतंजलि फूड्स का शेयर बीएसई पर 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 351 रुपए पर बंद हुआ। पिछले 52 सप्ताह में इस शेयर ने 613.95 रुपए का उच्चतम और 328.05 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

बीते एक वर्ष में कंपनी के शेयर में लगभग 41 प्रतिशत और पिछले तीन वर्षों में करीब 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि पांच वर्षों की अवधि में यह शेयर लगभग 5 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न देने में सफल रहा है। यह पहला अवसर नहीं है जब कंपनी किसी खाद्य सुरक्षा विवाद में घिरी हो।

साहिर लुधियानवी: गरीबी ने छीनी मोहब्बत तो कलम से लिखी तकदीर, बने हिंदी सिनेमा के अमर गीतकार

विश्व केसरी■

मुंबई। हिंदी फिल्मों के एक प्रसिद्ध गीतकार, कवि और महान उर्दू शायर साहिर लुधियानवी की 46वीं पुण्यतिथि 25 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस मौके पर आइए हम आपको उनके निजी जीवन से लेकर पेशेवर सफर के बारे में बताते हैं।



साहिर लुधियानवी का जन्म 8 मार्च 1921 को भारत के पंजाब के लुधियाना में हुआ था। उनका असली नाम अब्दुल हयी था। साहिर एक समृद्ध परिवार से आते थे, लेकिन माता-पिता के अलग होने के बाद उन्हें कई प्रकार की चुनौती और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा।

साहिर ने अपनी शुरुआती शिक्षा लुधियाना से पूरी की। इसके बाद वह एक सरकारी विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन करने लगे। साहिर को शुरू के दिनों से ही लिखने में काफी रुचि थी। वह कॉलेज में अपनी शायरी के लिए काफी मशहूर थे। इस दौरान उनको यूनिवर्सिटी की एक लड़की अमृता से प्यार हो गया, जो इनकी सबसे बड़ी प्रशंसक थी, लेकिन गरीबी और मुस्लिम होने के कारण अमृता के परिवारवालों ने इस रिश्ते से साफ तौर पर इनकार कर दिया और उनके पिता के कहने पर उन्हें कॉलेज से भी निकाल दिया गया।

कॉलेज से निकाले जाने के बाद साहिर को जीविका के लिए कई प्रकार की छोटी-मोटी नौकरियां करने पड़ी। इसके बाद, 1943 में वे पाकिस्तान के लाहौर चले गए, जहां उन्होंने अपनी पहली संग्रह कविता 'तल्खियां' छपवाई। इसके बाद, 1949 में वह मुंबई आ गए, जहां उन्होंने फिल्म 'आजादी की राह पर' में अपनी पहली गीत लिखी, लेकिन उन्हें असल प्रसिद्धि फिल्म 'नौजवान' के लिए लिखी गई गीत से मिली।

इसके बाद साहिर ने 'प्यासा', 'बाजी', 'जाल', 'हमराज', 'त्रिशूल', 'इंसाफ' का तराजू 'कभी कभी', 'ताजमहल', 'नौजवान', 'प्यार की प्यास' जैसी फिल्मों के लिए गीत लिखे। साहिर हिंदी फिल्म जगत के पहले ऐसे गीतकार थे, जिन्होंने गानों की बिक्री पर गीतकारों को रॉयल्टी दिलाने के लिए ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी और उसमें जीत भी हासिल की।

हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार की बड़ी सौगात, 320 नई पीजी मेडिकल सीटों को मंजूरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश को बड़ी सौगात देते हुए राज्य के छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 320 नई स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव को केंद्र सरकार की ओर से मंजूरी दिए जाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार इसके लिए लगभग 415 करोड़ रुपए का अनुदान देगी।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इससे हिमाचल के युवाओं को अपने ही राज्य में मेडिकल की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। साथ ही, विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

प्रस्ताव पर केंद्र सरकार की ओर से तेजी से लिए गए फैसले का उल्लेख करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि हिमाचल सरकार से 23 जून को प्रस्ताव मिला था। इसके बाद 6 अक्टूबर को एम्स बिलासपुर के दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्यमंत्री से भी इस विषय पर चर्चा हुई और अब केंद्र सरकार ने प्रस्तावित सभी 320 सीटों को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार ने हिमाचल के प्रस्ताव पर तेजी से काम करते हुए सभी 320 सीटों को मंजूरी दी है। अब हम राज्य सरकार से भी उम्मीद करते हैं कि वह इसी तेजी से जरूरी कदम उठाए, ताकि प्रदेश के युवाओं और आम लोगों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके।'

इन 320 नई सीटों में शिमला के लिए 91, टांडा और हमीरपुर के लिए 57-57, मंडी के लिए 55, नाहन के लिए 32 और चंबा के लिए 28 सीटें शामिल हैं। इनसे सर्जरी, हड्डी रोग, स्त्री व प्रसूति रोग, बाल रोग, कैंसर सहित कई अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में मेडिकल शिक्षा के विस्तार के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने 15,000 करोड़ रुपए की लागत से अगले पांच वर्षों में देशभर में 10,000 नई यूजी और पीजी मेडिकल सीटें बढ़ाने की योजना को मंजूरी दी है। हिमाचल प्रदेश में 320 नई पीजी सीटों की स्वीकृति भी इसी योजना का हिस्सा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने हिमाचल सरकार से आग्रह किया कि वह इन सभी 320 सीटों को समय पर शुरू करने के लिए जरूरी कदम उठाए, ताकि विद्यार्थियों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। उन्होंने राज्य में केंद्र सरकार की मदद से चल रही अन्य महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के काम में भी तेजी लाने की जरूरत बताई।

बिहार में ऋण वितरण की समीक्षा, कम प्रदर्शन करने वाले बैंकों को विकास आयुक्त की चेतावनी

विश्व केसरी■

पटना। बिहार में बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन और ऋण प्रवाह की समीक्षा को लेकर विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को पुराना सचिवालय स्थित मुख्य सभाकक्ष में उच्च स्तरीय समिति की तृतीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में वार्षिक साख योजना की प्रगति, साख-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत ऋण वितरण की विस्तृत समीक्षा की गई।



बैठक की सबसे बड़ी विशेषता राज्य में कार्यरत बैंकों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए 100 अंकों के वैज्ञानिक मापन सूचकांक की शुरुआत रही। इस नई प्रणाली के तहत विभिन्न मानकों पर बैंकों को अंक देकर उनकी रैंकिंग तय की गई है। साथ ही राज्य सरकार ने ऋण निगरानी तंत्र में चार नई कल्याणकारी योजनाओं को शामिल कर समीक्षा प्रक्रिया को और व्यापक बनाया है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिहार की वार्षिक साख योजना का आकार बढ़ाकर 4.95 लाख करोड़ रुपए किया गया है। यह राशि इस वित्तीय वर्ष के लिए राज्य के करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए के योजना आकार से लगभग चार गुणा अधिक है। यह राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को एक मजबूती प्रदान करेगी। इस निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध सितंबर तिमाही में राज्य ने 1 लाख 89 हजार 343 करोड़ रुपए (38.25 फीसदी) की मजबूत उपलब्धि हासिल कर ली है।

विकास आयुक्त ने रेखांकित किया कि यह प्रगति पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 की इसी छमाही की तुलना में 46 हजार 228 करोड़ रुपए अधिक है, जो बिहार में निवेश और आर्थिक गतिविधियों में आई भारी तेजी को प्रमाणित करती है।

कहानी



डॉ.महिमा श्रीवास्तव

रात के एक बजने वाले थे। सोमा ने गैस बंद की और दाल गरम करके केसरोल में डाल दी । रसोई में अब हल्की-सी घी के तड़के की गंध फैल गई थी। उसने थकी आँखों से दीवार घड़ी की तरफ देखा।

टिक... टिक... टिक...

पूरा घर उस घड़ी की आवाज़ से भरा हुआ था।

मोबाइल उठाकर उसने नीरज को फोन लगाया।

'हाँ, बस निकल रहा हूँ,' उधर से वही जाना-पहचाना जवाब आया।

सोमा ने कुछ पल चुप रहकर पूछा, 'खाना खा लिया?'

'अरे यार, पार्टी में हूँ। तुम सो जाओ ना।'

फोन कट गया।

सोमा ने मोबाइल मेज पर रख दिया। उसे याद नहीं था कि पिछले कितने वर्षों से उसकी रातें इसी एक वाक्य के साथ खत्म होती थीं 'बस निकल रहा हूँ।'

उसने बेटे अंश को फोन लगाया।

'माँ, मैं दोस्तों के साथ हूँ,' उधर से हँसी-ठिठोली की आवाजें आ रही थीं।

'कब तक आओगे?'

'आप सो जाओ ना। चाबी है मेरे पास।'

सोमा ने धीरे से 'ठीक है' कहा और फोन रख दिया।

पूरा घर फिर शांत हो गया।

वह ड्रॉइंग रूम में आकर बैठ गई। सामने टीवी चल रहा था, लेकिन आवाज़ बंद थी। स्क्रीन पर लोग हँस रहे थे, नाच रहे थे, लेकिन कमरे में सिर्फ सन्नाटा था।

सोमा अक्सर सोचती थी कि इंसान की जिंदगी भी कितनी अजीब होती है। कभी वही घर छोटा लगने लगता है जिसमें लोग रहते हों, और कभी वही घर इतना बड़ा लगने लगता है कि आवाज़ तक खो जाए।

सुबह होते ही उसकी जिंदगी बिल्कुल दूसरी हो जाती थी।

सोमा शहर के एक उच्च माध्यमिक विद्यालय में हिंदी पढ़ाती थी। स्कूल पहुँचते ही बच्चे उसे घेर लेते।

'मैडम, मेरी कॉपी देखिए।'

'मैडम, आज कविता सुनाइए।'

'मैडम, कल वाली कहानी पूरी नहीं हुई थी।'

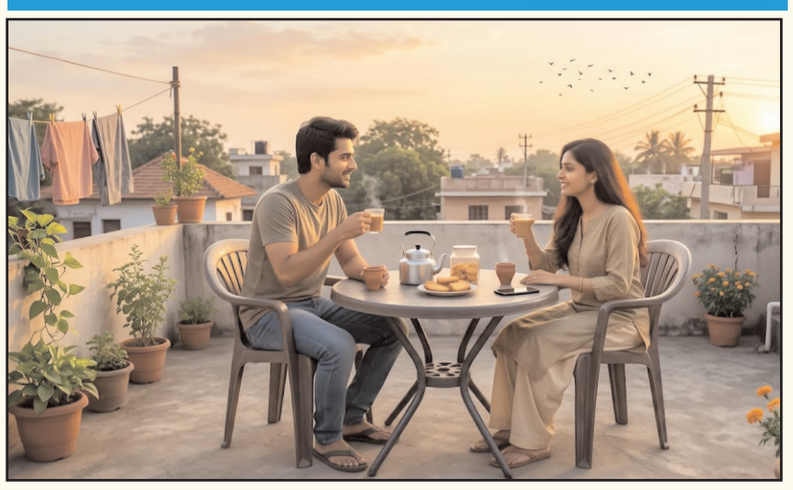
स्कूल में वह कभी अकेली नहीं होती थी। उसकी हँसी पूरे स्टाफ रूम में सुनाई देती थी। लेकिन घर लौटते ही जैसे कोई अदृश्य पर्दा गिर जाता।

कभी-कभी उसे अपना पुराना समय याद आता।

कॉलेज की लाइब्रेरी में पहली बार नीरज से मुलाकात हुई थी। नीरज कानून का छात्र था। तेज बोलता था, खूब हँसता था और हर बात पर बड़े-बड़े सपने दिखाता था।

एक दिन उसने मजाक में कहा था, 'देखना, मैं इतना बड़ा वकील बनूँगा कि तुम्हें मिलने का समय लेना पड़ेगा।'

प्रतीक्षा



सोमा हँस पड़ी थी।

'अच्छा? और अगर मैं समय ही न दूँ तो?'

'तब मैं अदालत से आदेश ले आऊँगा।'

दोनों बहुत देर तक हँसते रहे थे।

उन्हीं हँसी-मजाक के दिनों में प्यार हुआ और फिर शादी।

शुरुआत के साल बहुत सुंदर थे। छोटे-से किराए के घर में दोनों मिलकर काम करते। कभी साथ खाना बनाते, कभी रात को छत पर बैठकर चाय पीते।

लेकिन धीरे-धीरे नीरज की दुनिया बदलने लगी।

वकालत में उसका नाम होने लगा। अब हर शाम किसी न किसी पार्टी, मीटिंग या दावत में गुजरती। उसके फोन लगातार बजते रहते।

शुरू में सोमा नाराज़ होती।

'इतनी देर रात तक बाहर रहना जरूरी है क्या?'

नीरज हँसकर कहता, 'अरे मैडम, यही तो नेटवर्किंग है।'

फिर वह उसकी बात मान जाती।

धीरे-धीरे शिकायतें कम हो गईं। इंतजार बढ़ता गया।

फिर अंश पैदा हुआ।

कुछ साल तक घर में रौनक रही। खिलौनों की आवाजें, स्कूल बैग, होमवर्क, कार्टून—सब कुछ।

लेकिन बच्चे बड़े होने में देर कहाँ लगाते हैं।

कॉलेज पहुँचते-पहुँचते अंश की अपनी दुनिया बन गई। अब उसकी शामें भी दोस्तों, कैफे और मोबाइल में बीतने लगीं।

सोमा फिर वहीं खड़ी रह गई—दरवाजे और घड़ी के बीच.

हाँ, उसने खुद को व्यस्त रखने की बहुत कोशिश की।

उसे पेंटिंग बनाना पसंद था। वह घंटों रंगों के साथ बैठी रहती। कभी बारिश बनाती, कभी नदी, कभी कोई अकेली खिड़की।

उसे गाने सुनना पसंद था। पुराने फिल्मी गीत चलते रहते और वह धीमे-धीमे साथ गुनगुनाती रहती।

उसे लिखना भी अच्छा लगता था। कई डायरी भर चुकी थीं उसकी छोटी-छोटी कहानियों से।

लेकिन शाम के कुछ घंटे फिर भी भारी पड़ते।

एक शाम अचानक डोरबेल बजी।

दरवाजा खोला तो सामने मानसी खड़ी थी।

'हे भगवान!' सोमा खुशी से चिल्लाई। 'तू सच में है या सपना?'

मानसी ने हँसते हुए उसे गले लगा लिया। 'इतने साल बाद मिल रही हूँ और तू अभी भी वैसी ही है।'

'झूठी।'

'सच।'

दोनों देर तक बातें करती रहीं। चाय बनी। फिर पकौड़े बने। पुरानी स्कूल की बातें निकलीं। कॉलेज के किस्से निकले।

फिर अचानक मानसी ने पूछा, 'और बता, खुश है?'

सोमा कुछ पल चुप रही।

फिर बोली, 'पता नहीं।'

उसके बाद जैसे उसके भीतर जमा हुआ सब कुछ बाहर आने लगा। उसने अपनी सारी बातें मानसी को बता दीं। रात का इंतजार। बार-बार फोन करना। अकेले खाना खाना। खाली घर।

मानसी चुपचाप सुनती रही।

फिर उसने अचानक पूछा, 'एक बात बता।'

'क्या?'

'जब तेरे पति और बेटा घर पर होते हैं, तब कौन-सा तेरे साथ बैठकर अंताक्षरी खेलते हैं?'

सोमा हँस पड़ी।

'सच बोलूँ?' मानसी बोली। 'तू अपनी जिंदगी गलत जगह ढूँढ रही है।'

'मतलब?'

'मतलब ये कि तू अकेली नहीं है। तू आज़ाद है।'

सोमा उसे देखती रह गई।

मानसी अब पूरे जोश में थी।

'अरे, सोच। कोई रोकने वाला नहीं। चाहे रात को दो बजे तक फिल्म देख। चाहे पूरे घर में जोर-जोर से गाने गा। चाहे सिर्फ आइसक्रीम खाकर डिनर कर ले। तुझे किस बात की चिंता है?'

सोमा हँसते-हँसते बोली, 'तू बिल्कुल नहीं बदली।'

'और तू बेवजह बूढ़ी हो गई है।'

दोनों जोर से हँस पड़ीं।

उस रात कई साल बाद सोमा ने नीरज को फोन नहीं किया।

उसने अपने लिए मसाला चाय बनाई। टीवी पर अपनी पसंद की पुरानी फिल्म लगाई। फिर अचानक उठकर रंग और ब्रश निकाल लाई।

रात के साढ़े बारह बजे वह फर्श पर बैठी नीले रंग से आसमान बना रही थी।

उसे अचानक महसूस हुआ—घर उतना खाली नहीं है, जितना वह समझती थी।

धीरे-धीरे बहुत कुछ बदल गया।

अब शाम होते ही वह उदास नहीं होती थी। कभी ऑनलाइन खाना मँगवा लेती। कभी बालकनी में बैठकर कहानी लिखती।

कविता

ऐ जिंदगी!



डॉ. सतीश 'बब्बा'

ऐ जिंदगी तुझे
ठुकराकर,
मौत को गले लगाया है,
जिंदगी तूने मुझे छकाया है,
एक मौत ही राह दिखाया है!
जिंदगी तू दुखों का खजाना है,
हर सांस एक छलावा है,
हर गीत में गुंगापन है,
मौत से सच जान पाया है!
नींद भी मात्र दिखावा है,
चिरनिंद्रा सुख का सागर है,
ऐ जिंदगी तुझे क्या कहूं,
तुझे जीकर ही मैंने जाना है,
तू तो एक अबूझ पहेली है,
तू ही दुख की सहेली है,
कैसे गाऊं मैं गीत मितवा के,
जीना मरना ही कहानी है!
ऐ जिंदगी तू मुझे भूल जाएगी,
सुख नींद में एक सपना है,
तू तो आसमां में चमकी बिजली है,
जिंदगी क्षण भर का भ्रम तू है,
झूठा तेरा खजाना है,
जिंदगी नाम आना जाना है,
सच तो यही है झूठे गीत गाना है,
प्रियतम मृत्यु को गले लगाना है!!

ग्राम + पोस्ट = कोबरा,
जिला - चित्रकूट, पिन 210208.
मोबाइल - 9451048508

लघुकथा

रुतबा



राजेश ओझा

'अरे संजीव, क्या हमेशा पढ़ते ही रहते हो?'

देवेश संजीव की सीट तक पहुँचते ही बोला। देवेश और संजीव दोनों पिछले ही वर्ष बार काउंसिल से पंजीकृत होकर विधि-व्यवसाय में आए थे।

'कुछ नहीं यार, थोड़ा सी0आर0पी0सी0 देख रहा था।'

'मैं तो तंग आ चुका हूँ इस व्यवसाय से। साला, रोज़ पढ़ना पड़ता है।'

'भैया, यदि मेरिट की वकालत करनी है तो पढ़ना तो पड़ेगा ही। अपने को अपडेट किए बिना आप अच्छा वकील नहीं बन सकते।'

'अच्छा वकील तब बनोगे भैय्या, जब तुम्हारे पास मुकदमे होंगे। आई0पी0सी0, सी0आर0पी0सी0, एविडेंस एक्ट - सब रट रखा है तुमने, पर मुकदमा ही न हो तो अपनी विद्वता दिखाओगे कहाँ?'

'यह तो है... बिना दलाल पाले आज की वकालत संभव ही नहीं।'

'बिलकुल! मेरा तो बस एक ही फंडा है - कानून-वानून जाए भाड़ में, पहले ये सीखो कि मुकदमा कैसे आए। भवानी बाबू को ही देख लो। आज तक मैंने उन्हें अदालत में बहस करते नहीं देखा, पर रुतबा देखो - कार से आते हैं। बस सेटिंग है। हर थाने के दलाल उनके पास। स्टेनो, पेशकार अक्सर उनकी सीट पर बैठे मिल जाएँगे।'

'वो सब ठीक है यार, पर मुझसे नहीं हो पाता ये सब। यह अभिरामी पेशा है, इसकी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। लेनिन, माण्टेस्क्यू, चाणक्य - ये सब अपने-अपने क्षेत्र के प्रकांड थे, पर 'विद्वान' शब्द केवल अधिवक्ता के साथ ही लगता है।'

'कुछ कमाया-वमाया कि नहीं?'

'सुबह से दो सौ रुपये मिले हैं।'

'तुम रोते बहुत हो। तुम्हारे बाबूजी तो दो हजार कमा चुके होंगे अब तक।'

'बाबूजी के कमाने से मेरी क्षमता कैसे आँकी जा सकती है?'

'अच्छा बाबा, छोड़ो। चलो चाय पीते हैं।'

कैंटीन पहुँचे तो देखा, स्टेनो बनर्जी काउंटर की ओर अपने नाश्ते का भुगतान करने जा रहे थे। हमें देखते ही बोले, 'अरे वकील साहब आ गए हैं... मेरा पैसा भी ले लेना।'

'क्यों? मुझसे क्यों लेंगे?' संजीव झल्लाकर बोला।

'मैं बाबू हूँ। आप वकील साहब हैं। भले मेरी तनख्वाह पचहत्तर हजार महीने हो, पर रहूँगा बाबू ही। रुतबा तो बस आप लोगों का ही है न!'

संजीव जेब में रखे दो सौ रुपये टटोलता हुआ, अपने 'रुतबे' और हकीकत के अंतर्संबंध में कहीं खो गया।

गोंडा (उ0प्र0) मो. : 98392353

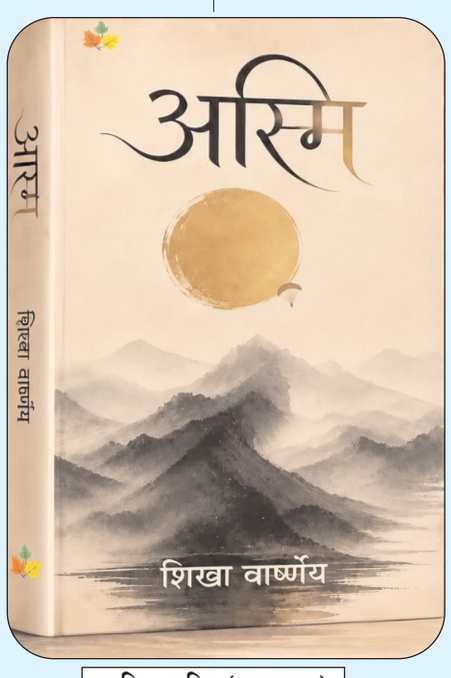
पुस्तक समीक्षा

स्त्री-मन की यात्रा का अद्भुत आख्यान



पूजा जैन

लेखिका शिखा वार्ष्णेय लंदन में स्वतंत्र पत्रकार,लेखक है। वहां रहते हुए समर्पित भाव से हिंदी साहित्य और संस्कृति को निरंतर समृद्ध करते रहना उनका स्वभाव है । मॉस्को से पत्रकारिता की शिक्षा लेने के बाद वे निरंतर साहित्य सृजन के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान, विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी मीडिया सम्मान से सम्मानित हैं। इनकी प्रकाशित पुस्तकें हैं,स्मृतियों में रूस, पांव के पंख, मन के प्रतिबिम्ब, देशी चश्मे से लंदन डायरी। 'अस्मि' उनका पहला उपन्यास है। अस्मि का अर्थ होता है, 'हूँ' । अकसर कहा जाता है 'अहम अस्मि' यानी 'मैं हूँ' । स्त्री के मन की गहराइयों में उतरना आसान नहीं है। स्त्री की कथा और व्यथा समझने में बड़ा कष्ट है। कष्ट इसलिए क्योंकि समाज का सुख इसी में है कि स्त्री गृहस्थी और परिवार के बंधन में बंध जाए और इसे ही वह गरिमामय और खुशहाल जीवन का आधार मान ले। स्टेबिलिटी, स्थायित्व और पूर्णता के नाम पर हमेशा उन्हें भ्रमित किया गया है। इतना भ्रमित की वे स्वयं अपने मन की परतें खोलने, स्वेच्छा पूर्ण जीवन जीने और आनंदित होने से भयभीत होती है।



कृति : अस्मि (उपन्यास)
लेखिका : शिखा वार्ष्णेय
प्रकाशन : शिवना प्रकाशन, सीहोर
क़ीमत : 250 रुपये

शिखा वार्ष्णेय का उपन्यास स्त्री-अस्मिता और उस के मन की इन्ही परतों को सहजता से खोलता है। उपन्यास की मुख्य पात्र एला, जो अपने ही नहीं आसपास के लोगों के जीवन में खूबसूरत रंग भरना चाहती थी। जिसके लिए आर्थिक सम्पन्नता जीवन का आनंद नहीं थी । वह स्टेबिलिटी के नाम पर अपना अस्तित्व खोती चली गयी। किसी से नहीं डरने वाली एला, सबकी दृष्टि में आदर्श दिखने वाले जीवन में इतनी कायर हो गयी कि उसकी स्वयं की दृष्टि ही खो गई। वह स्वयं अपने भीतर की गहराइयों में नहीं उतर पायी। लेकिन जब लोगों को यह भ्रम हुआ की एला जीवित नहीं है तब उसे लगा के अब वह अपनी चेतना से, अपनी कला से स्वयं को प्राप्त कर सकती है।

शिखा वार्ष्णेय का उपन्यास बेहद कलापूर्ण तरीके से यह प्रश्न रखता है कि क्या एक स्त्री मरकर ही कथित आदर्श जीवन के भ्रम से निकलकर स्वेच्छा का जीवन जी सकती है। उसे आज भी स्वयं को पाने के लिए एक दूसरी दुनिया में ही जाना होगा। एला प्रताड़ित नहीं है , शारीरिक यातना की शिकार भी नहीं , आर्थिक रूप से संपन्न , घर की व्यवस्था की हक़दार , मालकिन। लेकिन एला बस वो नहीं है जो वह होना चाहती थी। गरिमा , प्रतिष्ठा और रिश्तो की जिम्मेदारी के नाम पर स्वयं को अनदेखा करती हर स्त्री की कहानी एला की कहानी में गढ़ी गयी है। 40-50 की उम्र की वे स्त्रियां जिन्होंने कॉलेज में अनगिनत सपने देखे होंगे, उन्हें होनहार , सर्वगुणसम्पन्न , विदुषी कहकर ब्याहा गया होगा, उनके बच्चे, उनके पति कभी नहीं समझ सकेंगे कि वे अपने यौवन के दिनों में कैसी ऊर्जावान हुआ करती थी। बल्कि वे स्वयं भी आज जब आईने के सामने खड़ी होकर खुद को निहारने लगें, तो खुद ही अपनी वर्षों पुरानी छवि नहीं पहचान पाएंगी। क्या कभी किसी ने यह जानने की कोशिश की कि इस स्त्री को वह स्थायित्व चाहिए भी या नहीं। उपन्यास ऐसे ही कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है।

120 पन्नो के इस सुरुचिपूर्ण उपन्यास की प्रवाहमयी भाषा इतनी सहज है कि आप स्वयं पात्रों के साथ यात्रा करते चले जाएंगे। किसी भी उपन्यास की पठनीयता के लिए यह बेहद जरूरी है कि उसकी भाषा सहज,सरल बतियाती हुई हो। यहाँ हर पात्र की अपनी अलग कहानी है, जो भावनात्मक होने के साथ मनोवैज्ञानिक भी है। अपने स्वयं के शरीर को पहचान न पाने की उम्र में, लड़कियों-सा व्यव्हार करने की वजह से माता - पिता की अवहेलना झेलता बच्चा। अपने आसपास के लोगों की अस्वीकार्यता के बाद भी वासना रहित प्रगाढ़ दोस्ती में बंधे स्त्री और पुरुष।

व्यंग्य

मुख्य अतिथि बनने की राह - बड़े धोखे हैं इन राहों में



डॉ मुकेश असीमित

मित्रों, वैसे तो इस जिंदगी में हम सब अतिथि बनकर ही आए हैं,दो दिन के अतिथि जी! लेकिन शायद चार दिन की जिंदगी इसलिए मिली है कि दो दिन अतिथि बनकर काटें और अगर भाग्य ने साथ दे दिया तो बाकी दो दिन मुख्य अतिथि बनकर... तब तो समझिए इहलोक भी तर गया और शायद परलोक में भी आपकी 'काबिलियत' का वजन बढ़ जाए, और वहाँ भी किसी देवसभा में मुख्य अतिथि की कुर्सी हथिया लें।

लेकिन राह आसान नहीं है,यह आप भी जानते हैं। बड़ी ठन-गन ,जाड-जुगाड़, तप-तपस्या लगती हैं इसमें। 'बड़े भाग मानुष तन पावा ',पर यह तन 'माननीय' तब बनता है जब आप किसी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हो जाएँ। अब शहर में संस्थाएँ कुकुरमुत्तों की तरह उग आई हैं, तो जाहिर है कि उनमें मुख्य अतिथि भी खपने हैं। पहले एक ही मुख्य अतिथि दिन के दो-चार कार्यक्रम निपटा देता था, लेकिन अब हर संस्था को अपना 'एक्सक्लूसिव' मुख्य अतिथि चाहिए। पुराने वाले इतने अनुभवी हो गए हैं कि बिना दान-दक्षिणा के कुर्सी पर कब्जा जमाना चाहते हैं,इसलिए नए चेहरों की तलाश जारी रहती है।

हमने भी इस कुर्सी की बड़ी लालसा पाल रखी है। कई बार संस्थाओं के पदाधिकारी हमें निमंत्रण देकर मुख्य अतिथि बनने का लाइव डेमो दिखाते हैं,मार्केटिंग गुरु की तरह। हमें आगे बिठाते हैं, कुर्सी के सब्जबाग दिखाते हैं। उनकी नजरें किसी एम् एल एम् एजेंट की तरह कहती हैं, 'बस दो कदम दूर है कुर्सी महोदय... देख क्या रहे हैं? यह कुर्सी आपकी भी हो सकती है!' आयोजकों की हड़बड़ाहट में कई बार मैंने खुद को विकल्प के रूप में प्रस्तुत भी किया, लेकिन उनके निर्णय लेने की धीमी गति ने हर बार मौका हाथ से निकलवा दिया,क्योंकि ऐन वक्त पर 'निर्धारित' मुख्य अतिथि टपक ही जाते हैं।

खूब देखा है हमने संस्थाओं में मुख अतिथियो को दूल्हे की तरह शहीद होते हुए ,खुद दूल्हा नहीं बने तो क्या, बारातें तो अटेंड की ही हैं! हमारे शहर के स्थायी 24×7 उपलब्ध मुख्य अतिथि तो जैसे जन्म ही लिए हैं फीता काटने के लिए। उनका व्यक्तित्व देखकर लगता है कि वे पैदा ही कैंची पकड़कर हुए होंगे। कैंची उनके हाथ में ऐसी शोभा देती है जैसे अर्जुन के हाथ में गांडीव। वे हर बात पर मुस्कराते हैं,ऐसी मुस्कान की धार कि भींचे होंठों के बीच से भी फूट ही पड़े ।

मुख्य अतिथि की भी अपनी मजबूरियाँ होती हैं। उसे हर हाल में प्रसन्न दिखना पड़ता है। बच्चों ने बेसुरा स्वागत गीत गाया,मुख्य अतिथि प्रसन्न। माइक ने धोखा दे दिया,फिर भी मुस्कराना पड़ेगा। माला में गेंदे के फूलों के साथ दो चींटियाँ भी गले को काट लें,तो भी। सम्मान-पत्र में नाम गलत छप जाए,'कुकरेजा' की जगह 'फुकरेजा',तो भी। क्योंकि मुख्य अतिथि का दुख निजी होता है और उसकी मुस्कान सार्वजनिक।

दरअसल, मुख्य अतिथि बनना कठपुतली बनने का सभ्य संस्करण है। आयोजकों के इशारों पर नाचना पड़ता है, 'अब दीप प्रज्वलित कीजिए... अब माल्यार्पण स्वीकार कीजिए... अब दो शब्द कहिए...' वाह जी! इक्कीस हजार के दान में इक्कीस हजार शब्द बोलने की भी इजाजत नहीं। आदमी अपने ही भाषण का श्राद्ध करके बैठ जाता है।

यह तो तय है कि मुख्य अतिथि बनने के लिए केवल विद्वान, समाजसेवी, साहित्यकार या वरिष्ठ होना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए सबसे पहले आयोजन समिति की कृपा चाहिए। समिति चाहे तो पत्थर को भी प्रेरणास्रोत घोषित कर दे, और न चाहे तो जीवित प्रतिभा को दर्शक दीर्घा की तीसरी पंक्ति में बिठाकर पानी की बोतल पकड़ा दे।

एक बार हमें 'मुख्य अतिथि इन वेटिंग' का निमंत्रण भी मिला। आयोजकों ने पूरी ढिठाई से बताया कि कार्ड छप चुके हैं, उसमें हमारा नाम नहीं है। ऐन वक्त पर मुख्य अतिथि की माँ का देहांत' हो गया था,उन्हें इस निजी शोकसभा में जाना था, इसलिए असमर्थता जता दी। यह सारी बातें उन्होंने इतनी सहजता से सुनाईं कि हमारी औकात का पूरा बोध हो गया। लेकिन हम भी मुख्य अतिथि की लालसा में जीभ लपलपाए बैठे थे,सोचा, चलो इस बार मुख्य अतिथि पद की 'उतरन' ही सही। माला गर्दन तक आएगी, यही क्या कम है! भाषण की रूपरेखा मन में बनने लगी। पत्नी को भी हल्का-सा संकेत दे दिया, 'शाम को प्रेस नोट में नाम आ सकता है।'

शादी का कोट निकलवाकर धुलवाया, प्रेस करवाया,वैसे मुख्य अतिथि की निर्धारित फॉर्मल ड्रेस हमने आखिरी बार स्कूल के 'विचित्र वेशभूषा' प्रतियोगिता में ही पहनी थी।

कहते हैं,देयर आर मेनी स्लिप्स बिटवीन कप्स एंड लिप्स ... अभी प्याला अधर तक आया ही था कि डर लगने लगा,कहीं ऐसा न हो कि स्थायी मुख्य अतिथि जी की माँ पुनर्जीवित हो जाए और उनका शोकसभा में जाना टल जाए।



दो सॉनेट

युद्ध



डॉ. विनीत मोहन औदिच्य

युद्ध की विभीषिका में जल रहा जहान है।
फूंकता है जो बिगुल बन रहा महान है।।
स्वार्थ के प्रयोजनार्थ रच रहे प्रपंच सब।
रक्त के पिपासु नृत्य कर रहे उन्मत्त अब।।

शत्रु के विनाश का अहो सघोष प्रण हुआ।
अस्त्र-शस्त्र सज्ज कर प्रयाण भूमि रण हुआ।।
जीवन हर दांव लगा अति करुण कराहता।
आर्त स्वर में चीखता विनत कभी पुकारता।।

प्रचंड अट्टहास कर कराल काल बढ़ चला।
शूरवीर युद्ध बलि अमर्ष भेंट चढ़ चला ।।
बिलख रहे सुहाग नित उजड़ रही हैं कोख भी।
बही धरा पे जो नदी रही लहू को सोख भी ।।

मानवता का श्राप रहा है रौद्र रूप अति युद्ध ।
लील रहा सुख शांति भी कर विकास अवरुद्ध

2-प्रतिकार

वतन ये शोक में डूबा, गहनतम मौन है छाया
शहीदों के मृतक ये शव, बता दो कौन है लाया?
दुखी माँ भारती कहती स्वयं बलिदान देना है
नहीं जाता सहा अब तो, प्रबल प्रतिशोध लेना है।

लगे हैं घाव सीने में, बिलखती है कहीं ममता
न आयेगा कभी क्या दिन दिखेगी जब प्रबल क्षमता
लहू भी चीख कर कहता ये बलिदानी सपूतों का
न देखो रास्ता अब तुम गुनाहों के सबूतों का।

कलेजा फट रहा माँ का, कहीं पर मांग सूनी है
बहिन भाई पिता बेटी सभी की पीर दूनी है
उठी हैं उँगलियां जिन पर, उन्हें ही कृत्य ये भाया
किया है छेद थाली में नमक जिसका सदा खाया।

करो रिपु दाँत बस खट्टे, यही उपकार अब होगा
मिटे नामोनिशां तक भी सही प्रतिकार तब होगा ।।

सागर(मप्र)

लघुकथा

अधूरा सपना



इंदु सिन्हा 'इन्दु'

'चलो मॉम जल्दी से तैयार हो जाओ.मैं घण्टे भर में पहुँच रही हूँ.'

श्रीमाला ने मोबाइल पर अपनी मॉम जया को आदेश दिया,

'अरी कुछ बोलेगी भी, कहाँ चलना है?'जया पूछती रह गयी फोन कट गया.

वो तैयार होते-होते सोचने लगी, उसकी पच्चीस वर्षीया टीचर बेटी ने कोई लड़का पसन्द किया होगा, जिससे मिलवाने ले जा रही होगी. चलो, अच्छी बात है शादी के लिए तैयार तो हुई.

डोरबेल बजी,सामने श्रीमाला थी.

'चलो जल्दी,फटाफट!' श्रीमाला ने खुद ही दरवाजा लॉक किया,एक्टिवा स्टार्ट कर दी. वह स्कूल वाले रास्ते की ओर चल पड़ी. जया सोचने लगी,लड़का स्कूल में टीचर होगा.चलो अच्छा है, दोनों पति-पत्नी साथ जॉब में रहेंगे.

एक्टिवा स्कूल के पार्किंग में रुकी.

'मॉम! तुम हमेशा ही बोलती हो कि दसवीं के बाद तुम पढ़ाई पूरी नही कर पायी?'

'हाँ, तो उसमें क्या ?''जया आश्चर्य में थी.

'आज तुम्हारा एडमिशन है स्कूल में.ग्यारहवीं और बारहवीं की पढ़ाई इसी स्कूल से करोगी,जहाँ तुम्हारी बेटी भी टीचर है.उसके बाद आगे की पढ़ाई.'

जया अपनी बेटी को देखती रह गयी.उसका अधूरा सपना आज उसकी बेटी ने पूरा कर दिया था

रतलाम(मध्यप्रदेश)

नियमों को ताक पर रख रहा निगम एसएलआरएम सेंटर केवल नाम के

पुराने कुरासिया रोड और जंगलों में खुलेआम फेंका जा रहा कचरा

विश्व केसरी■

मनेंद्रगढ़ (राजेश उपाध्याय)। एक तरफ जहां देश भर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरों को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ नगर पालिक निगम चिरमिरी में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। निगम प्रशासन द्वारा शहर से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक एवं वैधानिक तरीके से निपटान करने के बजाय उसे खुले में पुराने कुरासिया रोड और आसपास के जंगलों में डंप किया जा रहा है।



कबाड़ योग्य कचरे का खेल, बाकी जंगलों के हवाले

स्थानीय सूत्रों और मौके की स्थिति के अनुसार, चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में लगभग 8 से 10 SLRM सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन सेंटरों का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर से संग्रह किए गए कचरे का पृथक्कीकरण कर उसका वैज्ञानिक प्रसंस्करण करना है। लेकिन धरातल पर सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है। आरोप है कि स्वच्छता दीदियों के माध्यम से केवल वही कचरा SLRM सेंटरों तक मंगवाया और छांटा जा रहा है जिसे आसानी से कबाड़ में बेचकर आय अर्जित की जा सके (जैसे प्लास्टिक बोतलें, गत्ते और धातु)। बाकी बचे गीले व सूखे अपशिष्ट और हानिकारक कचरे को ट्रैक्टरों व वाहनों में भरकर पुराने कुरासिया रोड तथा समीपस्थ वन क्षेत्रों में खुलेआम फेंका जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन एवं पर्यावरण नियमों का खुल्ला उल्लंघन

नगर निगम की यह लापरवाही पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है, जो सीधे तौर पर निम्नलिखित संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 : नियमों के तहत किसी भी निकाय को खुले स्थानों, सड़कों या वन क्षेत्रों में बिना छांटे कचरा फेंकने की सख्त मनाही है। कचरे का शत-प्रतिशत पृथक्कीकरण और प्रसंस्करण अनिवार्य है।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986: जंगलों और सार्वजनिक सड़कों पर रासायनिक व अजैविक कचरा फेंकने से मिट्टी और भू-जल प्रदूषित हो रहा है। वन्यजीवों द्वारा प्लास्टिक खाने से उनके जीवन पर भी संकट मंडरा रहा है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के दिशा-निर्देश: NGT के स्पष्ट निर्देश हैं कि नगरीय निकाय खुले में कचरा जलाने या डंप करने पर दोषी पाए जाने पर भारी जुर्माना के भागीदार होंगे।

स्थानिय निवासियों में आक्रोश, बीमारियों का खतरा

पुराने कुरासिया रोड से गुजरने वाले राहगीरों और आसपास के रहवासियों का बदबू के कारण जीना मुहाल हो चुका है। बारिश और हवा के कारण यह कचरा दूर-दूर तक फैल रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों और महामारी फैलने का अंदेशा बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्वच्छता के नाम पर केवल कागजी आंकड़ेबाजी की जा रही है, जबकि जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है।

बड़ा सवाल: जिम्मेदार मौन क्यों ?

जब लाखों रुपये की लागत से 8-10 SLRM सेंटर बनाए गए हैं, तो उनका पूर्ण उपयोग क्यों नहीं हो रहा?

क्या निगम प्रशासन का ध्यान केवल कबाड़ से होने वाली आय पर है, पर्यावरण संरक्षण पर नहीं?

जंगलों और मुख्य सड़कों को डंपिंग यार्ड बनाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी?

नगरवासियों ने जिला प्रशासन और पर्यावरण संरक्षण मंडल से मांग की है कि पुराने कुरासिया रोड और जंगलों में अवैध रूप से कचरा फेंकने पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

नगर को उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दी बड़ी सौगात, 1 करोड़ 77 हजार रुपये से संवरेगा शहर

विश्व केसरी■



मुंगेली (रवि शुक्ला)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने मुंगेली नगर पालिका परिषद को एक बार फिर विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अधोसंरचना मद के अंतर्गत नगर में विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए 100.77 लाख रुपये यानी लगभग 1 करोड़ 77 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस राशि से नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में चार महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जाएंगे। इन कार्यों के पूर्ण होने से जहां शहर की बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी, वहीं नागरिकों को बेहतर आवागमन, व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल और विकसित शहरी परिवेश का लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत इन कार्यों में धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए डोम शेड निर्माण,सड़क निर्माण एवं मरम्मत,प्रमुख तिराहे का सौंदर्यीकरण और सुरक्षा की दृष्टि से रिटेनिंग वॉल का निर्माण शामिल है। नगर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख स्थानों पर होने वाले इन कार्यों को शहरी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चार प्रमुख विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत

वार्ड क्रमांक 13 में शक्तिमाई मंदिर के पास डोम शेड का निर्माण कराया जाएगा। इस निर्माण से धार्मिक आयोजनों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा अन्य सार्वजनिक गतिविधियों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न आयोजनों के दौरान बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी।

पंडरिया मेन रोड से शक्तिमाई मंदिर तक सीसी सड़क निर्माण एवं मरम्मत:44.74 लाख रुपये

वार्ड क्रमांक 13 में पंडरिया मेन रोड से शक्तिमाई मंदिर तक सीसी सड़क की मरम्मत एवं निर्माण के लिए 44.74 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह चारों कार्यों में सबसे अधिक राशि वाला कार्य है। सड़क के निर्माण एवं मरम्मत से आवागमन को बेहतर बनाने और स्थानीय नागरिकों को आने-जाने में सुविधा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

मुंगेली-लोरमी तिराहे का होगा सौंदर्यीकरण:24.89 लाख रुपये

नगर पालिका परिषद मुंगेली क्षेत्रांतर्गत मुंगेली-लोरमी तिराहे के सौंदर्यीकरण के लिए 24.89 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। शहर के प्रमुख मार्गों से जुड़ा यह तिराहा नगर की पहचान और यातायात व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सौंदर्यीकरण कार्य पूरा होने के बाद इस प्रमुख स्थल का स्वरूप अधिक व्यवस्थित और आकर्षक बनाने में मदद मिलेगी।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 27 अक्टूबर को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। युवाओं में पारस्परिक एकता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 27 अक्टूबर को शासकीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, अंबिकापुर में किया जाएगा। युवा उत्सव में जिले के युवा लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज, पारंपरिक वेशभूषा और विकसित भारत चैलेंज ट्रैक में भाग लेंगे।

15 से 29 वर्ष तक के युवा कर सकेंगे भागीदारी

प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष तथा संगतकारों की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 की स्थिति में की जाएगी। कोई भी प्रतिभागी किसी एक ही विधा में भाग ले सकेगा। प्रत्येक विधा के विजेताओं का चयन कम से कम तीन विषय विशेषज्ञों की निर्णायक समिति करेगी।

विकसित भारत चैलेंज ट्रैक में माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन क्विज के बाद चयनित प्रतिभागी निबंध लेखन और प्रस्तुतीकरण के चरण में पहुंचेंगे। जिला स्तर पर शीर्ष 50 निबंधों का चयन पीपीटी राउंड के लिए होगा।

प्रतिभागियों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अधिकतम पांच मिनट मिलेंगे। इस ट्रैक का विषय 'जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास' है। विधावार निर्धारित हैं प्रस्तुति के नियम लोक नृत्य और लोकगीत दल में सात सदस्य तथा अधिकतम तीन संगतकार शामिल हो सकेंगे। दोनों विधाओं में प्रस्तुति के लिए 5 से 8 मिनट और मंच व्यवस्था के लिए अतिरिक्त तीन मिनट दिए जाएंगे। लोक नृत्य में टेप रिकॉर्डेड संगीत मान्य नहीं होगा, जबकि लोकगीत भारतीय क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुत किया जा सकेगा; फिल्मी गीत मान्य नहीं होंगे। जिला स्तर के शीर्ष दो दल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। चित्रकला में प्रतिभागी को निर्धारित विषय पर ए-3 आकार के पोस्टर पर एक मौलिक चित्र बनाना होगा। इसके लिए अधिकतम छह घंटे मिलेंगे और पोस्टर पर प्रस्तुत मूल चित्र ही मान्य होगा।

पीवी एप सर्वे में निजी सर्वेयरों की व्यवस्था पर पटवारियों का विरोध



विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे राजस्व पटवारियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। हड़ताल के 11वें दिन शुक्रवार 23 अक्टूबर को पटवारियों ने काले कपड़े पहनकर जिला मुख्यालय जांजगीर में रैली निकाली और विरोध प्रदर्शन किया। पटवारी संघ ने डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं पीवी एप के माध्यम से फसलों के भौतिक सत्यापन का कार्य निजी सर्वेयरों से कराए जाने की व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति जताई। इस दौरान पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निराकरण की मांग की।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में तकनीकी समस्याओं से बढ़ी परेशानी - जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे और पीवी एप के माध्यम से फसलों के भौतिक सत्यापन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है।

चांगरो में जीराफूल चावल पर संवाद, किसानों और समूह की दीदियों को आर्थिक संबल देने का संकल्प

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम चांगरो में सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर आत्मीय चर्चा की। गांव के कृषक वर्षों से जीराफूल चावल की जैविक खेती कर इस पारंपरिक धरोहर को सहेजे हुए हैं। अतिथियों ने किसानों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें और अधिक उत्साह के साथ खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जीराफूल चावल एक पारंपरिक, सुगंधित और छोटे दाने वाली किस्म है, जिसके पतले दाने जीरे के समान होने के कारण इसे यह नाम मिला है। मार्च 2019 में जीआई टैग प्राप्त यह चावल अपने प्राकृतिक मीठेपन और मनमोहक सुगंध के लिए विख्यात है, जिसकी खुशबू पकते समय आसपास के घरों तक फैल जाती है। हल्का और सुपाच्य होने के साथ ही यह क्षेत्र के सबसे महंगे चावलों में शुमार है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक है।

सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने ग्रामीणों को रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि चांगरो का जीराफूल चावल हमारी अनमोल पहचान है और इसकी सुगंध को केवल जिले तक सीमित न रखकर राज्य और देशभर में पहुँचाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस खेती से जुड़े किसानों और महिलाओं की समृद्धि के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि राज्य शासन के सहयोग से जीराफूल चावल की बेहतर मार्केटिंग सुनिश्चित की जाएगी।

सरस्वती शिशु मंदिरों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर 150 स्कूलों में डिजिटल क्लास रूम में होगा अध्यापन

विश्व केसरी■



भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर भानुप्रतापपुर में विभाग स्तरीय प्रबंधकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक में 17 विद्यालयों की स्कूल प्रबंधन समितियों के पदाधिकारी, सदस्य तथा प्राचार्य-प्रधानाचार्य शामिल हुए। संस्थान के प्रादेशिक सचिव लक्ष्मण राव मगर ने बैठक में पहुंचकर विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए तैयार किए गए रोडमैप की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि विभिन्न असुविधाओं के बावजूद सरस्वती शिशु मंदिरों के परीक्षा परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए प्रांतीय स्तर पर उत्कृष्ट विद्यालयों का चयन किया गया है। इसके साथ ही 150 विद्यालयों में करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से डिजिटल क्लासरूम तैयार किए गए हैं। इन कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। विद्यार्थी सीधे विशेषज्ञ शिक्षकों से जुड़कर सवाल भी पूछ सकेंगे।

जनवरी से चिन्हांकित विद्यार्थियों को जेईई और नीट की कोचिंग भी डिजिटल माध्यम से दी जाएगी। संभावित टॉपर विद्यार्थियों के लिए 10 दिन का विशेष प्रशिक्षण आयोजित कर उनकी तैयारी को और मजबूत किया जाएगा। बैठक में खेलकूद के क्षेत्र में विद्यालय के विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन की भी जानकारी दी गई।

चिरमिरी पार्षद राहुल पटेल की पहल, वार्ड में ही बनाए जा रहे श्रम कार्ड

विश्व केसरी■



चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। नगर निगम चिरमिरी के वार्ड नंबर 34 में पार्षद राहुल पटेल द्वारा वार्डवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्रम कार्ड बनवाने की पहल की जा रही है। इस पहल के तहत वार्ड में ही श्रम कार्ड बनाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को कार्ड बनवाने के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े।

पार्षद राहुल पटेल की इस पहल का उद्देश्य वार्ड के श्रमिकों को श्रम कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें शासन की पात्रता आधारित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद करना है। वार्ड में ही यह सुविधा मिलने से श्रमिकों को समय और अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल सकती है।

श्रम कार्ड श्रमिकों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने में सहायक होता है। ऐसे में वार्ड स्तर पर श्रम कार्ड बनवाने की व्यवस्था को आम लोगों की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वार्डवासियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और जरूरतमंद लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में पार्षद राहुल पटेल की यह पहल चर्चा में है।

ऑपरेशन 'बॉज' के तहत सक्ती पुलिस की लगातार कार्रवाई



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन में जिले में लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए रेंज कार्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन 'बॉज' के तहत विशेष अभियान चलाने हेतु दिशा - निर्देश प्राप्त हुआ था है। अभियान के अंतर्गत फरार वारंटियों की पतासाजी कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु थाना स्तर पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सक्ती भुवनेश्वरी पैकरा के मार्गदर्शन में थाना सक्ती पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर को और तीन स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

नारी सशक्तिकरण की थीम पर बनी माँ दुर्गा झांकियों का भव्य स्वागत

विश्व केसरी■



मुंगेली (रवि शुक्ला)। माँ जगतजननी जगदंबा की विसर्जन झांकी के अवसर पर स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी द्वारा नगर के महाराणा प्रताप चौक में भव्य मंच बनाकर झांकियों का आत्मीय स्वागत किया गया। माँ दुर्गा के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर इस आयोजन में देर रात तक हजारों की संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया।

इस वर्ष संस्था ने नारी सशक्तिकरण को विशेष महत्व देते हुए माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रेरणा से नौ अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को निर्णायक मंडल में शामिल किया। इस पहल के माध्यम से संस्था ने समाज में महिलाओं की प्रतिभा, निर्णय क्षमता, नेतृत्व और योगदान को सम्मान देने का संदेश दिया।

निर्णायक मंडल में सृष्टि शर्मा, विनिया सिंह, सोनम ठाकुर, पूर्वी सचदेव, समप्रीत कौर, दिव्या परिहार, हेमा खत्री, ऋतु तिवारी एवं अंजली सोनी शामिल रहीं।

निर्णायक मंडल के निर्णय के अनुसार सर्वेश्वरी दुर्गा उत्सव आगर क्लब ने प्रथम, बाल दुर्गा उत्सव समिति मनुराज टॉकीज ने द्वितीय तथा सर्वसिद्धि दुर्गोत्सव समिति मल्हापारा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तीनों विजेता समितियों को आगामी मुंगेली व्यापार मेला के भव्य मंच से निर्धारित पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

महिला निर्णायकों ने की पहल की सराहना - निर्णायक मंडल की सदस्य एडवोकेट विनिया सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ महिलाओं को निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देना एक सराहनीय पहल है। इससे महिलाओं की क्षमता पर विश्वास मजबूत होता है और समाज में उनकी भागीदारी को नई पहचान मिलती है। महिला उद्यमी हेमा खत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि महिलाओं को निर्णय लेने, नेतृत्व करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलने चाहिए। स्टार्स ऑफ टुमॉरो की यह पहल उसी दिशा में एक सार्थक कदम है। शिक्षिका ऋतु तिवारी ने कहा कि माँ दुर्गा के नौ स्वरूप नारी की शक्ति, साहस और आत्मविश्वास के प्रतीक हैं।

पामगढ़ में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

विश्व केसरी■



पामगढ़ (नीरज शर्मा)। जांजगीर-चांपा जिले के नगर पंचायत पामगढ़ में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतकों में वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद रामखिलावन जांगड़े और निजी क्लीनिक का संचालन करने वाले जोहितराम खरे शामिल हैं। दोनों की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद नगर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं, वहीं मौत के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

तबीयत बिगड़ने पर बिलासपुर किया गया रेफर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ ले जाया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया।

बताया जा रहा है कि पार्षद रामखिलावन जांगड़े को सिम्स बिलासपुर में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, निजी क्लीनिक संचालक जोहितराम खरे को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। दोनों की मौत की खबर से क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है।

पैसों के लेनदेन और शराब सेवन को लेकर चर्चाएं

घटना के बाद पैसों के लेनदेन और शराब सेवन को लेकर विभिन्न चर्चाएं सामने आ रही हैं। सूत्रों के हवाले से जोहितराम खरे का अपने एक रिश्तेदार से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद होने की बात कही जा रही है।

लॉजिस्टिक्स चुनौतियों के बावजूद भारत का चावल निर्यात मजबूत : विशेषज्ञ

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2026 के दौरान उद्योग जगत, निर्यातकों, नीति निर्माताओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने एक सुर में कहा कि भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। सम्मेलन के दौरान एपीडा, राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन और कई अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने चावल उद्योग से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और भविष्य की रणनीतियों पर आईएएनएस से विस्तार से बात की।

वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत एपीडा के महाप्रबंधक तरुण बजाज ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन धीरे-धीरे दुनिया के सबसे बड़े चावल-केंद्रित आयोजनों में बदलता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत वैश्विक चावल निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है और दुनिया का निर्विवाद नेता है। ऐसे में भारत में ऐसा मंच होना जरूरी है, जहां किसान से लेकर उपभोक्ता तक पूरी वैल्यू चेन के लोग एक साथ बैठकर चुनौतियों और समाधानों पर चर्चा कर सकें।'

उन्होंने आगे कहा कि अभी सबसे बड़ी चुनौती लॉजिस्टिक्स की है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और रेड सी जैसे क्षेत्रों में तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, शिपिंग समय बढ़ा है, बीमा लागत बढ़ी है और परिवहन शुल्क कई गुना तक बढ़ गए हैं। इसके बावजूद भारत सरकार, राज्य सरकारों और उद्योग जगत के संयुक्त प्रयासों से निर्यात को सुचारू बनाए रखने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि चावल केवल एक व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि कई देशों की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है और भारत एक जिम्मेदार देश के रूप में अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ आयातक देशों की खाद्य सुरक्षा का भी ध्यान रख रहा है। इसके साथ ही, राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि भारत की स्थिति वैश्विक चावल निर्यात बाजार में बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे, तीसरे और चौथे सबसे बड़े चावल निर्यातकों की संयुक्त हिस्सेदारी भी भारत से कम है। हालांकि उन्होंने आगाह किया कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती लॉजिस्टिक्स लागत है।

उन्होंने बताया कि थाईलैंड और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देश जलमार्गों पर अधिक निर्भर हैं, जबकि भारत में अधिकांश परिवहन सड़क मार्ग से होता है, जिससे लागत बढ़ जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार और उद्योग जगत को ऐसे चावल के उत्पादन पर अधिक ध्यान देना चाहिए जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग अधिक हो, ताकि निर्यातकों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का समर्थन लगातार मिल रहा है और भारत कई वर्षों से 35-40 प्रतिशत वैश्विक बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने में सफल रहा है।

एलआरएस के तहत अगस्त में विदेशी बाजारों में भारतीयों का निवेश हुआ दोगुना

विश्व केसरी■



मुंबई। विदेशी शेयर और बॉन्ड बाजारों में निवेश को लेकर भारतीयों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अक्टूबर 2026 बुलेटिन के अनुसार, उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत अगस्त 2026 में भारतीयों द्वारा विदेशी इक्विटी और डेट बाजारों में किया गया निवेश सालाना आधार पर 111 प्रतिशत बढ़कर 321.53 मिलियन डॉलर पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले अगस्त 2025 में 152.18 मिलियन डॉलर था।

हालांकि मासिक आधार पर इस श्रेणी में निवेश में 7 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले जून 2026 में विदेशी इक्विटी और डेट में निवेश 460 मिलियन डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान एलआरएस के तहत कुल बाहरी प्रेषण 28.98 अरब डॉलर रहा। अगस्त 2026 में विदेशी इक्विटी और डेट निवेश कुल एलआरएस प्रेषण का लगभग 11.7 प्रतिशत हिस्सा रहा, जबकि एक वर्ष पहले इसकी हिस्सेदारी केवल 5.8 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में भारतीय निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। कुल एलआरएस प्रेषण अगस्त 2026 में बढ़कर 2.74 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त 2025 में 2.64 अरब डॉलर था। यह सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत और जुलाई 2026 की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत अधिक है। जुलाई 2026 में कुल बाहरी प्रेषण 2.58 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। यात्रा अब भी एलआरएस के तहत सबसे बड़ा खर्च का क्षेत्र बना हुआ है। अगस्त 2026 में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च 1.63 अरब डॉलर रहा, जो कुल बाहरी प्रेषण का करीब 59 प्रतिशत था। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत अधिक और जुलाई की तुलना में 11.4 प्रतिशत ज्यादा रहा। विशेष रूप से कारोबारी यात्रा पर होने वाला खर्च जुलाई के 10.9 मिलियन डॉलर से बढ़कर अगस्त में 51 मिलियन डॉलर पहुंच गया, यानी इसमें लगभग पांच गुना उछाल दर्ज किया गया।

हफ्ते भर में गोल्ड करीब 3.3, सिल्वर 7.8 फीसदी फिसला

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते सोना और चांदी इस सप्ताह भारी दबाव में रहे और दोनों कीमती धातुओं ने तेज गिरावट दर्ज की। सोने की कीमतों में इस सप्ताह करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो जून के बाद इसका सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन माना जा रहा है। वहीं चांदी भी लगातार बिकवाली के दबाव में रही और इसकी कीमतों में इस सप्ताह 7.8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली, जो नवंबर 2025 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रखने की आशंकाओं ने सोने-चांदी की मांग को प्रभावित किया है। चूंकि सोना ब्याज नहीं देता, इसलिए ऊंची ब्याज दरों के माहौल में इसकी आकर्षण क्षमता कम हो जाती है।

घरेलू बाजार में भी अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर साफ दिखाई दिया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव गिरकर 1,42,150 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंच गया। कारोबार के दौरान सोना 1,42,079 रुपए प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया, जो पिछले सत्र की तुलना में लगभग 1,230 रुपए यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। चांदी में और बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिसंबर वायदा चांदी का भाव करीब 1,95,408 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जिसमें 4,191 रुपए यानी 2.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। लगातार बिकवाली के कारण चांदी का भाव अब 2 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे बना हुआ है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, शनिवार सुबह कॉमेक्स गोल्ड 1.24 प्रतिशत गिरकर 4,010 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गया, जबकि कारोबार के दौरान यह 3,989.10 डॉलर प्रति औंस तक फिसला, जो 20 जुलाई के बाद का सबसे निचला स्तर है। जबकि कॉमेक्स पर चांदी करीब 1.9 प्रतिशत गिरकर 53.96 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। हूती हमलों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड 116.7 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। ऊंचे तेल दाम महंगाई को बढ़ा सकते हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रख सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अक्टूबर के अंत में होने वाली फेडरल रिजर्व बैठक में ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावना सीमित है, लेकिन दिसंबर में दरें बढ़ाए जाने की संभावना अभी भी 80 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। यही वजह है कि निवेशक सोने और चांदी में नई खरीदारी करने से बच रहे हैं।

इसके अलावा, मजबूत डॉलर और ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड ने भी सोने की मांग को कमजोर किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल महंगाई और ब्याज दरों से जुड़ी चिंताएं बुलियन बाजार के लिए नकारात्मक माहौल बना रही हैं। आने वाले दिनों में बाजार की नजर अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर (पीसीई) मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी।

एएसटीपीएल और संस्थापक पर सेबी का बड़ा एक्शन, 546 करोड़ रुपए रिफंड के साथ 11.5 करोड़ रुपए का लगाया जुर्माना

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सेबी यानी पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) ने अवधूत साठे ट्रेडिंग एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड (एएसटीपीएल) और इसके संस्थापक अवधूत साठे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए निवेशकों और प्रतिभागियों से जुटाए गए 546.17 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश दिया है। सेबी ने पाया कि कंपनी और उसके संस्थापक बिना आवश्यक पंजीकरण के निवेश सलाहकार और रिसर्च एनालिस्ट से जुड़ी गतिविधियां संचालित कर रहे थे।

अपने अंतिम आदेश में सेबी ने अवधूत साठे और उनकी कंपनी को प्रतिभूति बाजार से दो वर्षों के लिए या रिफंड संबंधी निर्देशों का पालन होने तक, जो भी अधिक हो, प्रतिबंधित कर दिया है। वहीं कंपनी के निदेशक अवधूत साठे को छह महीने के लिए बाजार से दूर रहने का आदेश दिया गया है।

सेबी ने निर्देश दिया है कि कंपनी और अवधूत साठे आदेश प्राप्त होने के पांच महीने के भीतर पूरी 546.17 करोड़ रुपए की राशि एक विशेष बैंक खाते में जमा करें। इसके साथ ही उन्हें 30 दिनों के भीतर अंग्रेजी, हिंदी और एक व्यापक रूप से प्रसारित स्थानीय भाषा के समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित कर निवेशकों को रिफंड प्रक्रिया की जानकारी देनी होगी। नियामक ने स्पष्ट किया है कि निवेशकों को धनवापसी केवल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर या अन्य बैंकिंग माध्यमों से की जाएगी, ताकि भुगतान का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध रहे और लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित की जा सके।

यदि सभी दावेदारों को भुगतान के बाद कोई राशि बचती है, तो उसे सेबी को सौंपना होगा। यह राशि एक वर्ष तक एस्क्रो खाते में रखी जाएगी, ताकि पात्र निवेशकों और शिकायतकर्ताओं को भुगतान किया जा सके। इसके बाद भी यदि धन शेष रहता है तो उसे निवेशक संरक्षण एवं शिक्षा कोष (आईपीईएफ) में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

सेबी ने कंपनी, अवधूत साठे और गौरी साठे पर कुल 11.5 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसमें कंपनी पर 6 करोड़ रुपए, अवधूत साठे पर 4 करोड़ रुपए और गौरी साठे पर 1.5 करोड़ रुपए का दंड शामिल है। यह राशि आदेश प्राप्त होने के 45 दिनों के भीतर जमा करनी होगी।

सेबी ने अपने आदेश में कहा है कि जब तक पूरी राशि जमा नहीं की जाती, तब तक संबंधित पक्षों के बैंक खातों से डेबिट लेनदेन पर रोक रहेगी। यह कार्रवाई सेबी की जांच के बाद की गई, जिसमें पाया गया कि एएसटीपीएल और उसके संस्थापक केवल शेयर बाजार की शिक्षा देने तक सीमित नहीं थे।

एमपी एफडीए ने पतंजलि के गाय घी के एक बैच को बताया असुरक्षित

उत्पाद वापस मंगाने का दिया आदेश

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पतंजलि फूड्स लिमिटेड को मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से बड़ा झटका लगा है। नियामक प्राधिकरण ने कंपनी को उसके गाय के घी (काउ घी) के एक विशेष बैच को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने शनिवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आधार पर की गई है।

कंपनी के अनुसार, मध्य प्रदेश एफडीए द्वारा लिए गए नमूने की जांच में संबंधित बैच फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स एंड कंटामिनेंट्स, टॉक्सिन्स एंड रेजिड्यूज) रेगुलेशंस, 2011 के तहत निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरा। इसके बाद नियामक ने बुरहानपुर जिले में उस बैच को वापस मंगाने का आदेश जारी किया।

हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह मध्य प्रदेश एफडीए के नामित अधिकारी द्वारा जारी आदेश के खिलाफ अपील दायर कर रही है। पतंजलि फूड्स का कहना है कि इस कार्रवाई का उसके वित्तीय या परिचालन कारोबार पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा और असर केवल संबंधित घी बैच के मूल्य तक ही सीमित रहेगा।

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि 'वित्तीय और परिचालन गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है, सिवाय उस विशेष बैच के काउ घी के मूल्य के।'

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को पतंजलि फूड्स का शेयर बीएसई पर 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 351 रुपए पर बंद हुआ। पिछले 52 सप्ताह में इस शेयर ने 613.95 रुपए का उच्चतम और 328.05 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है। बीते एक वर्ष में कंपनी के शेयर में लगभग 41 प्रतिशत और पिछले तीन वर्षों में करीब 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि पांच वर्षों की अवधि में यह शेयर लगभग 5 प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न देने में सफल रहा है।

यह पहला अवसर नहीं है जब कंपनी किसी खाद्य सुरक्षा विवाद में घिरी हो। इससे पहले जून में पतंजलि फूड्स के शेयरों में लगातार पांच दिनों तक गिरावट आई थी, जब कंपनी के ज्वार आटे के एक बैच को लेकर विवाद सामने आया था। उस समय केरल के कन्नूर जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कीटनाशक अवशेष निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाने पर उस विशेष बैच की बिक्री पर रोक लगा दी थी।

कंपनी ने तब भी नियामकीय फाइलिंग में बताया था कि उसे कन्नूर जिला खाद्य सुरक्षा कार्यालय से ज्वार आटे के एक विशेष बैच पर प्रतिबंध संबंधी आदेश प्राप्त हुआ था। अब गाय के घी से जुड़ा यह नया मामला कंपनी के लिए एक और नियामकीय चुनौती के रूप में सामने आया है।

भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने के लिए कुशल प्रतिभाओं की जरूरत: डॉ. प्रीति अदाणी

विश्व केसरी■



अहमदाबाद। अदाणी विश्वविद्यालय की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच अधिक गहरे सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के सेमीकंडक्टर मिशन को सफल बनाने के लिए केवल अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि ऐसी कुशल प्रतिभाओं की भी जरूरत है जो जटिल तकनीकों को डिजाइन, विकसित और बेहतर बना सकें।

अदाणी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कॉन्क्लेव ऑन हार्डवेयर, इनोवेशन, प्रोसेसिंग एंड सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज (सीएचआईपीएस) 2026 को संबोधित करते हुए डॉ. अदाणी ने कहा, 'हमारी तकनीकी प्रगति का वास्तविक पैमाना यह नहीं होगा कि मशीनें कितनी बुद्धिमान बनती हैं, बल्कि यह होगा कि हम मानव बुद्धिमत्ता का कितना विवेकपूर्ण उपयोग कर बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं।'

अदाणी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में क्वालकॉम, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, माइक्रोन टेक्नोलॉजी, सिनोप्सिस, सिरिल अमरचंद मंगलदास और इनफिनियन टेक्नोलॉजीज के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने वायरलेस टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर डिजाइन, मेमोरी एवं स्टोरेज, पावर सिस्टम्स और कानूनी ढांचे सहित सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में उभर रहे अवसरों और चुनौतियों पर विचार साझा किए।

सम्मेलन के दौरान तीन प्रमुख पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। इनमें 'द फ्यूचर ऑफ सेमीकंडक्टर डिजाइन इन इंडिया' में देश की डिजाइन क्षमताओं को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। वहीं, 'सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग: शेपिंग इंडिया'स टेक्नोलॉजिकल फ्यूचर' सत्र में विनिर्माण की भूमिका और भारत के तकनीकी भविष्य पर उसके प्रभाव का विश्लेषण किया गया। जबकि 'कैरियर ऑपर्च्युनिटीज इन द सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम' सत्र रोजगार के अवसरों, आवश्यक कौशल और भविष्य के करियर मार्गों पर फोकस रहा।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर लगातार मजबूत बनी हुई है: रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंकाओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और सख्त वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद भारत ने मजबूत आर्थिक वृद्धि बनाए रखी है और वह दुनिया की प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे बना हुआ है।

तंजानिया के समाचार प्रकाशन द गार्जियन (आईपीपी मीडिया) में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख वैश्विक संस्थानों द्वारा भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमानों में लगातार ऊपर की ओर संशोधन किया जाना इस बात का संकेत है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण ग्रोथ इंजन बन चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात विविधीकरण, डिजिटल परिवर्तन, राजकोषीय अनुशासन और ऊर्जा सुरक्षा जैसे कारक भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत कर रहे हैं और दीर्घकालिक तथा समावेशी आर्थिक विकास को समर्थन दे रहे हैं। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की विकास दर का अनुमान 2026 और 2027 दोनों वर्षों के लिए बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। इससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करता दिखाई देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग और बाहरी झटकों से निपटने की क्षमता का परिणाम है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत उसका विशाल और विविधतापूर्ण घरेलू बाजार है। घरेलू उपभोग, निजी निवेश और बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक खर्च मिलकर आर्थिक गतिविधियों का व्यापक आधार तैयार करते हैं। यही कारण है कि जब वैश्विक मांग कमजोर होती है या अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ती है, तब भी भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत सुरक्षित बनी रहती है। निजी उपभोग ऑटोमोबाइल, आवास, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं जैसे कई क्षेत्रों को गति दे रहा है। बढ़ती आय, शहरीकरण, डिजिटल पहुंच और बेहतर कनेक्टिविटी मांग बढ़ाने के साथ-साथ निवेश एवं नवाचार को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

करवा चौथ पर सासू मां के लिए ले आएं ये 7 क्यूट गिफ्ट, परवाह देख तुरंत लगा लेंगी गले!



अगर आप करवा चौथ पर सासू मां के लिए तोहफे लेने की सोच रही हैं लेकिन समझ नहीं आ रहा कि क्या दिया जाए तो आप इन गिफ्ट आइडिया को आजमाकर देखें. यकीन मानिए, इन गिफ्ट को देखते ही उनकी आंखों में रौशनी चमक उठेगी और वो खुशी से आपको गले लगा लेंगी.

करवा चौथ का त्योहार सिर्फ पति-पत्नी के प्रेम और समर्पण का पर्व नहीं, बल्कि यह सास और बहू के रिश्ते को मजबूत करने का भी मौका होता है. आमतौर पर इस दिन सासू मां अपनी बहू को प्यार से सरगी देती हैं और आशीर्वाद देती हैं. ऐसे में अगर आप भी इस बार अपनी सासू मां को कोई खास और प्यारा-सा सरप्राइज देना चाहती हैं, तो उन्हें एक क्यूट-सा तोहफा दे सकती हैं. यकीन मानिए, आपका यह छोटा सा प्रयास देखकर उनका दिल खुशी से भर उठेगा और वे आपको तुरंत गले लगा लेंगी

कस्टमाइज्ड या पर्सनलाइज्ड पूजा थाली सेट - करवा चौथ की पूजा में थाली का एक खास महत्व होता है. अपनी सासू मां के लिए इस बार आप एक खूबसूरत और हैंडक्राफ्टेड कस्टमाइज्ड थाली सेट चुनें, जिस पर उनका नाम या उनके लिए कोई प्यार भरा संदेश लिखा हो. इस सेट में मैचिंग लोटा, छलनी और दिया भी शामिल कर सकती हैं.

आरामदायक और क्लासी पश्मीना या बनारसी शॉल - करवा चौथ के साथ ही हल्की-हल्की गुलाबी ठंड की दस्तक भी होने लगती है. ऐसे में आप एक सुंदर पश्मीना, कांजीवरम या पारंपरिक बनारसी शॉल तोहफा में दे सकती हैं. यह न सिर्फ दिखने में बेहद रॉयल और एलिगेंट लगता है, बल्कि उनकी जरूरतों का ध्यान रखने वाली आपकी यह परवाह उन्हें बेहद पसंद आएगी.

वेलनेस और स्किनकेयर हैम्पर - दिनभर का उपवास और पूजा-पाठ की भागदौड़ के बाद सासू मां को थोड़े रिलैक्सेशन की जरूरत जरूर होती है. उनके लिए एक खास वेलनेस हैम्पर तैयार करें, जिसमें हर्बल बॉडी लोशन, आयुर्वेदिक फुट क्रीम, एसेंशियल ऑयल्स, खुशबूदार मोमबत्तियां और ऑर्गेनिक हर्बल टी शामिल हो. उम्र के इस पड़ाव में जब आप उनके सेल्फ-केयर का ख्याल रखेंगी, तो यह उनके लिए किसी कीमती सरप्राइज से कम नहीं होगा।



शरद पूर्णिमा पर 'चमकी' का जादूः क्या होती है ताज की 'चमकी'?



25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा. शरद पूर्णिमा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति की सुंदरता का उत्सव भी है. एक ओर चंद्रमा की उजली चांदनी और दूसरी ओर ताजमहल की मनमोहक छटा इस रात को यादगार बना देती है. यही वजह है कि लोग इस अवसर पर ताजमहल का दीदार करना पसंद करते हैं.

25 अक्टूबर दिन रविवार को शरद पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है, हर वर्ष आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को यह पावन पर्व मनाया जाता है. इस रात आसमान में चमकता पूर्ण चंद्रमा, दूधिया चांदनी और धार्मिक मान्यताएं लोगों के मन में एक अलग ही उत्साह पैदा करती हैं. उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित ताजमहल को भी शरद पूर्णिमा की रात निहारने का खास आकर्षण रहता है. सफेद संगमरमर से बना यह ऐतिहासिक स्मारक चांदनी में बेहद खूबसूरत दिखाई देता है, जिसकी वजह से देश-विदेश से पर्यटक इसे देखने के लिए उत्सुक रहते हैं.

सभी टिकट हो गईं बुक - ताजमहल के पूर्णिमा पर माह में पांच दिन होने वाले रात्रि दर्शन की शुरुआत 24 अक्टूबर यानी आज से होगी और 28 अक्टूबर तक चलेगा. हर दिन आधे-आधे घंटे के आठ स्लॉट में रात 8 बजे से लेकर मध्यरात्रि तक ताजमहल का दीदार कर सकेंगे. 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा की चांदनी जब ताजमहल पर पड़ेगी, तब अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा, जिसके लिए पर्यटकों में खूब क्रेज देखने को मिल रहा है और इस दिन की टिकट तो बहुत पहले ही बुक हो चुकी हैं. 24, 25 और 26 की सभी 1200 टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग हो चुकी है. एक स्लॉट में अधिकतम 50 पर्यटकों का प्रवेश दिया जाएगा.

आस्था और खूबसूरती का संगम - पूर्णिमा की चांदनी रात में पर्यटक ताजमहल की खूबसूरती निहार सकेंगे. दरअसल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, ताजमहल को हर माह पूर्णिमा के दिन और उससे दो दिन पहले और व दो दिन बाद तक खोला जाता है. अगर आपको शरद पूर्णिमा की रात ताजमहल के दीदार करने का टिकट नहीं मिला है तो मायूस होने की जरूरत नहीं है, इसके लिए भी अलग से इंतजाम किए हए हैं. वे लोग मेहताब बाग स्थिति ताज व्यू प्वाइंट से चांदनी रात में ताजमहल देख सकते हैं.

चमकी का जादुई नजारा - शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है और उसकी चांदनी बेहद सफेद और तेज होती है. जब यह रोशनी ताजमहल के सफेद संगमरमर और उसमें जड़े कीमती पत्थरों पर पड़ती है, तो ताज हीरों की तरह चमक उठता है. इस दृश्य को स्थानीय भाषा में 'चमकी' कहा जाता है. एएसआई द्वारा हर महीने पूर्णिमा पर और उसके 2 दिन पहले व 2 दिन बाद (कुल 5 दिन) रात 8 बजे से 12 बजे तक रात्रि दर्शन की अनुमति दी जाती है।

ग्लूटेन फ्री और न्यूट्रिएंट्स से भरपूर है राजगिरा डोसा, वजन घटाने वालों के लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट!



अगर आप ब्रेकफास्ट में कुछ हेल्दी, हल्का और टेस्टी ढूंढ रहे हैं, तो राजगिरा डोसा आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है. प्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह ग्लूटेन-फ्री डोसा पेट को हल्का रखता है और दिनभर भरपूर एनर्जी देता है. जानें इसे केवल 10 मिनट में बनाने की आसान रेसिपी!

सुबह-सुबह नाश्ते में क्या बनाया जाए, जो स्वादिष्ट भी हो, पेट को भारी भी न करे और हेल्थ के लिए भी अच्छा हो? अगर आप भी रोज यही सोचते सोचते सो रहे हैं, तो इस बार हम आपके लिए कुछ अलग आइडिया लेकर आए हैं. जी हां, राजगिरा डोसा एक ऐसा ब्रेकफास?ट ऑप्शन है, जिसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं. इसे बनाने के लिए न तो चावल भिगोने की जरूरत है और न ही बैटर को घंटों फर्मेंट होने के लिए छोड़ना पड़ता है. राजगिरा के आटे से बना यह डोसा फटाफट बन जाता है.

इसकी अच्छी बात यह यह ग्लूटेन फ्री होता है और इसमें प्रोटीन, फाइबर के साथ कई जरूरी खनिज पाए जाते हैं. यही वजह है कि ग्लूटेन से परहेज करने वाले लोग भी इसे अपने खानपान में शामिल कर सकते हैं. यही नहीं, अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो भी राजगिरा में मौजूद फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती.

पहला स्टेप: सबसे पहले एक बड़े बर्तन में राजगिरा का आटा लें और इसमें नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिला लें।

शरीर में खून की हो गई है कमी? डाइट में शामिल करें ये चीजें, फॉलो करें 7 दिन का आसान डाइट प्लान



शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम होना आजकल काफी कॉमन समस?या हो गई है. इस समस्या से निपटने के लिए सही और पौष्टिक आहार लेना बहुत जरूरी है. बीएलके मैक्स हॉस्पिटल के डॉ. राजिंदर कुमार सिंघल के अनुसार, अगर आप अपने खानपान में कुछ खास बदलाव करें, तो शरीर में खून की कमी को तेजी से पूरा किया जा सकता है. आइए जानते हैं कि इस एक हफ्ते के डाइट प्लान.

क्या आपको भी थोड़ी दूर चलने या सीढ़ियां चढ़ने पर थकान महसूस होने लगती है? कई बार बिना ज्यादा काम किए भी कमजोरी महसूस होती है, चक्कर आते हैं या सांस फूलने लगती है. इन लक्षणों की वजह ज्यादातर शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी यानी एनीमिया हो सकती है.

शरीर में हीमोग्लोबिन का काम फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर उसे शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाना होता है. जब इसकी मात्रा कम होने लगती है, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और थकान व कमजोरी जैसी परेशानियां महसूस हो सकती हैं. महिलाओं में पीरियड्स के दौरान ज्यादा खून बहना, खाने में आयरन की कमी, गर्भावस्था और कुछ बीमारियां भी एनीमिया की वजह बन सकती हैं.

हीमोग्लोबिन का स्तर कम है, तो आपको बार-बार थकान महसूस होना, त्वचा का पीला पड़ना, चक्कर आना या सांस फूलने जैसी परेशानियां हो सकती हैं. कुछ लोगों को दूसरों के मुकाबले ज्यादा ठंड लगती है या दिल की धड़कन तेज महसूस होती है. ये सभी एनीमिया यानी खून की कमी के आम लक्षण हो सकते हैं. हालांकि, इन लक्षणों की दूसरी वजहें भी हो सकती हैं. ऐसे में सही खानपान की अहम भूमिका होती है. आयरन, विटामिन बी12, फोलेट और विटामिन सी से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना हीमोग्लोबिन के स्तर को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है.'

अगर आप शाकाहारी हैं या नॉनवेज खाते हैं, तो अपनी पसंद के मुताबिक इन विकल्पों को रोज के खाने में शामिल कर सकते हैं. कोशिश करें कि भोजन में दालें, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, फल, मेवे और प्रोटीन के अच्छे स्रोत हों.

सुबह का नाश्ता: मूंगफली और करी पत्ते वाला पोहा बनाएं. चाहें तो इसमें मटर भी डाल सकते हैं.

ब्रंच में: एक अमरूद या अनार खाएं. अमरूद विटामिन सी का अच्छा स्रोत है, जो पौधों से मिलने वाले आयरन को शरीर में अवशोषित करने में मदद करता है.

दोपहर का खाना: राजमा, चावल और ताजा सलाद लें. सलाद पर नींबू निचोड़ना न भूलें.

शाम का नाश्ता: दो खजूर और थोड़े बादाम खा सकते हैं.

रात का खाना: पालक पनीर या पालक टोफू के साथ मिस्सी रोटी लें।

च्यवनप्राश को टक्कर, सेहत के लिए वरदान...7 दिन में बनता है बलिया का ये आंवला हलवा



सर्दियों की आहट के साथ बलिया में आंवले के हलवे की मांग बढ़ने लगी है. सूजी, आटा, गाजर और बेसन का हलवा तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन इसका स्वाद सबसे निराला है. आंवले का हलवा न केवल खाने में स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है. बलिया में इसे बेचने वाले दुकान के मालिक प्रियांशु मदनवाल लोकल 18 से बताते हैं कि इस हलवे को गुड़ में तैयार किया जाता है. काजू और दूसरे ड्राई फ्रूट्स भी मिलाए जाते हैं. यह हलवा 600 रुपये प्रति किलो बिकता है. इसे रोज सुबह एक चम्मच खाने से पूरे दिन शरीर में ऊर्जा बनी रहती है.

उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में मौसम बदलते ही सेहत और स्वाद से भरपूर आंवले के हलवे की मांग तेजी से बढ़ने लगी है. सूजी, आटा, गाजर और बेसन का हलवा तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन गुड़ और आंवले से तैयार यह विशेष हलवा न केवल खाने में बेहद स्वादिष्ट है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है. सदियों से आंवले का प्रयोग घरेलू नुस्खे में होता आया है. ठंड के मौसम में दूर-दूर से लोग इस अनोखे हलवे का स्वाद लेने पहुंचते हैं. दुकान के मालिक प्रियांशु मदनवाल लोकल 18 से बताते हैं कि इस स्पेशल आंवले के हलवे को पूरी तरह से गुड़ में तैयार किया जाता है. चीनी का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता है. सेहत का पूरा ख्याल रखते हुए इसमें काजू और दूसरे पौष्टिक ड्राई फ्रूट्स भी मिलाए जाते हैं. यह हलवा 600 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध है. ग्राहक जरूरत के अनुसार इसे 60 रुपये में 100 ग्राम या 50 ग्राम भी खरीदते हैं।

शरद पूर्णिमा पर बनाना है खीर, इस ट्रिक से 15 मिनट में तैयार करें मलाईदार खीर

शरद पूर्णिमा हिन्दू धर्म में खास महत्व रखता है. इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है. इस दिन खीर बनाया जाता है और खुले आसमान के नीचे रखा जाता है, चंद्रमा की रोशनी सीधे खीर में पहुंचें. फिर इसे प्रसाद के रूप में घर के सभी लोग ग्रहण करते हैं. वैसे तो मलाईदार और स्वादिष्ट खीर बनाने में काफी टाइम लगता है. लेकिन हम आपको एक ऐसी ट्रिक बता रहे हैं, जिससे सिर्फ 15 मिनट में आप खीर बनाकर तैयार कर सकते हैं.



मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात खीर को चंद्रमा की रोशनी में रखने से उसमें अमृत बरसता हैं. यही वजह है कि कई हिन्दू घरों में दूध और चावल से बनी खीर तैयार की जाती है. अगर आप भी इस शरद पूर्णिमा पर खीर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन घंटों तक दूध को उबालना नहीं चाहते, तो प्रेशर कुकर वाली यह रेसिपी आपके काम आ सकती है. इसकी मदद से आप कम मेहनत में गाढ़ी, मलाईदार और स्वादिष्ट खीर बना सकते हैं. आइए जानते हैं प्रेशर कुकर में खीर बनाने का आसान तरीका.

प्रेशर कुकर में खीर बनाने के लिए सामग्री- द कप चावल, 1 लीटर फुल क्रीम दूध, ड्ड लीटर दूध (बाद में मिलाने के लिए), 2 हरी इलायची, 200 ग्राम कंडेंस्ड मिल्क, 1 बड़ा चम्मच कटे हुए बादाम, 1 बड़ा चम्मच कटे हुए काजू, 1 बड़ा चम्मच किशमिश, केवड़ा एसेंस की कुछ बूंदें (वैकल्पिक)

प्रेशर कुकर में मलाईदार खीर बनाने का तरीका: चावल को अच्छी तरह धो लें- सबसे पहले चावल को 2-3 बार साफ पानी से धो लें, ताकि उसमें मौजूद अतिरिक्त स्टार्च और गंदगी निकल जाए. इसके बाद चावल को कुछ देर पानी में भिगोकर रख सकते हैं. इससे चावल जल्दी पकने में मदद मिलती है.

कुकर में दूध और चावल डालें- अब प्रेशर कुकर में धुले हुए चावल, 1 लीटर फुल क्रीम दूध और हरी इलायची डाल दें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें. कुकर का ढक्कन बंद करें और आंच धीमी रखें. प्रेशर बनने के बाद इसे करीब 15 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं. ध्यान रखें कि दूध के साथ प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करते समय कुकर को जरूरत से ज्यादा न भरें.

प्रेशर अपने आप निकलने दें- गैस बंद करने के बाद कुकर का प्रेशर अपने आप पूरी तरह निकलने दें. प्रेशर खत्म होने के बाद ही ढक्कन खोलें. अब चावल को चेक करें. चावल अच्छी तरह गल गए हों, तो खीर को चम्मच से चलाएं.

कंडेंस्ड मिल्क और बचा हुआ दूध मिलाएं- अब कुकर में आधा लीटर दूध और 200 ग्राम कंडेंस्ड मिल्क डालें. इसे अच्छी तरह मिलाकर धीमी आंच पर करीब 5 मिनट तक पकाएं. बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि खीर बर्तन के तले में न लगे. कंडेंस्ड मिल्क से खीर में मिठास और गाढ़ापन आता है.

ड्राई फ्रूट्स डालकर तैयार करें- आखिर में कटे हुए बादाम, काजू, किशमिश और केवड़ा एसेंस की कुछ बूंदें डाल दें. सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं. आपकी गाढ़ी और मलाईदार चावल की खीर तैयार है. इसे गर्मागर्म परोस सकते हैं या ठंडा करके भी खा सकते हैं.

शरद पूर्णिमा पर खीर बनाते समय ध्यान रखें- खीर को मलाईदार बनाने के लिए फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें. कंडेंस्ड मिल्क में पहले से मिठास होती है, इसलिए अतिरिक्त चीनी डालने से पहले स्वाद जरूर चखें. खीर ठंडी होने पर और गाढ़ी हो जाती है, इसलिए जरूरत के अनुसार थोड़ा दूध मिला सकते हैं।



तनुश्री दत्ता के साथ काम करने का अनुभव अच्छा नहीं था, वे गैर-पेशेवर थीं: हेतल यादव

अभिनेत्री हेतल ने तनुश्री दत्ता और उनकी बहन इशिता दत्ता के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए।



मुंबई। अभिनेत्री हेतल ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने तनुश्री और उनकी छोटी बहन इशिता दत्ता, दोनों के साथ काम किया है लेकिन तनुश्री के मुकाबले इशिता के साथ काम करना ज्यादा आसान रहा है।

> "तनुश्री के साथ मेरा काम करने का अनुभव अच्छा नहीं था। इसलिए अगर आप मुझसे ईमानदारी से पूछें तो मुझे उनका बर्ताव गैर-पेशेवर लगा था। जब हम सेट पर कुछ बता रहे होते थे, तो वे ध्यान नहीं देती थीं और जब आप उन्हें किसी खास तरीके से करना है, तो वे खो जातीं और गुस्सा हो जाती थीं।"
>
> — हेतल यादव

रोमांटिक गाने में भी थी दिक्कत

हेतल ने आगे कहा, "जब हम एक रोमांटिक गाना कर रहे थे, तो उन्हें उसमें भी दिक्कत थी। वे कहती थीं, 'यहां टच मत करो, इसे टच मत करो'। उस फिल्म में तीन गाने थे। मैंने उसमें एक्टिंग भी की थी और एक रोल निभाया था। तो कुल मिलाकर मेरा यही अनुभव रहा है।"

'अपार्टमेंट' फिल्म में साथ काम

उन्होंने बताया, "मैंने तनुश्री के साथ फिल्म 'अपार्टमेंट' में काम किया था और उस फिल्म के मैंने तीन गानों किए थे। किसी भी आर्टिस्ट को जानने के लिए तीन गाने बहुत होते हैं। क्योंकि हम टेक्नीशियन हैं, हम जो भी चाहते हैं,

गोविंदा का उदाहरण देते हुए कही ये बात

अभिनेत्री ने गोविंदा का उदाहरण देते हुए बताया कि वे एक्टर कमाल के हैं और इंडस्ट्री में हर कोई उनका फैन है, मैं खुद हूं। उन्होंने कहा, "गोविंदा की लगातार आदतों की वजह से उनकी लाइफ में कुछ चीजें नेगेटिव हुई हैं और कुछ चीजें पोंजिटिव हुई हैं। तो अगर कोई व्यक्ति देखता है कि मेरी तरफ से लगातार कुछ हो रहा है, तो मुझे नहीं लगता कि काम आपके हाथ से जाएगा। मेरा पक्का मानना है कि कोई आपका केरियर आपसे नहीं छीन सकता, क्योंकि मैंने भी बहुत सारी दिक्कतों का सामना किया है।"

इंडस्ट्री से गायब होने पर किया बड़ा खुलासा

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बीच में फिल्म इंडस्ट्री पर आरोप लगाया था कि उन्हें कई प्रोजेक्ट्स से निकाल दिया गया और उनके साथ काम करने वाले निर्माताओं को डरा-धमकाकर पीछे हटा दिया जाता है। हेतल ने कहा कि अगर वे अपने काम को लेकर बहुत ईमानदार होतीं, तो मुझे नहीं लगुता कि वे इंडस्ट्री से गायब होतीं।

नाना पाटेकर विवाद पर यह कहा

जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से नाना पाटेकर और तनुश्री दत्ता वाले विवाद पर पूछा, तो हेतल ने कहा, "मैं उस फिल्म का हिस्सा नहीं थी, लेकिन मैंने तनुश्री दत्ता के साथ एक फिल्म की थी जिसमें मैं एसोसिएट कोरियोग्राफर थी और एक रोल भी किया था। मुझे नहीं पता कि वह घटना क्या थी, क्या हुआ या क्या नहीं हुआ। जब मैंने देखा ही नहीं, तो मुझे उसके बारे में पता नहीं है। इसलिए मैं उस पर कोई फैसला नहीं ले सकती।"

वाट्सऐप पर जया बच्चन सबसे ज्यादा एक्टिव, अमिताभ को मैसेज पढ़ने के लिए भेजना पड़ता है एसएमएस



विश्व केसरी

मुंबई। करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान अभिषेक और श्वेता बच्चन ने बताया कि उनका परिवार वाट्सऐप ग्रुप पर कैसा है।

जब होस्ट करण ने उनसे उनके वाट्सऐप फैमिली ग्रुप के बारे में पूछा तो अभिषेक और श्वेता ने बताया कि उनकी मां, राजनेता और अभिनेत्री जया बच्चन इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा एक्टिव रहती हैं।

उन्होंने बताया कि वह हर सुबह उन्हें भावुक कर देने वाले वीडियो भेजती हैं। दोनों भाई-बहनों ने यह भी बताया कि उनके पिता अमिताभ बच्चन एक्स पर बहुत एक्टिव रहते हैं, जो उनके अक्सर लिखे जाने वाले ब्लॉग्स से भी पता चलता है। हालांकि, वाट्सऐप की बात करें तो दिग्गज अभिनेता वहां ज्यादातर एक्टिव नहीं रहते हैं।

अभिषेक ने बताया कि बिग बी को एसएमएस के जरिए बताना पड़ता है और उसके बाद ही वह वाट्सऐप पर मैसेज पढ़ते हैं। बिग बी की तरह ही ऐश्वर्या राय भी इस प्लेटफॉर्म पर ज्यादातर इनएक्टिव रहती हैं। अभिषेक ने बताया, 'वह कॉल या मैसेज का जवाब देने में बहुत समय लगाती हैं।'

उन्होंने यह भी बताया कि बच्चन परिवार के नियम के अनुसार, परिवार के सभी सदस्यों को वाट्सऐप ग्रुप पर यह बताना होता है कि वे कब फ्लाइट में चढ़े हैं या कब लैंड कर चुके हैं।

एक मजेदार घटना को याद करते हुए अभिषेक ने बताया कि एक बार जया बच्चन ने दोपहर में मैसेज करके बताया कि वह लैंड कर चुकी हैं और घर पहुंच गई हैं, लेकिन अपनी आदत के अनुसार, बिग बी ने वह मैसेज दिन में काफी देर बाद देखा और लिख दिया, 'आपकी यात्रा सुरक्षित हो,' जबकि वह तब तक घर पहुंच चुकी थीं।

अभिषेक और श्वेता वाले इस एपिसोड में ऐसे कई मजेदार पल है। इनमें से एक पल तब आया, जब अभिषेक ने बताया कि वह किससे ज्यादा डरते हैं - पत्नी ऐश्वर्या से या अपनी मां जया बच्चन से।

करण ने अभिषेक से पूछा, 'आप किससे ज्यादा डरते हैं, पत्नी से या अपनी मां से? ', जिस पर अभिषेक ने जवाब दिया, 'मेरी मां से।' हालांक श्वेता ने बीच में ही कहा, 'पत्नी से,' जिस पर अभिषेक ने उनसे कहा, 'यह मेरा रैपिड फायर है, चुप रहो।

दर्शन रावल ने रिलीज किया नया गाना 'सिर्फ तुम', खुद के लिए बताया बेहद खास

विश्व केसरी

मुंबई। मशहूर भारतीय पॉप गायक दर्शन रावल ने शनिवार को अपना नया गाना 'सिर्फ तुम' रिलीज कर दिया है। गायक का कहना है कि ये गाना उनके लिए बेहद खास है क्योंकि उनकी पत्नी को आमतौर पर सैड सॉन्ग पसंद नहीं हैं लेकिन 'सिर्फ तुम' उनके फेवरेट गानों में से एक है।

दरअसल,गायक दर्शन रावल का नया ईपी (एक्सटेंडेड प्ले) 'द एवरआफ्टर' आधिकारिक तौर पर 23 अक्टूबर को रिलीज हो चुका है। वार्नर म्यूजिक इंडिया के तहत जारी किए गए इस विशेष ईपी में कुल 4 गाने शामिल हैं, जो प्यार, दिल टूटने, उम्मीद और जीवन के सफर के अलग-अलग रंगों को दर्शाते हैं।

'सिर्फ तुम' गायक के ईपी (एक्सटेंडेट प्ले) 'द एवरआफ्टर' का दूसरा गाना है। इससे पहले उन्होंने 'नाल नाल वे' रिलीज किया था। 'सिर्फ तुम' का म्यूजिक वीडियो 'नाल नाल वे' की कहानी को ही आगे बढ़ाता है। इसकी कहानी एक काल्पनिक या समानांतर दुनिया और दिल टूटने के दर्द के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें डैन का किरदार खुद दर्शन ने निभाया है, जो एक स्ट्रगलिंग म्यूजिशियन है।

कहानी में डैन एक दिन उठता है तो देखता है कि नियति (बरखा सिंह) गायब हो गई है और सभी उससे कहते हैं कि वह कभी थी ही नहीं। एक अलग ही दुनिया में नियति के साथ परफेक्ट प्यार का एहसास करने के बाद डैन अपने टूटे दिल के दर्द को संगीत के जरिए बयां करता है, इस उम्मीद में कि वह उस तक वापस पहुंचने का रास्ता ढूंढ लेगा।

ईपी के चार गानों में 'नाल नाल वे' शामिल है, जो प्यार मिलने की खुशी को दिखाता है।

स्काउट-लवप्रीत की नजदीकियों पर भड़के रोहित शेट्टी, दोनों को दी चेतावनी

विश्व केसरी

मुंबई। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के 'वीकेंड का वार' को सलमान खान की जगह फिल्ममेकर रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। रोहित शेट्टी ने इस 'वीकेंड का वार' में घरवालों की क्लास ली है। स्काउट, लव गिल और बुली गैंग समेत कई कंटेस्टेंट्स के मुद्दों पर भी बात की।

चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में सलमान खान की जगह होस्टिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे रोहित शेट्टी ने लवप्रीत से स्काउट के साथ उनके बॉन्ड के बारे में पूछा। लवप्रीत ने कहा कि वह स्काउट को भाई मानती हैं।

वहीं, रोहित ने कहा कि बाहर से देखने पर उनका ये बर्ताव बिल्कुल गलत लग रहा है। रोहित शेट्टी ने लवप्रीत से कहा, 'लवप्रीत गिल, जब स्काउट आपके पैरों, हाथों, गर्दन की मालिश करता है, तो यह टीवी पर देखने में सही नहीं लगता है। तुम



स्काउट से पीठ की मालिश करने के लिए कहती हो, वो तुम्हारी पिंडलियों की मालिश कर रहा है। ये बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा है।'

इस पर स्काउट ने कहा, 'ये तो मैं हर किसी के साथ करता हूं, माही दी ने भी मुझसे कहा था, मैंने उनके भी किया था।' रोहित ने जवाब दिया, 'स्काउट! बाहर जो दिख रहा है, बाहर जो महसूस हो रहा है, मैं बस वही बता रहा हूं। ये बिल्कुल गलत लग रहा है।

बताया जा रहा है कि 'बिग बॉस 20' के 'वीकेंड का वार' में स्काउट की गर्लफ्रेंड काश्वी हिरानंदानी नजर आ सकती हैं और घर के अंदर लव गिल और स्काउट के इस बॉन्ड पर अपनी बात रखती नजर आ सकती हैं।

दरअसल, स्काउट और लव गिल की बढ़ती नजदीकियों की वजह से सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है।

शुरुआत में दोनों ने खुद को भाई-बहन बताया था लेकिन शो के दौरान उनके बीच काफी कोजी पल देखे गए हैं। हाल ही में स्काउट द्वारा कंबल के अंदर लव गिल के पैरों की मसाज करने और लव द्वारा स्काउट को गले लगाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए हैं।

करिश्मा कपूर के साथ डांस कर रोहित शर्मा बोले, मेरा दिन बन गया



विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का एक सपना तब सच हो गया, जब उन्हें 90 के दशक की एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के साथ उनके मशहूर गाने 'ले गई ले गई' पर डांस करने का मौका मिला। गेम शो 'फैमिली फुल हाउस' के सेट पर दोनों की यह शानदार जुगलबंदी देखकर दर्शकों की भी पुरानी यादें ताजा हो गईं।

चैनल की ओर से जारी प्रोमो में रोहित और करिश्मा फिल्म 'दिल तो पागल है' के आइकॉनिक गीत पर थिरकते नजर आ रहे हैं। स्क्रीन पर दोनों की केमिस्ट्री और रोहित का उत्साह साफ दिखाई देता है।

करिश्मा के साथ डांस करने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए रोहित ने कहा, 'हम फिल्म देखकर इन स्टेप्स की खूब नकल किया करते थे और आज मुझे खुद आपके साथ डांस करने का मौका मिल गया। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा दिन आएगा। सच कहूं तो मेरा दिन बन गया। बहुत मजा आया।'

वहीं, करिश्मा कपूर भी रोहित की मेजबानी की कायल नजर आईं। उन्होंने उनकी तारीफ करते हुए कहा, 'रोहित शानदार होस्ट हैं। वह बेहद सहज हैं और उनकी शख्सियत में एक अलग ही आकर्षण है।

मैदान पर तो वह कमाल करते ही हैं, लेकिन बतौर होस्ट भी उन्होंने सभी को प्रभावित किया।'

'ले गई ले गई' साल 1997 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'दिल तो पागल है' का लोकप्रिय गीत है। आशा भोसले और उदित नारायण की आवाज से सजे इस गाने का संगीत उत्तम सिंह ने दिया था, जबकि बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। इसकी कोरियोग्राफी मशहूर कोरियोग्राफर श्यामक डावर ने की थी।

90 के दशक में अपनी अदाकारी और चुलबुले अंदाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली करिश्मा कपूर ने महज 15 साल की उम्र में बॉलीवुड में कदम रखा था। आज भी उनके गीत और फिल्में दर्शकों के बीच उसी उत्साह के साथ याद की जाती हैं, जिसका ताजा उदाहरण रोहित शर्मा के चेहरे पर दिखी वह खुशी है, जब उन्होंने अपनी पसंदीदा अभिनेत्री के साथ डांस फ्लोर साझा किया।

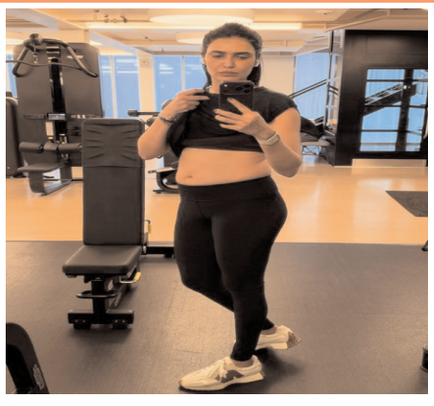
मां बनने के बाद प्रेग्नेंसी के दिनों को लेकर करिश्मा तन्ना ने की खुलकर बात

विश्व केसरी

मुंबई। हाल ही में मां बनीं अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद अपने शरीर को लेकर होने वाली परेशानियों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी उन्हें अपनी 'प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी' की याद आती है और बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आए बदलावों के साथ तालमेल बैठाना उन्हें मुश्किल लगता है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने पेट के ढीलेपन, त्वचा के ढीले होने और शरीर के आकार में आए बदलावों के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने खुद को याद दिलाया कि उनके बच्चे के जन्म को अभी सिर्फ ढाई महीने ही हुए हैं। उन्होंने जिम की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके शरीर में आए बदलावों की झलक देखने को मिली।

करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, 'कभी-कभी, मुझे अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी बहुत याद आती है। जब मैं आईने में देखती हूं, तो मुझे अपना पेट ढीला लगता



है, त्वचा ढीली दिखती है और मेरा शरीर पहले के मुकाबले बड़ा हो गया है। शॉपिंग करना बहुत थकाऊ लगता है और कभी-कभी तो मेरा तैयार होने का भी मन नहीं करता।'

अभिनेत्री ने कहा, 'फिर मुझे खुद को प्यार से याद दिलाना पड़ता है। मेरे अंदर एक नन्हा इंसान पल रहा था। मेरे शरीर ने उसकी जिंदगी के लिए जगह बनाई। अभी तो बस ढाई महीने ही हुए हैं, मैं इतनी जल्दी खुद से इतनी उम्मीदें क्यों लगा रही हूं? मैं अपने शरीर के लिए आभारी भी हो सकती हूं और साथ ही इसमें आए बदलावों को मुश्किल भी मान सकती हूं। मैं मां बनने के अनुभव से प्यार भी कर सकती हूं और साथ ही खुद को महसूस करने की कमी भी महसूस कर सकती हूं।' करिश्मा ने कहा कि माएं भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो वे अपने बच्चों को देती हैं। उन्होंने कहा, 'तो अब मैं खुद को कम आलोचनात्मक नजरिए से और ज्यादा दयालुता के साथ देखना सीख रही हूं। मैं खुद को ठीक होने, मजबूत महसूस करने और फिर से सहज महसूस करने के लिए समय दे रही हूं। जो भी मां ऐसा महसूस कर रही है, उसे बता दूं, आप अकेली नहीं हैं। हम भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो हम अपने बच्चों को देती हैं।

भारत और उज्बेकिस्तान ने आतंकवाद रोधी सहयोग समेत कई क्षेत्रों में रिश्ते मजबूत करने पर की चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। नई दिल्ली में भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह के सह-अध्यक्ष तथा उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रालय में दक्षिण एशिया, निकट एवं मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों के सहयोग विभाग के प्रमुख पिरीमकुलोव गुलोमजोन शोदमोनकुलोविच और विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बैठक की। इस दौरान भारत और उज्बेकिस्तान ने आतंकवाद से निपटने समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने पिरीमकुलोव गुलोमजोन शोदमोनकुलोविच से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद-रोधी सहयोग और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।



इसके अलावा भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह की 10वीं बैठक 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित हुई। इस बैठक की सह अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुहेल अजाज खान और पिरीमकुलोव गुलोमजोन शोडमोनकुलोविच ने की।

बैठक के दौरान दोनों देशों ने दुनियाभर और अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी संगठनों से पैदा हो रहे खतरों पर चर्चा की। साथ ही आतंकवाद से निपटने की मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। इनमें कट्टरपंथ और उग्रवाद को रोकना, आतंकवाद की फंडिंग पर लगाम लगाना, आतंकवादी गतिविधियों में तकनीक के दुरुपयोग को रोकना और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध तथा आतंकवाद के बीच बढ़ते संबंध जैसे मुद्दे शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के सामने मौजूद चुनौतियों का मिलकर सामना करने और भारत-उज्बेकिस्तान आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह के ढांचे को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई।

दोनों पक्षों ने सूचना साझा करने, क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) और बेहतर तरीकों के आदान-प्रदान के माध्यम से आतंकवाद-रोधी सहयोग बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की। साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान की संबंधित एजेंसियों के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को और आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

फिलीपींस वायुसेना के दो विमान हवा में टकराए, चार पायलटों की मौत

विश्व केसरी■



मनीला। फिलीपींस वायु सेना (पीएएफ) ने शनिवार को पुष्टि की कि शुक्रवार को बटांगास प्रांत के फर्नांडो एयर बेस पर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान ट्रेनिंग विमान एसएफ-260 दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हादसे में वायु सेना के चार पायलट मारे गए।

पीएएफ के अनुसार, हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 3:51 बजे हुआ। दोनों विमान फर्नांडो एयर बेस के दायरे में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

वायु सेना ने चार पायलटों की मौत पर दुख जताया और कहा कि दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। एहतियाती कदम के तौर पर, जांच पूरी होने तक बेड़े में शामिल सभी एसएफ-260 विमानों को फिलहाल उड़ान भरने से रोक दिया गया है।

फिलीपीन वायु सेना ने एक आधिकारिक प्रेस बयान में इन मौतों की पुष्टि की और दुर्घटना के बाद उठाए जा रहे तत्काल कदमों के बारे में जानकारी दी।

बयान में कहा गया, 'फिलीपींस वायु सेना (पीएएफ) 23 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 3:51 बजे फर्नांडो एयर बेस पर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दो एसएफ-260 विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से अपने चार पायलटों की मौत पर शोक व्यक्त करता है। दोनों विमान एयर बेस के दायरे में ही दुर्घटनाग्रस्त हुए, और इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।'

इसमें आगे कहा गया, 'दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है, और सुरक्षा के एहतियाती उपाय के तौर पर सभी एसएफ-260 विमानों को फिलहाल उड़ान भरने से रोक दिया गया है। पीएएफ अपने शहीद पायलटों की सेवा और बलिदान का सम्मान करता है और उनके शोक संतप्त परिवारों को हर संभव मदद देने के लिए उनके संपर्क में है। परिवारों के अनुरोध पर, हम जनता से अपील करते हैं कि इस कठिन समय में वे उनकी निजता (प्राइवेसी) का सम्मान करें।'

संक्षिप्त खबर

ईरान-पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर तस्करी शासन की विफलता का अंजाम

विश्व केसरी■



इस्लामाबाद। ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाओं पर हो रही तस्करी केवल एक आपराधिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह शासन व्यवस्था की गहरी विफलताओं को दर्शाती है। एक रिपोर्ट दावा करती है कि इस गैर कानूनी गतिविधि को ताकतवर और प्रभावशाली लोगों का समर्थन प्राप्त है, और लोगों के पास खुद को आर्थिक तौर पर सशक्त करने का कोई ठोस विकल्प मौजूद नहीं है इसलिए ये सिलसिला जारी है। 'यूरेशिया रिव्यू' की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'दशकों से, नीति-निर्माताओं ने ईरान-पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर होने वाली तस्करी को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में पेश किया है। असल में, यह कहीं अधिक गंभीर मामला है: यह एक ऐसी शैडो पॉलिटिकल इकॉनमी है, जो सुरक्षा ढांचे, स्थानीय शासन प्रणालियों और सीमावर्ती समुदायों के जीवन-यापन के तरीकों में गहराई तक समा गई है। इसका बने रहना केवल कमजोर सीमाओं का नतीजा नहीं है। बल्कि, यह कुछ ऐसे सैन्य तत्वों के हितों को दर्शाता है, जिन्हें इस व्यवस्था के कायम रहने से फायदा होता है। रिपोर्ट में बताया गया, 'बलूचिस्तान के रेगिस्तानों से लेकर ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को जोड़ने वाले दुर्गम रास्तों तक फैले ये नेटवर्क ईंधन, नशीले पदार्थों, हथियारों, लकड़ी, कीमती पत्थरों, सोने, संगमरमर और अन्य सामानों की तस्करी में मदद करते हैं।

नोएडा में पांच अस्थायी दुकानों में लगी आग, एक व्यक्ति की मौत

विश्व केसरी■



नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर में शनिवार को पांच अस्थायी दुकानों में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकल की छह गाड़ियों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। आग बुझाने के दौरान वह व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला था। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के रायपुर में स्थित अस्थायी दुकानों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पांच दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानों में आग की लपटें उठती देखकर आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दी गई, जिसके बाद दमकल विभाग की टीमों को मौके पर रवाना किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की छह गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। दमकल कर्मियों ने आग को फैलने से रोकने के लिए तेजी से कार्रवाई की। साथ ही राहत एवं बचाव कार्य के तहत अस्थायी दुकानों को खाली कराया गया, ताकि आग की चपेट में आने से अन्य लोगों को बचाया जा सके। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, आग बुझाने के दौरान एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। दमकल और राहत कार्य में जुटी टीमों ने तत्काल उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

उत्तर कोरिया: किम जोंग उन अपनी सेना को बनाना चाहते हैं सबसे ताकतवर, सैन्य कमांडरों को दिए निर्देश

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश की सेना को दुनिया की सबसे ताकतवर सेना बनाने पर जोर दिया है। प्योंगयांग में सैन्य कमांडरों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने सैन्य इकाइयों की युद्धक क्षमता और अनुशासन बढ़ाने के साथ ही सैनिकों की वैचारिक प्रतिबद्धता को मजबूत करने पर जोर दिया।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि किम ने 22 और 23 अक्टूबर को आयोजित कोरियाई पीपुल्स आर्मी के कंपनी कमांडरों के तीसरे सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मजबूत सैन्य इकाइयों के निर्माण के जरिए सबसे ताकतवर सेना तैयार करना और उत्तर कोरिया की अपनी शैली में सैन्य बदलाव को गति देना सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है।'

किम ने कंपनी कमांडरों से सेना की पार्टी और विचारधारा के प्रति निष्ठा बनाए रखने तथा अपनी इकाइयों को अधिक सक्षम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'सेना की प्रत्येक कंपनी को इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि वह विभिन्न सैन्य अभियानों को स्वतंत्र रूप से और प्रभावी ढंग से अंजाम दे सके।'

उत्तर कोरिया की सैन्य संरचना में कंपनी एक बुनियादी लड़ाकू इकाई मानी जाती है। किम ने इन इकाइयों की युद्धक क्षमता और संगठनात्मक दक्षता में सुधार को सेना के व्यापक आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया। बैठक में कंपनी स्तर पर अनुशासन, सैन्य प्रशिक्षण और सैनिकों के जीवन की स्थितियों को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया।सम्मेलन में उत्तर कोरिया के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इनमें सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष पाक जोंग चोन, रक्षा मंत्री किम सोंग गी और कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ प्रमुख री योंग गिल शामिल थे। सैन्य और राजनीतिक संगठनों के कमांडरों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। केसीएनए के मुताबिक, यह फरवरी में वर्कर्स पार्टी की नौवीं कांग्रेस के बाद पूरी सेना के स्तर पर आयोजित पहला ऐसा सम्मेलन था।

ईरान संघर्ष विराम के लिए कूटनीतिक प्रयास दोगुने करेगा ब्रिटेन : विदेश मंत्री मिलिबैंड

विश्व केसरी■



लंदन। ब्रिटेन ने ईरान संघर्ष विराम के लिए अपने कूटनीतिक प्रयासों को और तेज करने का फैसला किया है। ब्रिटिश विदेश मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा है कि संघर्ष के कारण देश में ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे महंगाई और आम लोगों के जीवन-यापन का संकट गहरा रहा है।

मिलिबैंड ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो जारी कर अपना मत प्रकट किया। उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन में लोगों के सामने इस समय जीवन-यापन की बढ़ती लागत सबसे बड़ी समस्या है। सरकार इस बात से अवगत है कि ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा बिल, खाद्य पदार्थों के बिल और महंगाई बढ़ रही है। विदेश मंत्री के रूप में उनकी जिम्मेदारी संघर्ष को समाप्त कराने के लिए हर संभव प्रयास करना है। यह युद्ध बहुत लंबा खिंच चुका है और इससे ब्रिटेन के लोगों को काफी नुकसान हुआ है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम इसे और ज्यादा समय तक जारी रहने का खर्च नहीं उठा सकते।' उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से वह इस्तांबुल में यूरोप और मध्य पूर्व के देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य संघर्ष को हमेशा के लिए समाप्त कराना और ब्रिटेन के परिवारों को आर्थिक दबाव से राहत दिलाना है।

ब्रिटेन की यह पहल ऐसे समय सामने आई है जब ईरान युद्ध के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ रही है। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का असर परिवहन, उत्पादन और घरेलू खर्चों पर पड़ सकता है। खाद्य पदार्थों और दूसरी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से परिवारों के बजट पर भी दबाव बढ़ता है।

मिलिबैंड ने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन कूटनीतिक रास्ते से संघर्ष समाप्त कराने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना कर रहा है।

मध्य प्रदेश के मंत्री और विधायकों की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए होगा मंथन: सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार के मंत्री हैं और विधायकों की कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, सजग और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए आगामी दिसंबर माह में मंत्रियों और विधायकों के साथ मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस फॉर एचआर-सीएसआर 'अभ्युदय' को संबोधित करते हुए कहा कि 'अभ्युदय 2026' का यह सत्र सुशासन, प्रशासनिक दक्षता और अतीत के सफल अनुभवों से सीख लेते हुए भविष्य की बेहतर कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के माध्यम से इस सत्र को सार्थक रूप दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन करती रहती है, ताकि विभिन्न विषयों पर गहन मंथन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, सजग और परिणामोन्मुखी बनाया जा सके। इसी क्रम में आगामी दिसंबर माह में मंत्रियों और विधायकों के साथ भी इसी प्रकार का मंथन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि जहां गीता समाप्त होती है, वहीं से जीवन का अभ्युदय प्रारंभ होता है। हमारे समाज के लिए एक आदर्श है भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन। हम सब उनके जीवन से प्रतिदिन कुछ न कुछ सीखते ही हैं। उन्होंने अपना सारा जीवन चुनौतियों के बीच व्यतीत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण तत्कालीन लोकतांत्रिक परम्पराओं के सच्चे और महान नायक थे। उन्होंने जीवन की हर परिस्थिति में अपना मानव धर्म और राजधर्म निभाया। उन्होंने एक सर्वशक्तिमान सत्ताधीश कंस का वध तो किया , परन्तु खुद उसकी सत्ता पर आसीन नहीं हुए।

नीलगिरि में भूस्खलन की चपेट में आई सरकारी बस, ड्राइवर की मौत, 50 यात्री बाल-बाल बचे

विश्व केसरी■



नीलगिरि। तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में पार्लियार के पास एक सरकारी बस भूस्खलन की चपेट में आ गई। बस का टायर पंचर होने के बाद लगभग 50 यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया था, जिसके कुछ ही मिनटों बाद यह हादसा हुआ। बस ड्राइवर जनगराज की इस घटना में मौत हो गई।

बचावकर्मियों ने लंबे अभियान के बाद मलबे से चालक का शव निकालकर उसकी मौत की पुष्टि की। पहले खबरें थीं कि उसे सुरक्षित निकाल लिया गया है, लेकिन बचाव दल ने बाद में स्पष्ट किया कि वह वाहन के अंदर ही फंसा रहा और उसकी मौत हो गई।

भूस्खलन में फंसे कंडक्टर केशवन को अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों ने घायल अवस्था में पाया और अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि जब पहाड़ी ढही, तब बस में कोई यात्री नहीं था। कंडक्टर ने कहा, 'बस में सिर्फ मैं और ड्राइवर थे। पेड़ एक के बाद एक सड़क पर गिरने लगे। जब हमने बस को सुरक्षित रूप से रोकने की कोशिश की, तो हम भूस्खलन की चपेट में आ गए।'

यह बस कोयंबटूर से ऊटी जा रही थी, जब पार्लियार के पास प्रभावित क्षेत्र में पहुंचने से कुछ ही देर पहले इसका टायर पंचर हो गया। बस के खराब होने से पहले उसमें लगभग 50 यात्री सवार थे।

घटना के विवरण के अनुसार, टायर पंक्चर होने के बाद यात्रियों को बस से निकाल लिया गया था। उनके निकलने के कुछ ही मिनटों के भीतर पहाड़ी सड़क पर एक भीषण भूस्खलन हुआ, जिससे पेड़, पत्थर और मिट्टी ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद आपातकालीन टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया और घायल कंडक्टर को सुरक्षित निकालने में सफल रहीं। मलबे के बीच चालक तक पहुंचने के प्रयास जारी रहे, लेकिन अंततः बचाव दल ने उनका शव बरामद कर लिया।

बिखराव और बच्चों की अनदेखी पीड़ा को सामने लाता आलोक शुक्ला का नाटक

विश्व केसरी■



इंदौर। माता-पिता अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए तलाक ले लेते हैं। कोई दूसरी शादी कर लेता है, तो कोई लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगता है। लेकिन इन फैसलों के बीच उस बच्चे की दुनिया में क्या घट रहा है, जो अपने माता-पिता के रिश्तों के टूटने और बदलने के बीच अकेला पड़ जाता है? उसके मन में उठते सवालों, भावनात्मक उथल-पुथल और भटकाव की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? नाटक 'अजीब दास्ताँ' इसी संवेदनशील और गंभीर सवाल को दर्शकों के सामने रखता है।

शुक्रवार शाम 23 अक्टूबर को इंदौर के रवींद्र नाट्यगृह में संस्था सूत्रधार की ओर से दिल्ली के नाट्य दल 'प्रासंगिक' ने इस नाटक का मंचन किया। करीब 75 मिनट की प्रस्तुति में महानगरीय जीवन की आपाधापी, टूटते पारिवारिक रिश्तों और माता-पिता व बच्चों के बीच बढ़ती संवादहीनता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। नाटक की परिकल्पना, लेखन और निर्देशन आलोक शुक्ला का है। प्रस्तुति के दौरान कहानी की परतें धीरे-धीरे खुलती हैं और दर्शक पात्रों की परिस्थितियों के साथ जुड़ते चले जाते हैं। अंत में उठने वाले सवाल उन्हें आत्ममंथन के लिए विवश करते हैं।

नाटक की कहानी दो दंपतियों और उनके पारिवारिक जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। शुरुआत नशे की गिरफ्त में फँसे एक बच्चे से होती है। उसके जीवन में यह स्थिति कैसे आई और वह इस मुकाम तक क्यों पहुँचा, नाटक इसी सवाल का जवाब तलाशता है। फ्लैशबैक के माध्यम से पात्रों के आपसी संबंध और उनके जीवन की परिस्थितियाँ सामने आती हैं। आरंभ में रिश्तों के समीकरण समझने में दर्शकों को थोड़ी उलझन होती है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, पात्रों के संबंधों की परतें खुलने लगती हैं।

नाटक का सबसे मार्मिक पक्ष उस बच्चे की पीड़ा है, जो माता-पिता के अपने-अपने फैसलों के बीच खुद को अकेला पाता है।

पेरिस में चमके यूपी के खाद्य उत्पाद, 15 देशों के खरीदारों से संपर्क, माल्ट इकाई लगाने पर चर्चा

विश्व केसरी■



लखनऊ। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रदर्शनी 'सियाल पेरिस 2026' में उत्तर प्रदेश के खाद्य उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहुंचाने और विदेशी निवेश आकर्षित करने की संभावनाएं सामने आई हैं। प्रदेश की दो कंपनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जबकि बरेली की ग्रोवर फूड्स ने 15 नए देशों के संभावित खरीदारों से संपर्क स्थापित करने का दावा किया है।

इसके अलावा, फ्रांस की कंपनी सॉफ्ले माल्ट के प्रतिनिधियों के साथ उत्तर प्रदेश में माल्ट प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। प्रदर्शनी के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण विभाग के स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने प्रदेश में तैयार खाद्य उत्पादों का अवलोकन किया और विभिन्न उत्पादों का स्वाद भी चखा। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और संभावनाओं में रुचि दिखाई। साथ ही, विभाग की योजनाओं की सराहना करते हुए महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्वरोजगार तथा आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को सराहनीय बताया।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत प्रदेश के उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने उत्पादों के प्रदर्शन का अवसर मिला है। मौर्य ने कहा कि डबल इंजन सरकार का लक्ष्य किसानों की उपज को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना, उद्यमियों के लिए कारोबार के अवसर बढ़ाना और युवाओं को रोजगार से जोड़ना है।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: भारत ने जीत के साथ किया आगाज, लाओस को 4-2 से हराया



विश्व केसरी ■

बाकू। भारत ने अजरबैजान में आयोजित पहले फीफा अंडर-15 फुटबॉल वर्ल्ड कप की शानदार शुरुआत की है। शनिवार को बाकू के होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स में खेले गए ग्रुप (के) के अपने पहले मैच में भारत ने लाओस को 4-2 से हराया।

भारत के कप्तान मैकडोनिश नौरांगबाम (7वें मिनट) और आर. लालरेमरुआतफेला (11वें मिनट) ने टीम के लिए शुरुआती दो गोल दागते हुए बढ़त दिलाई। इसके बाद लाओस के अनाविं जाप्यासोने ने 12वें मिनट में एक गोल करके अंतर को कम करने का प्रयास किया। हाफ-टाइम के तुरंत बाद, दक्षिण-पूर्वी एशियाई टीम के लिए सौक्सवान सिलिसेंग (24वें मिनट) ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

हालांकि, भारत ने जोरदार वापसी की। लालरेमरुआतफेला (31वें मिनट) और सौमोजित सरकार (33वें मिनट) ने लंबी दूरी से गोल करके भारत की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ भारत ने फीफा टूर्नामेंट में अपने पहले तीन अंक हासिल कर लिए हैं। इस टूर्नामेंट में 189 राष्ट्रीय टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 32 समूहों में बांटा गया है। इसमें मैच 'आठ-खिलाड़ियों' के फॉर्मेट में खेले जा रहे हैं। हर मैच में 20-20 मिनट के दो हाफ होते हैं, और इसमें 'रोलिंग सब्स्टिट्यूशन' (खिलाड़ियों को बार-बार बदलने) की अनुमति है।

भारतीय टीम ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले चार मिनट में ही दो मौके बनाए। तीसरे मिनट में दीपक सिंह अरामबम ने बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक जोरदार शॉट मारा, जिसे लाओस के गोलकीपर अनौसिथ सौक्सवान ने रोक दिया। इसके एक मिनट बाद, गोलकीपर ने आगे बढ़कर मैकडोनिश के प्रयास को भी नाकाम कर दिया। सातवें मिनट में दीपक ने बेहतरीन फुटवर्क दिखाया और गेंद को 'स्मॉल बॉक्स' के अंदर ले गए। वहां से उन्होंने गेंद को पीछे की तरफ पास किया, जिसे मैकडोनिश ने आसानी से गोल में बदल दिया।

भारत का दबाव काम आया और 11वें मिनट में टीम ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। लाओस के खिलाड़ियों द्वारा गेंद को क्लियर करने की कोशिश को दीपक ने रोक दिया। गेंद आर. लालरेमरुआतफेला के पास पहुंची, जिन्होंने एक टच लेने के बाद अपने बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोल कर दिया।

लाओस ने लगभग तुरंत ही जवाब दिया और 12वें मिनट में अनाविं जाप्यासोने के गोल की मदद से अंतर कम कर दिया। उनके द्वारा दूर से लगाए गए शॉट को देखकर भारतीय गोलकीपर जेनित निंगथौजाम अपनी जगह पर ही जमे रह गए।

शुरुआत में हुए कई गोलों के बाद खेल की गति धीमी हो गई और हाफ-टाइम से पहले के पांच मिनटों में किसी भी टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला। हाफ-टाइम के बाद भारत ने फिर से दबाव बनाया। 21वें मिनट में एक कॉर्नर किक पर मैकडोनिश का हेडर गोल पोस्ट के बिल्कुल करीब से बाहर निकल गया। हालांकि, तीन मिनट बाद ही लाओस ने बराबरी कर ली, जब सौक्सवान सिलिसेंग ने बॉक्स के बाहर से सीधे शॉट लगाकर गेंद को गोल के निचले कोने में पहुंचा दिया।

इस बराबरी के बाद भारत ने अपनी आक्रामकता बढ़ाई और खेल का ज्यादातर हिस्सा लाओस के हाफ में खेला गया। 31वें मिनट में भारत ने फिर से बढ़त बना ली। आर. लालरेमरुआतफेला ने सौमोजित सरकार से मिले पास लिया और बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट के दूर वाले कोने में पहुंचा दिया, जिससे स्कोर 3-2 हो गया।

33वें मिनट में भारत ने अपनी बढ़त को और मजबूत किया, जब सरकार ने हाफ-वे लाइन के ठीक अंदर से शॉट मारा। गेंद गोलकीपर के ऊपर से होती हुई सीधे नेट में चली गई। भारतीय युवा टीम ने बाकी बचे मैच को बखूबी संभाला, अपनी दो गोल की बढ़त को बरकरार रखा और पूरे तीन अंक हासिल किए। भारत का अगला मुकाबला रविवार को कैमरून से होगा, और उसी दिन बाद में वह ग्रेनाडा का सामना करेंगे।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप: पुरुष टीम ने इंग्लैंड को हराया, देश की बेटियों ने मलेशिया को दी शिकस्त



विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। भारत ने शुक्रवार को कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। अहमदाबाद के वीर सावरकर स्टेडियम में महिला टीम ने मलेशिया पर 73-13 की बड़ी जीत दर्ज की, जबकि पुरुष टीम ने इंग्लैंड को 46-26 से हराया।

भारतीय महिला टीम ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और 20-3 की बढ़त हासिल कर ली। हाफ-टाइम तक उन्होंने अपनी बढ़त को 30-11 तक पहुंचा दिया। आठ रेड प्वाइंट हासिल करने वालीं कप्तान निधि शर्मा के नेतृत्व में भारत ने रेडिंग और टैकलिंग दोनों में मैच पर पूरा नियंत्रण रखा। भारत ने कुल 40 रेड प्वाइंट और 20 टैकल प्वाइंट बनाए, जबकि मलेशिया केवल 9 रेड प्वाइंट और दो टैकल प्वाइंट ही हासिल कर सका। इस दौरान भारत ने मलेशिया को छह बार ऑलआउट किया।

साक्षी ने सबसे ज्यादा 13 प्वाइंट (आठ रेड प्वाइंट और पांच टैकल प्वाइंट) हासिल किए। बेंच से आईं रेणुका ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी 9 रेड में नौ प्वाइंट बटोरे। अनु ने छह प्वाइंट जोड़े, जबकि कार्तिका रमेश और ज्योति ने क्रमशः छह और चार टैकल प्वाइंट का योगदान दिया। मलेशिया की कप्तान दर्शिनी ने अपनी टीम के लिए तीन रेड प्वाइंट हासिल किए।



हाफ-टाइम के बाद भारत ने अपना दबदबा और बढ़ाया। उन्होंने दूसरे हाफ को 43-2 से जीता, जिसमें रेणुका ने छह रेड में सात प्वाइंट हासिल किए। इसके बाद अंतिम क्वार्टर में 20-0 की बढ़त के साथ भारत ने अपनी एकतरफा जीत पूरी की। इसके बाद भारतीय पुरुष टीम ने भी इंग्लैंड पर 46-26 की शानदार जीत दर्ज की, जिसमें नवीन कुमार और नीरज नरवाल ने अहम भूमिका निभाई। कप्तान सुरजीत सिंह की टीम ने रेडिंग में 32-23 और टैकलिंग में 8-3 से बाजी मारी। इसके साथ ही, उन्होंने इंग्लैंड को तीन बार ऑलआउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑलआउट नहीं हुए। नवीन 12 अंकों (11 रेड प्वाइंट और 1 टैकल प्वाइंट) के साथ भारत के लिए सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि नीरज नरवाल ने 11 रेड प्वाइंट हासिल किए।

'बिना उम्मीद के लगातार मेहनत किया', टीम में मिली जगह: भुवनेश्वर कुमार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 4 साल बाद भारतीय टीम में वापसी की है। भुवनेश्वर ने कहा है कि खुद से कोई उम्मीद न रखने और अपने काम पर फोकस करने की वजह से नेशनल टीम से दूर रहने के बावजूद उनकी तैयारियों पर कभी कोई असर नहीं पड़ा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में भुवनेश्वर कुमार ने कहा, 'पिछले तीन-चाल वर्षों में उन्होंने भविष्य की चिंता करने की जगह वर्तमान पर फोकस किया है।'

उन्होंने कहा, 'मैं जिस सोच में हूं, वह बहुत सिंपल है। मुझे खुद से कोई उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि पिछले 3-4 वर्षों में मेरे लिए चीजें ऐसे ही हुईं। कोई उम्मीद नहीं, बस अपना काम करते रहो। आम तौर पर, हम वर्तमान में रहने की बात करते हैं। हम भविष्य के बारे में नहीं सोचते। मुझे लगता है कि मैं अभी इसी सोच में हूं। भुवनेश्वर ने कहा, 'मुझे पता है कि मैं देश के लिए नहीं खेला। लेकिन मैंने जो चीजें कीं और एक इंसान के तौर पर मुझमें जो परिपक्वता आई। मुझे लगता है कि उन्होंने मुझे यही सिखाया कि वर्तमान में रहो। पिछले चार साल में, मैं कभी इंडियन जर्सी के पीछे नहीं भागा। मुझे यह भी नहीं पता था कि वे चार साल कब आएंगे। भारतीय टीम में वापसी का श्रेय भुवनेश्वर ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल को दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में उनकी वापसी होगी या नहीं, इसका उन्हें पता नहीं था, लेकिन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल के लिए तैयारी जारी रही। उन्होंने कहा, 'पिछले दो आईपीएल में, मैं बिना किसी उम्मीद के गया था। लेकिन ऐसा नहीं था कि मैंने तैयारी नहीं की थी। मैंने फिटनेस से लेकर स्किल्स और मानसिक पक्ष, सब पर काम किया। हां, इस बात की उम्मीद शून्य थी कि मैं क्या करूंगा। मुझे टीम के लिए योगदान करना था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे दो साल में दो आईपीएल खिताब मिलेंगे।'

भुवनेश्वर का मानना है कि आईपीएल ने उन्हें टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों को समझने में भी मदद की है, जिसमें बल्लेबाज ज्यादा आक्रामक हो गए हैं और हाई स्कोर आम बात हो गई है।



हमारी टीम का हर खिलाड़ी मैच जिताने की क्षमता रखता है: श्रेयस अय्यर

विश्व केसरी ■

क्राइस्टचर्च। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को हैगली ओवल में खेले गए टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 4 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम इंडिया ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि भारतीय टीम का हर खिलाड़ी मैच जिताने की क्षमता रखता है।

जीत के बाद अय्यर ने दबाव में भारत की जीत और मैच विजेता खिलाड़ियों की टीम की क्षमता पर कहा, 'मेरा मानना है कि हमारी टीम का हर खिलाड़ी मैच जिताने की क्षमता रखता है और आज हमने इसका बेहतरीन उदाहरण देखा। जब हमने लगातार विकेट गंवाए, तब लगा कि मैच हाथ से निकल रहा है, लेकिन तिलक और रेड्डी ने जज्बा दिखाया। साथ ही, नमन धीर ने भी शानदार पारी खेली।'

17 गेंदों में 31 रन की पारी खेलने वाले नमन धीर के योगदान और उनकी ऑलराउंड क्षमताओं पर कप्तान ने कहा, 'हमने उन्हें इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी देखा था। वह एक शानदार गेंदबाज भी हैं। जब कोई खिलाड़ी बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में योगदान देता है, तो टीम में एक अलग ही मजबूती आती है। इसके अलावा, मैदान पर उनकी फुर्ती को देखकर लगता है कि वह एक संपूर्ण खिलाड़ी हैं।'

न्यूजीलैंड ने भारत को जीत के लिए 181 रन का टारगेट दिया था, जिसके जवाब में भारत ने 70 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे। 21 रन देकर 4 विकेट हासिल करने वाले मिचेल सेंटनरे ने भारतीय टीम को दबाव में ला दिया था, लेकिन इसके बाद भारत ने 4 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम किया।

मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रेसवेल जैसे स्पिनर्स की चुनौती और रन चेज के दौरान भारत के दृष्टिकोण को लेकर कप्तान ने कहा, 'हमने शुरुआत में काफी डॉट गेंदें खेलीं, जिससे रन रेट का दबाव बढ़ गया। हमारी कोशिश मैच को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाने की थी, लेकिन उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। खासकर ब्रेसवेल और सैंटनर ने मिडल ओवर्स में जिस तरह खेल को नियंत्रित किया, उससे बल्लेबाजी आसान नहीं रही। गेंद को हिट करना आसान नहीं था, लेकिन अगर हम गैप ढूंढकर बाउंड्री लगाने की कोशिश करते, तो हम आसानी से जीत सकते थे। खैर, ऐसा होता रहता है। यह बस एक खराब दिन था, और मुझे यकीन है कि हम मजबूती से वापसी करेंगे।'

भारत की फील्डिंग और विरोधी टीम को दो रन लेने से रोकने के महत्व पर अय्यर बोले, 'यही संदेश टीम के हर खिलाड़ी को दिया गया था कि हर गेंद को पहले से भांपना है और यह मानकर चलना है कि आपको सिर्फ एक रन देना है। गेंद की तरफ तेजी से दौड़कर जाना जरूरी है ताकि विपक्षी बल्लेबाज दो रन लेने के बारे में दो बार सोचें।

चक्रधर चैंपियंस ने राजधानी रॉयल्स को 4-3 से हराया



विश्व केसरी ■ चंद्रमणि साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में शनिवार को चक्रधर चैंपियंस ने राजधानी रॉयल्स को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर लीं। वहीं, राजधानी रॉयल्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंच गई है।

मैच में चक्रधर चैंपियंस की ओर से युवराज वाल्मीकि, खोगेश्वर बाग और परमप्रीत सिंह ने गोल किए। परमप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे।

राजधानी रॉयल्स के लिए रौशन कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि कप्तान ललित उपाध्याय ने एक गोल किया। रौशन को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और परमप्रीत सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

राजधानी रॉयल्स 25 अक्टूबर को मैनपाट टाइटन्स से भिड़ेगी, जबकि चक्रधर चैंपियंस का मुकाबला 26 अक्टूबर को इसी टीम से होगा।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग: दिल्ली डायनामाइट्स ने एम्पेरिया मराठा को हराकर जीता खिताब

विश्व केसरी ■

नोएडा। दिल्ली डायनामाइट्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) के फाइनल में एम्पेरिया मराठा को 3-1 से हराकर ट्रॉफी अपने नाम किया। दिल्ली डायनामाइट्स को 2 करोड़ रुपये की प्राइज मनी मिली। रनर-अप को 1 करोड़ रुपये मिले।

फाइनल मुकाबले की शुरुआत मराठा ने शानदार अंदाज में की। पहले सेट में मराठा के अटैकर्स ने दिल्ली की डिफेंस को भेदते हुए 25-22 से सेट जीत लिया और दिल्ली को बैकफुट पर धकेल दिया। लेकिन चैंपियन टीम ने हार नहीं मानी।

दूसरे सेट से दिल्ली डायनामाइट्स ने जोरदार वापसी की। टीम ने अपनी सर्विस और ब्लॉकिंग में सुधार करते हुए दूसरा सेट 25-19 से अपने नाम किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।



मैच का टर्निंग पॉइंट तीसरा सेट रहा। दोनों टीमों के बीच एक-एक पॉइंट के लिए कड़ा संघर्ष देखने को मिला। स्कोर 29-29 तक बराबर रहा, लेकिन अंत में दिल्ली ने दबाव में संयम दिखाते हुए लगातार दो पॉइंट जीतकर सेट 31-29 से अपने नाम कर लिया। इस सेट ने दिल्ली का मोमेंटम पूरी तरह बदल दिया।

चौथे सेट में दिल्ली ने इसी लय को बरकरार रखा और मराठा को कोई मौका नहीं दिया। दिल्ली ने 25-19 से चौथा सेट जीतकर 3-1 से फाइनल अपने नाम कर लिया।

टीम की जीत के हीरो रहे शुभम चौधरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि एसआर शिवराजन को इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। दोनों खिलाड़ियों ने अहम मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया।

जीत के बाद शुभम चौधरी ने कहा, 'वॉलीबॉल चैंपियंस लीग का टाइटल जीतना पूरी टीम के लिए एक खास एहसास है। पहला सेट हारने के बाद हम एकजुट रहे, अपनी तैयारी पर भरोसा किया और एक बार में एक पॉइंट पर ध्यान दिया। तीसरा सेट खास तौर पर जरूरी था और एक-दूसरे पर हमारे भरोसे ने हमें मैच पलटने में मदद की। यह जीत टीम की कड़ी मेहनत और मिलकर किए गए प्रयास का नतीजा है।

नोएडा में खेले गए इस फाइनल ने वॉलीबॉल फैंस को रोमांच से भर दिया और भारतीय वॉलीबॉल के बढ़ते स्तर का सबूत पेश किया।

भारत के स्टार फुटबॉलर हलीचरण नारजारी 'असम गौरव पुरस्कार' के लिए चयनित

विश्व केसरी ■

बारपेटा। असम सरकार द्वारा घोषित प्रतिष्ठित 'असम गौरव' पुरस्कार के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के स्टार खिलाड़ी हलीचरण नारजारी को चुना गया है। खेल जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सरकार ने उन्हें इस सम्मान से अलंकृत किया है।

बचपन में अत्यधिक आभाव और खेल की बुनियादी सुविधाओं के बिना संघर्ष करते हुए बड़े हुए हलीचरण नारजारी की यह यात्रा बेहद प्रेरणादायक है। पैरों में जूते तक पहनने के साधन न होने की स्थिति से लेकर अपनी अदम्य इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाई और देश का नाम रोशन किया। उनका यह संघर्षशील सफर आज देश भर के उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल बन गया है।

हलीचरण नारजारी का भारतीय फुटबॉल में लंबा और अनुभव से भरा करियर रहा है। उन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 2010 में पाईलान एरोज से की थी। इसके बाद वह डेम्पो एससी का हिस्सा बने। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में उन्होंने एफसी गोवा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, केरल ब्लास्टर्स, चेन्नैयिन एफसी और बेंगलुरु एफसी जैसे प्रमुख क्लबों का प्रतिनिधित्व किया।



हलीचरण हैदराबाद एफसी की उस टीम का भी हिस्सा रहे, जिसने 2021-22 सीजन में आईएसएल का खिताब जीता था। साल 2026 में उन्होंने अपने गृह क्षेत्र की टीम बोडोलैंड एफसी से जुड़कर नई शुरुआत की। डूरंड कप 2026 में टीम की कप्तानी करते हुए उन्होंने एक मैच में चार गोल दागे। उनके इस प्रदर्शन ने काफी सुर्खियां बटोरीं।

अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो हलीचरण ने भारत की अंडर-19 और अंडर-23 टीमों का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2015 में सीनियर भारतीय फुटबॉल टीम के लिए पदार्पण किया और देश के लिए 27 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।

एनएसई सीईओ ने एआई-आधारित साइबर हमलों को लेकर जताई चिंता, ब्रोकरों से साइबर सुरक्षा मजबूत करने का किया आह्वान



विश्व केसरी ■

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान ने एआई-आधारित साइबर हमलों के बढ़ते खतरे को लेकर शनिवार को गंभीर चिंता जताई और स्टॉकब्रोकरों से अपनी साइबर सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी एक सदस्य की सुरक्षा में कमजोरी पूरे पूंजी बाजार नेटवर्क की विश्वसनीयता और अखंडता को प्रभावित कर सकती है।

मुंबई में आयोजित एएनएमआई इंटरनेशनल कैपिटल मार्केट कन्वेंशन 2026 को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि एनएसई अपने पूरे नेटवर्क की व्यापक समीक्षा कर रहा है, ताकि संभावित सुरक्षा खामियों की पहचान की जा सके। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित साइबर हमलों का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है और इससे निपटने के लिए सभी बाजार सहभागियों को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्रोकर और बाजार सदस्य को साइबर सुरक्षा को अपने प्रमुख कार्यों में शामिल करना होगा, ताकि देशभर में ट्रेडिंग सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनी रहे। उनके अनुसार, आने वाले वर्षों में नई-नई तकनीकी कमजोरियां सामने आ सकती हैं और इसलिए उद्योग को अभी से तैयारी करनी होगी।

चौहान ने एएनएमआई से एक विशेष टास्क फोर्स बनाने का सुझाव भी दिया, जो संभावित साइबर खतरों की पहचान करे, विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित करे और बाजार सहभागियों को जोखिमों से निपटने में सहायता प्रदान करे।

उन्होंने कहा कि एनएसई कार्यशालाओं और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रोकरों को समर्थन देने के लिए तैयार है और नियामकों के साथ मिलकर उनके सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने में मदद करेगा। जिन ब्रोकरों के पास पर्याप्त तकनीकी विशेषज्ञता नहीं है, उन्हें या तो अपनी आंतरिक क्षमताएं विकसित करनी चाहिए या फिर बाहरी विशेषज्ञों की सहायता लेनी चाहिए।

हाल के एआई आधारित साइबर हमलों का उल्लेख करते हुए चौहान ने कहा कि यदि किसी एक बाजार सदस्य की सुरक्षा प्रणाली कमजोर रहती है तो उसका प्रभाव पूरे बाजार तंत्र की अखंडता पर पड़ सकता है।

उन्होंने भविष्य की एक और बड़ी चुनौती के रूप में क्वांटम कंप्यूटिंग का उल्लेख किया। उनके अनुसार, क्वांटम तकनीक आने वाले समय में मौजूदा क्रिप्टोग्राफिक सुरक्षा प्रणालियों और सुरक्षित संचार तंत्र को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में बाजार सहभागियों को केवल वर्तमान साइबर खतरों ही नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना होगा।

चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी शुरुआत से ही पूंजी बाजारों के संचालन का अभिन्न हिस्सा रही है, लेकिन बदलते खतरे यह स्पष्ट करते हैं कि बाजार संस्थान सुरक्षा के मोर्चे पर पीछे नहीं रह सकते।

हाल के महीनों में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ी हैं। इसी महीने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में डेटा ब्रीच की घटना सामने आई थी, जिसमें 3,897 ग्राहकों की जानकारी डार्क वेब पर मिलने की पुष्टि हुई थी। इसी तरह पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी ग्राहकों को एआई-आधारित साइबर धोखाधड़ी, वॉयस क्लोनिंग, डीपफेक और फिशिंग हमलों को लेकर सतर्क रहने की सलाह जारी की थी।

पद्मासन का एडवांस रूप है बद्ध पद्मासन, पाचन से लेकर रीढ़ तक के लिए है रामबाण



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ रखते हैं, उन्हीं में से एक है 'बद्ध पद्मासन'। यह आसन पद्मासन का एक एडवांस रूप है, जिसको नियमित रूप से करने से शरीर में लचीलापन बढ़ता है और कंधे, पीठ और जोड़ों को मजबूती मिलती है।

बद्ध पद्मासन को पद्मासन का एक उन्नत रूप माना जाता है। इसमें पैरों को कमल की तरह मोड़कर हाथों से पीठ के पीछे बांधा जाता है। 'बद्ध' का अर्थ 'बंधा हुआ' और पद्म का अर्थ 'कमल का फूल' होता है। यह आसन शरीर की स्थिरता, संतुलन और लचीलापन बढ़ाने में कारगर होता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन न केवल शारीरिक दृढ़ता बल्कि गहरी मानसिक शांति और आध्यात्मिक जागृति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके नियमित अभ्यास से पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और रीढ़ की हड्डी में खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे रीढ़ की हड्डी स्वस्थ रहती है।

वहीं, आयुष विशेषज्ञों के अनुसार, लेटकर किए जाने पर पेट पर हल्का दबाव पड़ता है, जो पाचन को सुधारता है और कब्ज, अपच, गैस जैसी समस्याएं दूर होती हैं। बद्ध पद्मासन का अभ्यास सिर्फ शरीर के लिए नहीं बल्कि मन और ऊर्जा के स्तर पर भी गहरा असर डालता है। योग शास्त्र के अनुसार, हमारे शरीर में नाड़ियों के जरिए प्राण ऊर्जा प्रवाह करती है। बद्ध पद्मासन में जब पैर आपस में लॉक होते हैं और हाथ पीछे बंधते हैं, तो शरीर में एक ऊर्जा सर्किट बन जाता है। इससे ऊर्जा बाहर नहीं निकलती बल्कि शरीर के अंदर ही घूमकर सभी चक्रों को सक्रिय करती है। यह मूलाधार से सहस्रार तक ऊर्जा के प्रवाह को सुगम बनाता है, जिससे शरीर हल्का और ऊर्जावान महसूस करता है और यह आसन ध्यान के लिए आदर्श स्थिति बन जाता है।

इस आसन को करने के लिए शरीर में अत्यधिक लचीलेपन की आवश्यकता होती है, इसलिए इसे करने से पहले पद्मासन में महारत हासिल करना आवश्यक है।

बच्चों को समय पर 'दो बूंद जिंदगी की' अवश्य पिलाएं, विश्व पोलियो दिवस पर नितिन गडकरी समेत कई मुख्यमंत्रियों ने की अपील

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। विश्व पोलियो दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने का संकल्प दोहराया। नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को नमन किया और हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद पिलाने की अपील की।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'विश्व पोलियो दिवस पर आइए हम पोलियो-मुक्त दुनिया बनाने के अपने संकल्प को और मजबूत करें। हर बच्चे को समय पर टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के जरिए सुरक्षा पाने का हक है। हम सब मिलकर आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रख सकते हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'विश्व पोलियो दिवस प्रेरित करता है कि एक भी बच्चा पोलियो रोधी खुराक से वंचित न रहे। बच्चों को समय पर 'दो बूंद जिंदगी की' अवश्य पिलाएं और उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में अपना योगदान दें। जनभागीदारी और जागरूकता से ही हम पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और मजबूत बना सकते हैं।'

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पर लिखा, 'विश्व पोलियो दिवस पर भारत को पोलियो-मुक्त बनाने के महाअभियान में समर्पित सभी स्वास्थ्यकर्मियों को मेरा नमन एवं आभार। आपके अथक प्रयासों, सेवाभाव और दृढ़ संकल्प ने देश को एक ऐतिहासिक उपलब्धि दिलाई है। स्वस्थ और सुरक्षित भारत के निर्माण में आपका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम सभी को गर्व है कि आज भारत पोलियो मुक्त है। आइए, 'विश्व पोलियो दिवस' पर मिलकर संकल्प लें कि पोलियो जैसी बीमारी पुनः पनपने नहीं देंगे। हर बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं और लोगों को इसके प्रति निरंतर जागरूक करते रहें। पोलियो से लड़ाई में भारत को विजयी बनाने वाले सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का हार्दिक अभिनंदन।

चेहरे की झुर्रियों से हैं परेशान? रोज करें कपोल शक्ति विकासक क्रिया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्राचीन भारतीय योग परंपरा में शरीर के प्रत्येक अंग को स्वस्थ, क्रियाशील और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए विशिष्ट क्रियाओं का विधान है। इन्हीं में से महत्वपूर्ण 'कपोल शक्ति विकासक' क्रिया है। यह आसन न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।



संस्कृत में 'कपोल' का अर्थ गाल और 'शक्ति विकासक' का अर्थ है शक्ति को विकसित करने वाला। अर्थात यह एक ऐसा योगाभ्यास है जो गालों की मांसपेशियों को सक्रिय, सशक्त और सुडौल बनाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने 'कपोल शक्ति विकासक' को चेहरे की मांसपेशियों और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताया है। यह क्रिया देखने में बहुत सरल है लेकिन इसके नियमित अभ्यास से चेहरे पर रक्त संचार बढ़ता है, गालों में स्वाभाविक लालिमा और कसावट आती है तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है। इसलिए इसे चेहरे के योग या फेशियल योग का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, गलत खानपान और बढ़ती उम्र के कारण चेहरे की मांसपेशियां ढीली पड़ने लगती हैं, चेहरे पर झुर्रियां आ जाती हैं। ऐसे में कपोल शक्ति विकासक न केवल चेहरे की सुंदरता और तेज को बढ़ाता है बल्कि यह पाचन क्रिया, वाणी और प्राण शक्ति से भी गहरा संबंध रखता है।

कपोल शक्ति विकासक अभ्यास के फायदे कई हैं। यह चेहरे की मांसपेशियों को टोन करता है, जिससे गालों में खिंचाव आता है और चेहरा आकर्षक बनता है। जालंधर बंध के कारण थायरॉइड ग्रंथि की कार्यक्षमता सुधरती है।

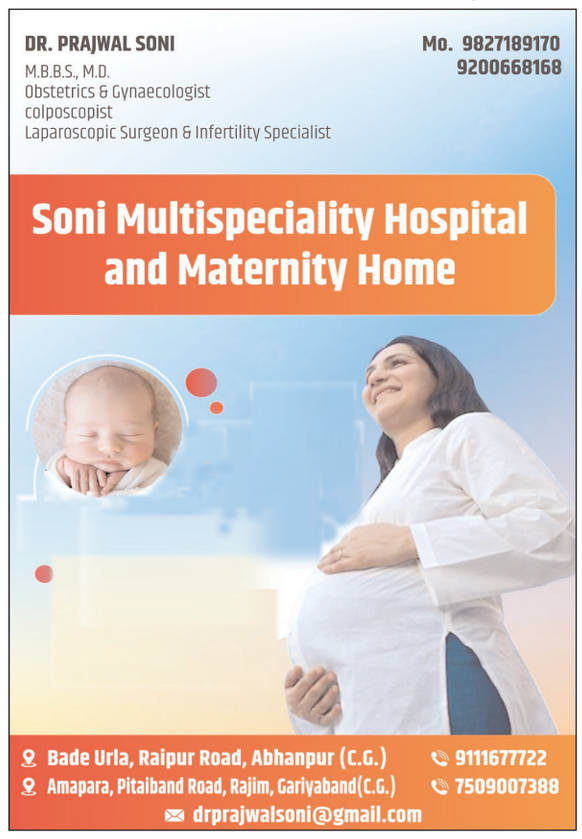
गलत खान-पान बिगाड़ रहा है सेहत? पवनमुक्तासन से पाएं तुरंत राहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान और घंटों एक जगह बैठकर काम करने की वजह से पेट संबंधी समस्या आम हो गई है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए 'पवनमुक्तासन' बेहद सरल और प्रभावी आसन बताया गया है। यह आसन शरीर में मौजूद दूषित वायु को बाहर निकालकर पेट को साफ रखता है और मन को शांति प्रदान करता है। पवनमुक्तासन संस्कृत के तीन शब्दों से मिलकर बना है... 'पवन' यानी हवा, 'मुक्त' यानी छोड़ना, और 'आसन' यानी योग की मुद्रा। इसका मतलब यह ऐसा योगासन है जो शरीर से गैस या अपच को बाहर निकालने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे अंग्रेजी में 'वाइंड रिलिजिंग पोज' भी कहा जाता है। पवनमुक्तासन उन योगासनों में एक आसन है, जिसे वायु मुक्ति आसन या 'गैस रिलीज पोज' भी कहा जाता है। यह आसन पेट में जमा गैस को बाहर निकालने और पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मददगार साबित होता है।















दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने छठ घाटों के विकास, सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रेमबाड़ी पुल, सिंघलपुरी के पास मुनक नहर के किनारे छठ घाटों के विकास, सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैंने सिंघलपुर के प्रेमबाड़ी पुल के पास मुनक नहर के किनारे छठ घाटों पर चल रहे विकास, सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मुनक नहर, जिसके आसपास गंदगी और अव्यवस्था के कारण कभी लोगों को परेशानी होती थी, अब वहां साफ-सफाई, सुंदरता और सुविधाओं की एक नई तस्वीर देखने को मिल रही है। हमारा लक्ष्य छठ महापर्व से पहले निर्माण कार्य पूरा करना है।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि माताएं, बहनें और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के, साफ-सुथरे माहौल में छठी मैया की पूजा कर सकें, इसके लिए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण काम करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

इससे पहले दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा की तैयारियों की निगरानी के लिए एक विशेष समिति का गठन किया था। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं, सुरक्षा और सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

दिल्ली के कला और संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा इस छठ पूजा समिति के प्रमुख हैं। समिति के सदस्यों में विधायक अभय कुमार वर्मा, चंदन कुमार चौधरी, संदीप सहरावत और दीपक चौधरी के साथ-साथ समाजसेवी संतोष ओझा शामिल हैं।

यह छठ समिति घाटों और पूजा स्थलों पर एनओसी, पीने के पानी, चिकित्सा और एम्बुलेंस सेवाओं, अग्निशमन सुरक्षा, मोबाइल शौचालय, सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, फॉगिंग और निर्बाध बिजली आपूर्ति की निगरानी करेगी।

मिश्रा की अध्यक्षता वाली इस समिति का गठन त्योहार के लिए पूजा स्थलों की समीक्षा और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए किया गया है। साथ ही यह समिति नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, बिजली, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं में समन्वय भी करेगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अन्य त्योहारों की तरह, छठ पूजा भी आस्था का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो दिल्ली की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ त्योहार मना सकें और उन्हें पर्याप्त सुविधाएं, सुरक्षा, साफ-सफाई और एक सुव्यवस्थित माहौल मिल सके।

छात्रा की मौत के मामले में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने निष्पक्ष जांच के दिए निर्देश

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर क्षेत्र में 17 वर्षीय छात्रा की मौत के बाद शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने स्थिति का जायजा लेने के लिए स्कूल का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ कृष्णा नगर के विधायक अनिल गोयल भी उपस्थित थे।

आशीष सूद ने स्कूल प्रबंधन और पुलिस अधिकारियों से घटना के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने घटना के आसपास की परिस्थितियों और विभिन्न संबंधित पहलुओं को समझने के लिए स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की। मंत्री ने मामले की जांच की प्रगति और उपलब्ध साक्ष्यों के बारे में भी जानकारी मांगी।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कृष्णा नगर स्थित जीएसकेवी स्कूल में 17 वर्षीय छात्रा की दुखद मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक और गंभीर चिंता का विषय है।

हम सभी इस दिल दहला देने वाली घटना से व्यथित हैं। दिल्ली पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और स्कूल प्रबंधन ने सभी उपलब्ध साक्ष्य पुलिस को सौंप दिए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी प्राथमिकता निष्पक्ष और गहन जांच सुनिश्चित करना है ताकि घटना से संबंधित सभी तथ्य सामने आ सकें। मामले की सटीक परिस्थितियां और अन्य पहलू जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट रूप से स्थापित हो सकेंगे। जांच के निष्कर्षों के आधार पर कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में स्थित सर्वोदय बाल/बालिका विद्यालय में 12वीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई। आरोप है कि उसने खुद पर कोई ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली थी।

इस घटना के बाद स्कूल परिसर में मौजूद शिक्षकों और छात्रों के बीच हड़कंप मच गया। इसके बाद अधिकारियों ने छात्रा की मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि दिल्ली पुलिस की क्राइम टीम को स्कूल बुलाया गया, ताकि वे घटनास्थल का मुआयना कर सकें, परिस्थितियों की जांच कर सकें और ऐसे सबूत जुटा सकें जिनसे यह पता चल सके कि घटना कैसे घटी।

आस्था कुंज सामूहिक दुष्कर्म के बाद सुरक्षा बढ़ी, पार्क में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे और 105 नई लाइटें

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि डीडीए द्वारा अनुरक्षित आस्था कुंज पार्क, कालकाजी में आवश्यक सुरक्षा उपाय लागू कर दिए गए हैं, जिनमें आवंटित सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, 105 अतिरिक्त बत्तियां लगाना और सीसीटीवी निगरानी शामिल हैं।

अधिकारी ने बताया कि आस्था कुंज पार्क में अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को पर्याप्त सुरक्षात्मक उपाय अपनाए जा रहे हैं। इस क्रम में वर्तमान में आवंटित संख्या के अनुसार सभी सुरक्षा गार्ड पार्क में तैनात हैं। 142.41 एकड़ के विशाल क्षेत्र और 29 द्वारों को देखते हुए पूरे पार्क में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमित गश्त की जाती है।

सायरन से लैस दो मोटरसाइकिलें, टॉर्च और आवश्यक सुरक्षा उपकरण रात्रि गश्त के लिए तैनात हैं। सुरक्षा व्यवस्था और गार्ड तैनाती की पुष्टि के लिए साइट इंचार्ज, सुरक्षा पर्यवेक्षक और विभागीय कर्मचारियों द्वारा अचानक रात्रि निरीक्षण भी किए जाते हैं।

पार्क में मौजूद सभी 340 बत्तियां वर्तमान में चालू हैं। इसके अलावा, सुरक्षा लेखापरीक्षा रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुसार 105 अतिरिक्त बत्तियां लगाई गई हैं।

संबंधित विद्युत अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया है, और उपयुक्त चिन्हित स्थानों पर उच्च-स्तंभ प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।

पार्क क्षेत्र का लगभग 99 प्रतिशत भाग मॉर्फोलॉजिकल रिज के अंतर्गत आता है। तदनुसार, घनी वनस्पति वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था की योजना विवेकपूर्ण ढंग से बनाई जा रही है ताकि प्राकृतिक वनस्पतियों और जीव-जंतुओं को कोई नुकसान न पहुंचे और साथ ही रास्तों और आगंतुकों के उपयोग वाले क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित हो सके।

किताबों के खरीद मामले को लेकर दिल्ली के शिक्षा मंत्री का आप पर निशाना, बोले-लगा रहे झूठा इल्जाम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। किताबों की खरीद को लेकर आम आदमी पार्टी के आरोपों पर दिल्ली के शिक्षा व खेल मंत्री आशीष सूद ने जमकर निशाना साधा है।

मीडिया से बातचीत करते हुए आशीष सूद ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बड़े-छोटों और छोटे-छोटों के बीच की लड़ाई है। नए छोटों के आने से पुराने छोटों को यह समझने में थोड़ी मुश्किल हो रही है कि अपने मालिकों के लिए कैसे काम का बने रहें। इसीलिए, कीमतें न जानते हुए भी वे 40 प्रतिशत स्कैम का झूठा इल्जाम लगा रहे हैं और मेरे विभाग के काम में रुकावट डालने की कोशिश कर रहे हैं।'

आशीष सूद ने कहा, 'हमने ये किताबें 28.61 रुपए में खरीदी हैं जबकि एनसीईआरटी इसे 65 रुपए में बेचता है। हमने किताबें कम कीमतों पर खरीदी हैं; उनके समय में दी गई कीमतों से आधी कीमत पर खरीदी गई हैं। उनके समय के डॉक्यूमेंट्स मौजूद हैं, जिनसे पता चलता है कि तत्कालीन शिक्षा सचिव ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा खरीदी जा रही किताबों की क्वालिटी पर सवाल उठाए थे। हमने आपके सामने सारे फैक्ट्स बहुत साफ तरीके से रखे हैं। हमने आपको मेजरिंग टेप दिया है; आप खुद चेक कर सकते हैं कि इसमें कहीं कोई कमी तो नहीं है।'

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने कहा, 'एजुकेशन डिपार्टमेंट में बहुत अच्छा काम हो रहा है। बच्चों को डिजिटल एजुकेशन मिल रही है, आगे बढ़ने के मौके मिल रहे हैं, नई पहल हो रही है, और स्टूडेंट्स के रिजल्ट बेहतर हो रहे हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट धीरे-धीरे पटरी पर आ रहा है। यह उनकी सोच को चुनौती देता है! वे दावा करते थे कि वे ही सबसे अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन अब, दो साल बाद, लोग खुद तुलना करके देख सकते हैं।

ईडी ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनीत सिंह तलवार को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बनीत सिंह तलवार को 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नशीले पदार्थों की बड़े पैमाने पर तस्करी से जुड़ी है, जिसमें नशीले पदार्थों को टैल्क के अंदर छिपाकर रखा गया था। इसके साथ ही दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में नशीले पदार्थों की बरामदगी भी हुई है।

आरोपी बनीत सिंह तलवार को शुक्रवार को को नई दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट (पश्चिम जिला) में विशेष न्यायाधीश (पीएमएलए) के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को 5 दिनों की ईडी हिरासत में भेज दिया। ईडी ने अपनी जांच की शुरुआत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की। यह एफआईआर हरप्रीत सिंह तलवार और अन्य लोगों के खिलाफ नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए दर्ज की गई थी। इससे पहले, एनआईए ने इस मामले में छह आरोप-पत्र दाखिल किए थे। इनमें कई आरोपियों पर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दुबई से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट के साथ साजिश रचने का आरोप है।

इस सिंडिकेट का मास्टरमाइंड 'वितेश कोसर' उर्फ 'राजू दुबई' है, जो एक वांछित आरोपी है। इसमें पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट और अफगान नागरिक भी शामिल हैं। जांच से यह भी पता चला है कि नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री से प्राप्त 76 करोड़ रुपये की रकम को हवाला के जरिए अफगानिस्तान भेजा गया और इसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों को फंड देने के लिए किया गया। ईडी की अब तक की वित्तीय जांच में कुल 89 करोड़ रुपये की 'अपराध से प्राप्त आय' का पता चला है।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे शाह-रेखा गुप्ता: इंडिया ब्लॉक की रैली से पहले कानून-व्यवस्था पर की चर्चा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी पुलिस मुख्यालय पहुंचीं।

बैठक में कौन-कौन मौजूद थे?

गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख महेश दीक्षित सहित गृह मंत्रालय व दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों में दिल्ली पुलिस ने जिस तरह से कानून व्यवस्था की स्थिति संभाली, गृह मंत्री ने इसके लिए अफसरों और जवानों की तारीफ की है।

गृह मंत्री ने क्या कहा?

गृह मंत्री ने कहा, किसी भी कानून व्यवस्था खराब करने का अधिकार नहीं है। ऐसे तत्वों के साथ दिल्ली पुलिस सख्ती से निपटेगी। शाह ने कहा, दिल्ली में पुलिस को कुछ इलाकों में अपनी गश्त बढ़ानी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं, वृद्धों और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। सीसीटीवी और एआई के जरिए संदिग्ध लोगों पर नजर रखी जाए।

जुलाई के बाद से ही दिल्ली पुलिस, विरोध प्रदर्शनों और मार्च के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए खासी मशक्कत कर रही है। जुलाई में हिंसक प्रदर्शन के दौरान अनेक प्रदर्शनकारी और दिल्ली पुलिस के जवान घायल हो गए थे। पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा था। पैलेट गन का इस्तेमाल करने का मामला दिल्ली पुलिस के गले की फांस बन गया। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

पिछले दिनों भी कनॉट प्लेस और दूसरे क्षेत्रों में राजनीतिक दलों के प्रदर्शन व मार्च निकाले गए। हालांकि, इस दौरान दिल्ली पुलिस ने धैर्य से काम लिया और कानून व्यवस्था की स्थिति नहीं बिगड़ने दी। अमित शाह ने दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से कहा, वे आने वाले दिनों में भी तय प्रोटोकॉल के तहत कानून व्यवस्था बनाए रखें।

जामिया में छात्र संघ चुनाव को लेकर हंगामा, विरोध के बीच जेएमआई ने सभी क्लासेज की ऑनलाइन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। इस बीच मौजूदा हालात को देखते हुए और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्यक्रमों की कक्षाएं तत्काल प्रभाव से और अगली सूचना तक ऑनलाइन आयोजित करने का निर्णय लिया है।

जेएमआई ने इसकी जानकारी शनिवार को एक आधिकारिक नोटिस जारी करके दी, जिसमें कहा गया, 'मौजूदा हालात को देखते हुए और यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जेएमआई के सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि यूनिवर्सिटी के सभी कोर्सेज की कक्षाएं तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक ऑनलाइन माध्यम से चलाई जाएंगी।'

यूनिवर्सिटी ने कहा, 'यह निर्णय छात्रों की सुरक्षा और भलाई को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उनकी पढ़ाई का नुकसान न हो और शिक्षण-अधिगम (टीचिंग-लर्निंग) प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के जारी रह सके।'

उन्होंने कहा, 'सभी डीन/प्रमुख/निदेशक, फैकल्टी सदस्यों और छात्रों को निर्देश दिया जाता है कि वे ऑनलाइन क्लास शेड्यूल का पालन करें और शैक्षणिक गतिविधियों में नियमित रूप से शामिल हों। इसी के साथ यूनिवर्सिटी ने सभी फैकल्टी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए कक्षाएं लेने के लिए जरूरी इंतजाम करें और छात्रों को आवश्यक शैक्षणिक सहायता तथा अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराएं।'

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की ओर से साफ किया गया कि इस संबंध में कोई भी अन्य निर्देश या अपडेट यूनिवर्सिटी की आधिकारिक प्रक्रिया के माध्यम से सभी छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को सूचित किया जाएगा।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का विरोध-प्रदर्शन पिछले कई दिनों से जारी है। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय में पिछले 20 वर्षों से छात्र संघ के चुनाव नहीं हुए हैं। छात्रों की मांग है कि चुनाव कराने के लिए कमेटी गठित की जाए, चुनाव की तारीख घोषित हो और प्रक्रिया को बिना देरी शुरू किया जाए।

कांग्रेस ने पांच राज्यों के लिए वॉर रूम चेयरपर्सन नियुक्त किए

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने पांच राज्यों के लिए चुनाव वॉर रूम के चेयरपर्सन की नियुक्ति की है। यह नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी।

शनिवार को जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, इन नियुक्तियों के प्रस्ताव को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंजूरी दी है। ये चेयरपर्सन संबंधित राज्यों में पार्टी के चुनाव वॉर रूम के कामकाज की निगरानी करेंगे।

नियुक्त किए गए नामों में उत्तर प्रदेश के लिए सचिन यादव, पंजाब के लिए कन्नन गोपीनाथन, गोवा के लिए इमरोज खान, मणिपुर के लिए बिस्वरंजन मोहंती और उत्तराखंड के लिए कृष्ण सत्रोड़ शामिल हैं। पार्टी ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के तहत इन नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दी गई है।

बता दें कि चुनावी वॉर रूम प्रचार से जुड़ी गतिविधियों में समन्वय, संचार प्रबंधन, राजनीतिक घटनाक्रमों की निगरानी और चुनाव के दौरान पार्टी इकाइयों के बीच तालमेल बैठाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इन नियुक्तियों से पांचों राज्यों में कांग्रेस की संगठनात्मक और चुनाव प्रचार की तैयारियों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह घोषणा 24 अक्टूबर की आधिकारिक प्रेस रिलीज के माध्यम से की गई थी।

इस बीच, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा था कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा के वरिष्ठ नेताओं के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की हैं। यह बैठक 1 नवंबर को नई दिल्ली में 'वोट चोरी' के खिलाफ इंडिया ब्लॉक की मेगा रैली के लिए लामबंदी तेज करने को लेकर की गई थी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415